शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कर्नाटक में लोगों का झुकाव भाजपा की ओर : डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 29 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-147

अब सबूतों के साथ बाहर आ रही ऑपरेशन सिंदूर की पूरी कहानी

पाकिस्तानी वायुसेना को बर्बादी से उबरने में लगेंगे कई साल

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की तरफ से शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में कितनी बर्बादी मचाई, उसके सबूत अब खुद ब खुद उजागर हो रहे हैं। विश्व के कई सैटेलाइटों में कैद हुई हमले की प्रामाणिक तस्वीरें धीरे-धीरे सार्वजनिक हो रही हैं और पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों के साथ-साथ पाकिस्तानी वायुसेना के अड्डों की बर्बादी के खौफनाक दृश्य दिखा रही हैं। इन तस्वीरों को देख कर रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तानी वायुसेना को इस तबाही से उबरने में कई साल लग जाएंगे। तथ्य और तस्वीरें बताती हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तानी वायुसेना को हुआ है। भारत के हमले ने पाकिस्तानी वायुसेना को लगभग अक्षम बना दिया। हमले का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तानी वायुसेना को समझ नहीं आ रहा था कि वह अपना बचाव कैसे करे। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत के हमले से हुए नुकसान से उबरने में पाकिस्तानी वायुसेना को कम से कम पांच साल लगेगा।भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष चार दिन चला। इस दौरान भारतीय वायुसेना ने रणनीतिक तरीके से और पूरी सटीकता से हमले किए, जिससे पाकिस्तानी वायुसेना को हवा और जमीन दोनों जगह भारी नुकसान उठाना पड़ा। इसमें 9-10 मई की रात किया गया हमला बहुत अहम था, जो 10 मई को दोपहर तक जारी रहा। इन हमलों में भारत ने पाकिस्तान के एयरबेस को निशाना बनाया। इन हमलों के जरिए भारत ने पाकिस्तान को साफ संदेश दिया कि भारत पाकिस्तान में अंदर घुसकर मारने की ताकत और क्षमता रखता है।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने 6-7 मई की मध्य रात्रि पाकिस्तानी पंजाब के बहावलपुर और मुरीदके में स्थित आतंकी ठिकानों समेत कुल नौ जगहों पर हवाई हमले किए। इन हमलों में किसी आम नागरिक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हालांकि पाकिस्तानी सेना ने आतंकियों के समर्थन में भारत पर हमले की नाकाम कोशिश की, लेकिन भारत के मजबूत एयर डिफेंस के आगे उसकी एक न चली। इसके बाद भारतीय वायुसेना ने जवाबी कार्रवाई की।

पाकिस्तान ने भारत की जवाबी कार्रवाई से बचने के लिए सीमा पर अमेरिकी मूल के पुराने और चीनी रडार सिस्टम और सतह से हवा में मार करने वाला चीनी मिसाइल सिस्टम तैनात कर रखा था। इनमें एचक्यू-9एस शामिल है, जिसकी अधिकतम रेंज 250 किलोमीटर है। भारतीय वायुसेना ने अपने हारोप और हार्पी लोइटरिंग म्यूनिशन से पाकिस्तान के 4-5 रडार स्टेशनों को निशाना बनाया। इसके अलावा चीनी एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की लॉन्चर साइट को भी निशाना बनाया। भारत की इस जवाबी कार्रवाई ने पाकिस्तानी वायुसेना को पंगु बना दिया, जिससे पाकिस्तान की भारतीय वायुसेना की निगरानी करने की क्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई।

दूसरी तरफ, भारत ने पाकिस्तान के हवाई हमले से बचने के लिए एस-400 सिस्टम तैनात कर रखा था। एस-400 के डर से पाकिस्तानी लड़ाकू विमान सीमा के बहुत अंदर उड़ान भर रहे थे और उन्हें निशाना बनने का डर सता रहा था। यही वजह रही कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमान भारत के हमले से बचने के लिए नागरिक विमानों की आड़ में उड़ान भर रहे थे। एस-400 के अलावा सक्षम, शौर्य, समर और आकाश एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम को भी रणनीतिक रूप से बेहद अहम जगहों पर तैनात किया गया था, जिससे पाकिस्तानी वायुसेना को कोई मौका नहीं मिला।

▶10 पर

भारत ने पाकिस्तान के इन ठिकानों पर हमले किए

- पसरूर एयर डिफेंस रडार
- चुनियन एयर डिफेंस रडार
- आरिफवाला एयर डिफेंस रडार
- सरगोधा एयरफील्ड
- रहमियार खान एयरफील्ड
- कलाला एयरफील्ड (नूर खान)
- सुक्कुर एयरफील्ड
- भोलारी एयरफील्ड
- जैकोबाबाद एयरफील्ड

विश्व के कई सैटेलाइट जारी कर रहे हमले की प्रामाणिक तस्वीरें

मोदी सरकार ने किसान हित में लिए कई अहम फैसले

केंद्र ने 14 फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाया

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई बड़े फैसले लिए। सरकार ने किसानों को सौगात देते हुए धान, कपास समेत 14 विभिन्न फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। कैबिनेट में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, सरकार ने किसानों के लिए बड़ा फैसला लिया है। पिछले 10-11 वर्षों में खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में भारी बढ़ोतरी की गई है। खरीफ खरीद सीजन 2025-26 के लिए नए एमएसपी को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। कुल राशि लगभग 2,07,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

सरकार ने बुधवार को 2025-26 खरीफ विपणन सत्र के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 3 प्रतिशत बढ़ाकर 2,369 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया। आगामी फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) के खरीफ सत्र के लिए सामान्य और ए-ग्रेड धान की किस्मों का समर्थन मूल्य 69 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाकर क्रमशः 2,369 रुपए और 2,389 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है। दालों में अरहर का समर्थन मूल्य 450 रुपए बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि उड़द का एमएसपी 400 रुपए बढ़ाकर 7,800 रुपए प्रति क्विंटल और मूंग का एमएसपी 86 रुपए बढ़ाकर 8768 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार ने 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि नाइजर सीड के लिए की गई है, इसके बाद रागी, कपास और तिल का स्थान आता है। 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के समर्थन मूल्य में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 की घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय करने की बात कही गई है। केंद्र सरकार के फैसले के मुताबिक धान (सामान्य) का एमएसपी 2,300 रुपए से बढ़ा कर 2,369 रुपए कर दिया गया है। ▶10 पर

खरीफ खरीद सीजन 2025-26 के लिए नया एमएसपी मंजूर

किसानों की ब्याज सहायता योजना जारी रखने का निर्णय

मणिपुर में सरकार गठन की कवायद तेज

एनडीए को 44 विधायकों का समर्थन

इंफाल, 28 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में सरकार गठन की कवायद तेज हो गई है। भाजपा नीत एनडीए के 10 विधायक सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए इंफाल में राजभवन पहुंचे। भाजपा के आठ, एनपीपी के एक और एक निर्दलीय विधायक ने राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की। उन्होंने दावा किया कि उनके पास 44 विधायकों का समर्थन है।

मणिपुर में विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए बुधवार को राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को समर्थन का औपचारिक पत्र सौंपा और मौजूदा राजनीतिक अनिश्चितता के बीच एक स्थिर शासन विकल्प प्रदान करने की अपनी तत्परता दोहराई। राज्यपाल से मिलने के बाद विधायक थोकचोम राधेश्याम सिंह ने कहा, हमारे पास 44 विधायकों का समर्थन है और सभी भाजपा विधायक जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करने वाली सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। हम राज्यपाल से हमारे बहुमत पर विचार करने और त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। राज्यपाल से दावे की समीक्षा करने और संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार निर्णय लेने की उम्मीद है। विधायक थोकचोम राधेश्याम सिंह ने कहा, लोगों की इच्छा के अनुसार 44 विधायक सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। हमने राज्यपाल को यह बात बता दी है। इस मुद्दे के संभावित समाधान के बाबत भी हमने राज्यपाल से चर्चा की है। राज्यपाल ने हमारी बात को ध्यान से सुना और हमें उम्मीद है कि वे लोगों के सर्वोत्तम हित में कार्रवाई करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या वे सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे, उन्होंने कहा कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व इस बारे में निर्णय लेगा। हम नई सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। ▶10 पर

राज्यपाल से मिले एनडीए के विधायक

दिल्ली हाईकोर्ट के जज के यहां नोटों की बरामदगी का मामला

महाभियोग की सिफारिश कर चले गए संजीव खन्ना

गेंद अब केंद्र सरकार के पाले में

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से नोटों का जखीरा बरामद होने के मामले में तमाम लीपापोती के बाद सुप्रीम कोर्ट मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने रिटायर होने के पहले जज यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग लाने की सिफारिश कर दी। संजीव खन्ना तो रिटायर होकर चले गए, अब नए मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई हैं और महाभियोग की गेंद केंद्र सरकार के पाले में आ गई है।

अब महाभियोग लाने के पहले केंद्र सरकार विपक्षी दलों से भी सहमति बनाने की कोशिश करेगी, क्योंकि किसी जज को हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव को दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से पारित करना होता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की सिफारिश को राज्यसभा के सभापति और लोकसभा अध्यक्ष के पास भेज दिया है। इस प्रस्ताव को संसद के आगामी मानसून सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। मानसून सत्र जुलाई के तीसरे सप्ताह तक शुरू होने की उम्मीद है। ▶10 पर

पंचायती राज मंत्रालय के सौजन्य से हुआ सर्वेक्षण

देश के प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक सचिव नियुक्त होगा

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। लोकतंत्र की नींव के रूप में कार्य करने वाली ग्राम पंचायतें मानव संसाधन की कमी से जूझ रही हैं। इसका असर उनके काम के प्रदर्शन पर भी पड़ रहा है। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के सहयोग से केरल स्थानीय प्रशासन संस्थान (किला) के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। देशव्यापी इस अध्ययन की रपट केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय को सौंपी जा चुकी है, जिसमें हर ग्राम पंचायत में कम से कम एक पंचायत सचिव की नियुक्ति को अनिवार्य करने की सिफारिश की गई है। वर्तमान में औसतन दो से चार ग्राम पंचायतों पर एक सचिव नियुक्त होता है। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने 16वें वित्त वित्त आयोग से सिफारिश की है कि वह पंचायत स्तर पर अधिक कर्मियों की नियुक्ति को मंजूरी दे। पंचायत स्तर पर मानव संसाधन की स्थिति को जानने के लिए केरल स्थानीय प्रशासन संस्थान ने उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, ओड़ीशा, त्रिपुरा, असम, नगालैंड, झारखंड, मणिपुर, महाराष्ट्र, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और तमिलनाडु की ग्राम पंचायतों का व्यापक अध्ययन किया है। ▶10 पर

बांग्लादेशी अभिनेत्री अजमेरी हक पर रॉ एजेंट होने का आरोप

हिंदी फिल्म में रॉ एजेंट बन कर फंस गई अभिनेत्री

बांग्लादेश में चुनाव की वकालत की तो रॉ एजेंट बता दिया

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। कुछ अर्सा पहले एक हिंदी फिल्म खुफिया में रॉ एजेंट की भूमिका निभाने वाली बांग्लादेश की अदाकारा अजमेरी हक बधान पर बांग्लादेश सरकार ने आरोप लगाया है कि वे असल जीवन में रॉ की एजेंट हैं। अभिनेत्री अजमेरी हक बधान से गलती यह हुई कि उन्होंने बांग्लादेश में लोकतंत्र बहाली और मतदान से सरकार गठन की हिमायत कर दी थी। इस वजह से बांग्लादेश सरकार ने उन्हें भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ का एजेंट करार दे दिया। विडंबना यह कि पिछले साल जुलाई में जब बांग्लादेश में फर्जी छात्र आंदोलन चल रहा था, उस समय उन्हें सीआईए का एजेंट कहा गया था। तब उन पर यह आरोप लगाया गया था कि उन्हें यूएसएड से फंडिंग मिल रही है। उन्हें जमात का समर्थक तक बताया गया। कुछ हलकों में उन्हें मोसाद का एजेंट भी बताया गया। अब उन्हें फिर से रॉ का एजेंट बताया जा रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की आलोचना करने पर रॉ के एजेंट होने का ठप्पा लगाने का सिलसिला चल रहा है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

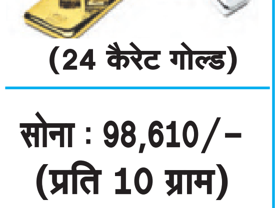

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 98,610/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,00,132/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32°

न्यूनतम : 21°

देश में एएमसीए लड़ाकू विमान बनाने को मिली मंजूरी

भारत बनाएगा 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। भारत की पहले पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) को विकसित करने के कार्यक्रम को मंजूरी मिल गई है। इससे पहले पिछले साल सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने पांचवीं पीढ़ी के मल्टीरोल फाइटर जेट विकसित करने के लिए 15 हजार करोड़ रुपए के कार्यक्रम को मंजूरी दी थी। पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान बनते ही भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा, जिनके पास वायुसेना में दुनिया की सबसे आधुनिक तकनीक के फाइटर जेट मौजूद हैं।दूसरे विश्व युद्ध के दौरान बनाए गए

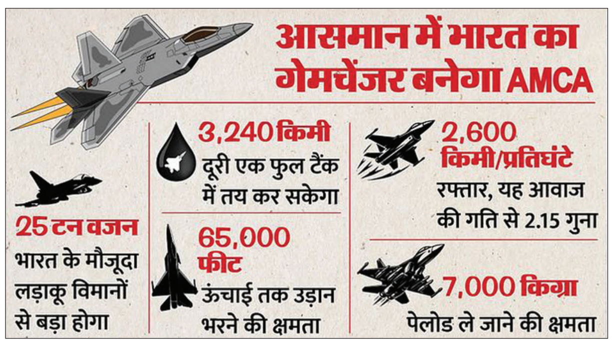

चुनिंदा ताकतवर देशों में शामिल हो जाएगा भारत

सबसे पहले फाइटर जेट्स को पहली पीढ़ी का लड़ाकू विमान कहा गया। इनमें सोवियत संघ का मिग-15 और अमेरिका का एफ-86 सैबर जेट शामिल थे। इन लड़ाकू विमानों में पहली बार तेज उड़ान भरने में सक्षम जेट इंजन का इस्तेमाल हुआ। दूसरी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में पहली बार आवाज की गति से तेज उड़ने वाले लड़ाकू विमान दुनिया के सामने आए। तीसरी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में बेहतर रडार और हवा से हवा में मार करने की क्षमता के साथ हवा से जमीन पर सधे निशाने लगाने की क्षमता विकसित की गई। इन्हें ही लड़ाकू विमानों की दुनिया में मल्टीरोल फाइटर एयरक्राफ्ट कहा गया। इसके बाद चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में ज्यादा आधुनिक हथियार लगाए गए। ▶10 पर

कावेरी इंजन की रूस में हो रही है टेस्टिंग

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। रक्षा शोध एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ड्रोन की मारक क्षमता बढ़ाने के लिए रूस में कावेरी इंजन की टेस्टिंग कर रहा है। अभी कावेरी इंजन का परीक्षण 25 घंटे और चलेगा। इसके बाद यह भारत के स्टेल्थ अटैक ड्रोन यूसीएवी में संलग्न किया जाएगा। यूसीएवी को भारत में बनाया जा रहा है और इसके जल्द ही अंतिम रूप लेने की संभावना है। डीआरडीओ भारत के स्वदेशी एयरक्राफ्ट एलसीए तेजस को भी अपग्रेड करने की योजना पर काम कर रहा है।

कावेरी या ऐसा कोई भी इंजन बड़े कार्गो विमानों पर टेस्ट किया जाता है। इन्हें टेस्टबेड कहा जाता है। भारत के पास कोई ऐसा टेस्टबेड नहीं है। इसके चलते कावेरी इंजन की टेस्टिंग भारत में न हो कर रूस में की जा रही है। कावेरी उस इंजन प्रोग्राम का नाम है, जिसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) विकसित कर रहा है।

कार्टून कॉर्नर

गणेश टाइटंस ने जीता मोतीलाल मुणोत कप, पी जे चैलेंजर्स बनी उपविजेता

क्रिकेट प्रतियोगिता में कांठा प्रांत युवाओं ने दिखाया खेल कौशल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट बेंगलूरु द्वारा लगातार सातवें वर्ष आयोजित मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता में गणेशमल गुगलिया के स्वामित्व वाली टीम गणेश टाइटंस ने ताराचंद सेहलोत के स्वामित्व वाली टीम पी जे चैलेंजर्स को हराकर कप अपने नाम किया। जालाहल्ली स्थित बी ई एल ग्राउंड में पिछले गुरुवार से प्रारंभ केपीपीएल सीजन 7 में पहले दो दिन खेले गये 24 लीग मैचों से पी जे चैलेंजर्स, श्री स्ट्राइकर्स, वर्धमान ड्रीम्स एवं गणेश टाइटंस टीमों ने सेमीफाइनल में स्थान बनाया। खराब मौसम की वजह से बाकी के मैच मंगलवार को खेले गये। प्रतियोगिता में प्रतीक सेहलोत को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, अंकित गांधी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज एवं प्रतीक सेहलोत को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। टीम स्ट्राइकर्स के मालिक सुनील डंक एवं टीम वर्धमान ड्रीम्स के कप्तान प्रवीण सुराणा ने कांठा प्रांत की खेल प्रतिभाओं को उचित खेल मंच देने के लिये कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट एवं समस्त प्रायोजकों का आभार व्यक्त किया। टीम पी जे चैलेंजर्स के ललित सहलोत ने कहा कि हार जीत खेल का हिस्सा है लेकिन अच्छे आयोजन खेल भावना से खेले गये मैचों से कांठा प्रांत की जीत हुई है। फाइनल मैच के पश्चात आयोजित पारितोषिक वितरण कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया एवं प्रतियोगिता की सफलता में भागीदारी निभाने वाले सभी टीम मालिकों व प्रायोजकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य प्रायोजक गौ प्रेमी महेंद्र मुणोत ने कहा कि खेल के मैदान में अच्छे खेल प्रदर्शन के साथ अच्छे व्यवहार व खेल भावना के प्रदर्शन से संस्कारों की झलक मिलती है। साथ ही उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए शहरीकरण के बीच खेलों के माध्यम से युवाओं में बढ़ते जुड़ाव व प्रेम से कांठा प्रांत में दूरगामी व सुखद परिणाम देखने को मिलेंगे। फूड प्रायोजक ललित गांधी ने पहली बार सार्वजनिक मंच पर बोलने की कोशिश करते हुए उनको प्रायोजक के रूप में अवसर देने के लिये ट्रस्ट को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रायोजक महेंद्र मुणोत, ललित गांधी, उत्तमचंद कोठारी, विनोद चानोदिया, मनोज कटारिया, उत्तमचंद भलगट, वसंतराज पितलिया एवं धर्मीचंद डागा का सत्कार किया गया। केपीपीएल संयोजक विजय गुगलिया, सह संयोजक अमित कोठारी, किरण गुगलिया, रमेश गुगलिया व विनोद गुगलिया के अनुसार आयोजन की सफलता में श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट के सभी ट्रस्टियों के साथ सहयोगी सदस्यों की महत्वपूर्ण भागीदारी रही। विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्राफी के साथ नगद पुरस्कार दिया गया। अंतिम दिन के सभी को देखने के लिये कांठा प्रांत बेंगलूरु के अनेकों गणमान्यो, कांठा प्रांत विजयनगर मंडल के सदस्यों, कांठा प्रांत राजाजी नगर संघ के पदाधिकारियों के साथ सैकड़ों की संख्या में महिलाएं भी उपस्थित हुई। प्रतियोगिता के सफल आयोजन से बेंगलूरु कांठा प्रांत के युवाओं के खेल कौशल को निखारने व युवाओं की आपसी बॉंडिंग में वृद्धि करने के उद्देश्य की पूर्ति का पुट देखने को मिला। पारितोषिक वितरण कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने किया।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ का वियतनाम दौरा सफलता पूर्वक संपन्न

व्यापारिक, सांस्कृतिक और सामाजिक अनुभवों से समृद्ध रहा दौरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर द्वारा आयोजित सात दिन और आठ रातों का प्रीमियम वियतनाम दौरा 27 मई को सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रतिनिधिमंडल 19 मई को रवाना हुआ था, और यह यात्रा व्यापारिक दृष्टिकोण से समृद्ध, सांस्कृतिक रूप से जीवंत एवं संगठनात्मक रूप से सशक्त अनुभवों से परिपूर्ण रही। इस अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने वियतनाम के प्रमुख शहरों – फू क्वोक, हनोई, हालोंग बे, दा नांग और हो ची मिन्ह जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। ये सभी स्थल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहरों और जीवंत संस्कृति के लिए प्रसिद्ध हैं। प्रतिनिधियों ने वहाँ की ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने इस यात्रा को एक ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि यह दौरा संगठन की एकता, आपसी सहयोग और सामाजिक संवाद को नई दिशा देने वाला रहा। सदस्यों ने न केवल वियतनाम की सांस्कृतिक समृद्धि को जाना, बल्कि व्यापारिक दृष्टिकोण से भी नई संभावनाओं का विश्लेषण किया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी ने साझा किया कि इस यात्रा ने हमें वियतनाम की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता और व्यापारिक परिवेश से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। साथ ही, इस यात्रा ने आपसी पारिवारिक और सामाजिक जुड़ाव की भावना को भी और अधिक प्रबल किया। इस यात्रा के संयोजक कमल पुनमिया और सह-संयोजक अरुण कुमार नाहर ने यात्रा की हर छोटी-बड़ी आवश्यकता को सुव्यवस्थित ढंग से संभाला। वहीं, रेशमा पुनमिया ने महिला यात्रियों एवं संपूर्ण दल की सुख-सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए यह सुनिश्चित किया कि किसी को कोई असुविधा न हो।

यात्रा में भाग लेने वाले सभी 33 सदस्यों ने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए भविष्य में इस प्रकार की और भी अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के आयोजन की इच्छा व्यक्त की। जीतो की मूल भावना – सेवा, ज्ञान और आर्थिक सशक्तिकरण – के अनुरूप यह यात्रा संगठन को वैश्विक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने का एक सफल प्रयास सिद्ध हुई। जीतो परिवार ने सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं तथा आशा व्यक्त की कि यह यात्रा उनके जीवन में स्थायी प्रेरणा एवं वैश्विक सोच का संचार करेगी।

मारवाड़ी युवा मंच सेंट्रल बेंगलूरु शाखा का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच सेंट्रल बेंगलूरु शाखा का शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर मंच के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने अपने कर्तव्यों की शपथ ली और संगठन को नई दिशा में ले जाने का संकल्प लिया।

सुरेश झाझरिया, जो मंच के संस्थापक सदस्य भी हैं, ने निर्वाचन अधिकारी की भूमिका निभाई। इस आयोजन में शपथ अधिकारी के रूप में मंच के वरिष्ठ और पूर्व अध्यक्ष संदीप टिबरेवाल ने गरिमामय ढंग से नव-निर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन बृजेश अग्रवाल ने किया। समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से मारवाड़ी युवा मंच कर्नाटक प्रांत अध्यक्ष मोहित शर्मा, बेंगलूरु शाखा के पूर्व अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू, सेंट्रल शाखा के पूर्व अध्यक्ष संदीप टिबरेवाल, रोशन सुलतानिया, रोहित केडिया एवं अंकित गोयल शामिल थे। इन सभी ने मंच को शुभकामनाएँ दीं और अपने अनुभवों से सभी को प्रेरित किया। इस वर्ष की नव-निर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष के रूप में गौतम लोहिया, राहुल बंसल उपाध्यक्ष, आयुष भीमसरिया सचिव, ऋतिक बंसल संयुक्त सचिव, गोपाल गोयल कोषाध्यक्ष, विनीत अग्रवाल सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त हुए। पूर्व अध्यक्ष शिशिर अग्रवाल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, एमवाईएम सेंट्रल शाखा ने बीते वर्षों में लगातार उत्कृष्ट कार्य करते हुए समाज में एक सशक्त पहचान बनाई है, और मुझे विश्वास है कि नया नेतृत्व इस यात्रा को और ऊँचाइयों तक ले जाएगा। नव-निर्वाचित अध्यक्ष गौतम लोहिया ने अपने संबोधन में कहा हमारा उद्देश्य है 'एक मंच, एक लक्ष्य। हम इस सिद्धांत को केंद्र में रखते हुए संगठन को और अधिक संगठित एवं प्रभावशाली बनाएंगे।

द्रोण अकादमी ने महिलाओं के लिए आयोजित 2-सप्ताह के खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

खेल किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हर खेल व्यक्ति अपने खेल प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए फिटनेस को प्राथमिक लक्ष्य के रूप में प्राप्त करने का प्रयास करता है। आज के युवा, जो भारत के भविष्य हैं, विभिन्न प्रकार के खेलों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) स्पोर्ट्स समुदाय के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए एक मंच प्रदान करता है और जीतो स्पोर्ट्स नेशनल गेम्स में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है। जीतो यूथ बेंगलूरु साउथ ने द्रोण अकादमी की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य सभी स्तरों की महिलाओं – शुरुआती, मध्यवर्ती और उन्नत – के बीच फिटनेस प्रशिक्षण और एथलेटिक विकास को बढ़ावा देना है। इस 2-सप्ताह के कार्यक्रम में 6 दिन की गहन प्रशिक्षण और 1 आराम और पुनर्प्राप्ति दिवस शामिल था, जिसमें पहले सप्ताह में नए कौशल को विकसित करने और दूसरे सप्ताह में उच्च तीव्रता वाले टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित किया गया था। द्रोण अकादमी का उद्देश्य समुदाय की महिला सदस्यों में विभिन्न कौशलों और उन्नत ड्रिल के माध्यम से एथलेटिकता को बढ़ाना था। द्रोण अकादमी का आयोजन जीतो यूथ बेंगलूरु साउथ द्वारा टर्निंग पॉइंट क्यूरेटर्स के सहयोग से, क्लच एरीना द्वारा संचालित और निकी द लक्जरी डिजाइन्स द्वारा जीवनशैली प्रायोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय की महिलाओं की एथलेटिकता को बढ़ाना और उन्हें अपने खेल को बेहतर बनाने और अपनी वास्तविक क्षमता को अनलॉक करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम 12 मई, 2025 को वेट ट्रेनिंग, एंड्योरेंस ट्रेनिंग और एगिलिटी ड्रिल सहित एक कठोर प्रशिक्षण शासन के साथ शुरू हुआ। प्रतिभागियों को एक प्रतिस्पर्धी भावना को बढ़ावा देने के लिए टीमों में विभाजित किया गया था, और प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र के अंत में रिले आयोजित किए गए थे। स्काई वॉरियर्स टीम विजयी रही, जबकि अनिता और परी को क्रमशः सुबह और शाम के बैचों के एमवीपी घोषित किया गया। द्रोण अकादमी एक शानदार सफलता थी, जिसने युवाओं को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने, प्रतिस्पर्धा करने, जुड़ने और संबंधों को मजबूत करने के लिए एक मंच प्रदान किया। इस कार्यक्रम के संयोजक रीथ ओस्तवाल और सह संयोजक वर्धमान के नेतृत्व में आयोजन टीम द्वारा सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन के साथ किया गया था, मेहुल श्रीश्रीमल चेयरमैन जीतो यूथ बेंगलूरु साउथ और मुख्य सचिव रिषभ चोपडा के मार्गदर्शन में और जीतो यूथ बेंगलूरु साउथ प्रबंध समिति के सदस्यों शेफाली गोलेचा, दर्शिता, राज्यश, हर्षा, कानिश, रिद्धि, तक्ष, लभदी, शशांक, रोशनी जैन, रिद्धि मेहता, शुभम और कृष मेहता के समर्थन से। फैकल्टी सदस्य राहुल बोकाड़िया को उनकी निष्ठा और प्रतिबद्धता के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया। द्रोण अकादमी की सफलता जीतो यूथ बेंगलूरु साउथ की एकता, सहयोग और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों को प्रदर्शित करती है। यह आयोजन टीम वर्क और खेल भावना की शक्ति को प्रदर्शित करता है और युवाओं को जुड़ने और एक साथ बढ़ने के लिए और अधिक अवसर बनाने के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

राज्यपाल से भेंट कर जैन समाज की मांगें उठाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन डेवलपमेंट फोरम के सदस्यों द्वारा, सरकार द्वारा जैन समुदाय को दिए जाने वाले अधिकारों और सुविधाओं में भेदभाव किया जा रहा है, जिससे जैन समुदाय को उनके अल्पसंख्यक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। इस विषय पर फोरम के अध्यक्ष बाबूभाई मेहता के नेतृत्व में चेयरमैन इन्दर कुमार नाहर, महामंत्री ललित डाकलिया, पूर्व पार्षद कविता जैन, महेश जैन, पंचेश आनेकर द्वारा कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से विस्तृत चर्चा की गई। ललित डाकलिया ने बताया कि इसके अलावा जैन समुदाय की 7 प्रमुख मांगों, जिसमें जैन विकास निगम की स्थापना, वार्षिक दो सौ करोड़ का अनुदान, कर्नाटक माइनॉरिटी विकास निगम और आयोग में मुख्य पदों पर नियुक्ति के साथ सदस्य बनाना, प्राचीन जैन मन्दिरों, स्थानकों, तेरापंथी भवनों और बसदियों के जीर्णोद्धार, सीसीटीवी कैमरा फिटिंग और उनकी जमीनों पर से अतिक्रमण हटाना जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से विवरण दिया गया। राज्यपाल ने सभी मांगों को पूरा करने का सरकार की ओर से आश्वासन दिया है।

सीएम ने भाजपा के उर्दू को कन्नड़ से ऊपर दावे को सांप्रदायिक नफरत फैलाने के लिए दुर्भावनापूर्ण झूठ बताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भाजपा के उन आरोपों का जोरदार खंडन किया है, जिसमें कहा गया है कि राज्य सरकार ने धन आवंटन में कन्नड़ की तुलना में उर्दू को प्राथमिकता दी है। उन्होंने इन दावों को सांप्रदायिक नफरत भड़काने के उद्देश्य से दुर्भावनापूर्ण झूठ करार दिया। सिद्धरामैया ने ट्वीट की एक श्रृंखला में कर्नाटक भाजपा पर जानबूझकर झूठ फैलाने का आरोप लगाया, जिससे सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान पहुंचता है। भाजपा एक दुर्भावनापूर्ण झूठ फैला रही है कि हमारी सरकार ने कन्नड़ की उपेक्षा करते हुए उर्दू को अधिक धन दिया। यह सिर्फ झूठ नहीं है – यह सांप्रदायिक घृणा भड़काने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। एक राष्ट्रीय पार्टी का इंटरनेट ट्रोल की तरह व्यवहार करना बेहद शर्मनाक है। मुख्यमंत्री ने भाजपा के दावों का मुकाबला करने के लिए विस्तृत आंकड़े पेश किए। सिद्धरामैया के अनुसार, राज्य सरकार ने 2020-26 के दौरान प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के लिए 34,438 करोड़ रुपये और समाज कल्याण और अन्य विभागों को अतिरिक्त 4,150 करोड़ रुपये आवंटित किए, कुल मिलाकर 38,688 करोड़ रुपये – सभी कन्नड़-माध्यम शिक्षा के लिए थे। इसके अलावा, सरकारी स्कूल के बुनियादी ढांचे के लिए 999.3 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं, जिससे कन्नड़-आधारित शिक्षा को लाभ होगा। सीएम ने कहा कन्नड़ सिर्फ एक भाषा नहीं है, यह हमारी पहचान, गौरव और मातृभाषा है। हमारी सरकार कन्नड़ या कर्नाटक का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कर्नाटक बीजेपी के इस दावे को खारिज कर दिया कि कन्नड़ को सिर्फ 32 करोड़ रुपये मिले हैं और इसे जानबूझकर राजनीतिक विकृति बताया जिसका उद्देश्य जनता को गुमराह करना और भड़काना है। मुख्यमंत्री ने भाषा को धर्म के बराबर मानने के लिए बीजेपी की निंदा की और इसे उस भाषा का अपमान बताया। कांग्रेस नेता ने सभी देशी भाषाओं का समर्थन करने के लिए कर्नाटक सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। किसी भी भाषा को किसी विशेष धर्म के बराबर मानना उस भाषा का अपमान है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कला ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रामनगर स्थित बीआर अंबेडकर भवन में सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। 200 से भी ज्यादा बाल कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

एहतियात के तौर पर दक्षिण कन्नड़ में 135 देखभाल केंद्रों की पहचान की गई

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एहतियात के तौर पर दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में 135 देखभाल केंद्रों की पहचान की गई है। संबंधित विभागों के अधिकारियों को हर तालुक में इन देखभाल केंद्रों को तैयार रखने का निर्देश दिया गया है। मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन की सीमा के भीतर सभी 60 वार्डों के लिए इंजीनियरों की नियुक्ति की गई है। 223 ग्राम पंचायतों के अधिकार क्षेत्र में पंचायत विकास अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जबकि 13 स्थानीय निकायों में मुख्य अधिकारियों को घटना कमांडर नियुक्त किया गया है। जिले के सभी कमांडरों को अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा करने और आवश्यक एहतियाती और सुरक्षा उपायों को लागू करने का निर्देश दिया गया है।

मुख्यमंत्री को सरकार के प्रदर्शन पर संवाद करने की चुनौती

कर्नाटक में लोगों का झुकाव भाजपा की ओर : डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में लोगों का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा है और अगर अभी चुनाव होते हैं, तो भाजपा को 150 से 155 सीटें मिलने की संभावना है। यहां मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। कांग्रेस पार्टी ने बहुमत हासिल किया है। हालांकि, उसके बाद के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय नेतृत्व और विजयेंद्र के स्थानीय नेतृत्व में चुनाव लड़ा। हमने 135 सीटों पर बढ़त हासिल की थी। उन्होंने विश्लेषण किया कि कर्नाटक की जनता को एक साल में ही एहसास हो गया कि उन्होंने विधानसभा चुनाव में गलत निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि सर्वेक्षणों के अनुसार, यदि अभी विधानसभा चुनाव होते हैं तो भाजपा 150 से 155 सीटें जीतकर सरकार बना सकती है। कांग्रेस के शासन में भ्रष्टाचार चरम पर है। मुस्लिम तुष्टीकरण चरम पर है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी न्यूनतम सीटों पर पहुंच सकती है। कांग्रेस पार्टी ने 2 साल की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए सम्मेलन बुलाया था। दूसरी

ओर, भाजपा ने अखबारों में विज्ञापन देकर कांग्रेस सरकार की विफलताओं से लोगों को अवगत कराया था। हमने आरोप पत्र जारी किया था। कांग्रेस पार्टी इसलिए चिंतित थी क्योंकि हमने लोगों को तथ्य बताए थे। उसे लोगों को जवाब देना चाहिए था। आरोप-प्रत्यारोप लोकतंत्र में सामान्य प्रक्रिया है। यह केवल भारत ही नहीं, लगभग पूरी दुनिया में पहली बार हुआ है कि हमारे खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज किया गया है। लोकतांत्रिक तरीकों से मत भागो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र के साथ बातचीत के लिए आना चाहिए। इसे टीवी पर प्रसारित होने दें। अगर उन्हें विश्वास है कि आर-ोप गलत हैं, तो उन्होंने मुख्यमंत्री को बातचीत के लिए आने की चुनौती दी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भाजपा किसी भी कार्यकर्ता को खोना नहीं चाहती है, हमने विधायक सोमशेखर और शिवराम हेब्बार को सुधारने का मौका दिया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के उपायों से भाजपा और मजबूत और शक्तिशाली बनकर उभरेगी, और निष्कासन के संबंध में पार्टी की कार्रवाई का बचाव किया। कांग्रेस की सरकार नहीं, यहां मुस्लिम लीग की सरकार है। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि राज्य में सांप्रदायिक नफरत और सांप्रदायिक दंगे कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टिकरण नीति, हिंदू समाज का अपमान और हिंदू समाज पर हमले के कारण हैं। उन्हें यह भी पता है कि तुष्टिकरण के लिए वक्फ बोर्ड को बड़ी मात्रा में जमीन दी गई थी। हमने देखा है कि उन्हें 150 करोड़ दिए गए और 4 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल ने इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि कांग्रेस के एक राज्यसभा सदस्य ने विधान सौधा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए थे। दुकान पर हनुमान की पूजा करने के अपराध में हमला किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों से यहां कांग्रेस की बजाय मुस्लिम लीग की सरकार है, ऐसा लगता है कि एसडीप-ीआई और पीएफआई की सरकार है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति को छोड़े। उसे राष्ट्रवादी राजनीति अपनानी चाहिए। हमारी केंद्र सरकार जल्द ही 11 साल पूरे कर लेगी। हमने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, उनकी सूची बहुत बड़ी है। उन्होंने कहा कि हम आपको इतनी उपलब्धियां बताएंगे कि उन्हें लिखना थका देने वाला होगा। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि यहां विपक्षी भाजपा के प्रदर्शन से मुझे खुशी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि विजयेंद्र बहुत अच्छे व्यक्ति हैं। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि कांग्रेस पार्टी के भीतर आंतरिक कलह के कारण सरकार कभी भी गिर सकती है। उन्होंने कहा कि अगर सिद्धरामैया इस्तीफा देते हैं तो लोग जानना चाहते हैं कि परमेश्वर, शिवकुमार, प्रियांक खड़गे में से किसका नेतृत्व होगा। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र, राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया, भाजपा युवा मोर्चा के महासचिव और विधायक हरीश पूंजा और पार्टी नेता उपस्थित थे।

कोविड स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां पूरी

अभी मास्क पहनना अनिवार्य नहीं: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि कर्नाटक में कोविड-19 को लेकर फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन किसी भी संभावित प्रकोप से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा चुकी हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वेंटिलेटर, ऑक्सीजन की आपूर्ति और अस्पताल के वार्डों तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। विधानसभा में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को किसी भी स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा वेंटिलेटर, ऑक्सीजन की आपूर्ति और अस्पताल के वार्ड बिना किसी व्यवधान के काम करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कोविड के मामलों की संख्या लगभग 65 से बढ़कर 80 हो गई है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थिति गंभीर चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने सलाह दी कि सर्दी, खांसी या बुखार जैसे लक्षणों वाले बच्चों को स्कूल नहीं भेजा जाना चाहिए। बुजुर्गों और सह-रुग्णता वाले लोगों को एहतियात के तौर पर मास्क पहनना चाहिए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि तैयारियों के हिस्से के रूप में टीकों का पहले से ही स्टॉक कर लिया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा इस समय सभी के लिए मास्क पहनना अनिवार्य नहीं है। हालांकि, बुजुर्गों और स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी जाती है। एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग के बारे में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से अभी तक कोई विशेष निर्देश नहीं मिले हैं, लेकिन एहतियाती कदम उठाए जाएंगे।

कांग्रेस पार्टी ने कचरे से पैसे कमाने की योजना बनाई है: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस पार्टी ने कचरे से पैसे कमाने की योजना बनाई है। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को बेंगलूरु में 'कीमतों में भारी वृद्धि' के खिलाफ बीबीएमपी आयुक्त को एक याचिका सौंपी। बाद में मीडिया से बात करते हुए आर. अशोक ने कहा कि पूरे देश में कचरा निपटान पर सबसे अधिक कर लगाने वाले धर्मपरायण लोग इसी कांग्रेस से हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि दूध से लेकर शराब तक के दाम बढ़ा दिए गए हैं। उन्होंने शिकायत की कि अगर करंट को छूओगे तो झटका लगेगा। ये घर बनाने वाले नहीं घर तोड़ने वाले हैं और पहले केम्पेगौड़ा को देश का निर्माण करके देश का स्वामी माना जाता था। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस ने राज्य को नष्ट करने का खिताब ले लिया है। कचरा उपकर 240 करोड़ वसूला जाता है। कचरा प्रबंधन के लिए 145 करोड़ का टेंडर निकाला गया है। उन्होंने विश्लेषण किया कि अगर उपयोगकर्ता शुल्क वसूला जाए तो 500 से 600 करोड़ मिलेंगे। उन्होंने पूछा कि आप किसके घर को नष्ट करने के लिए यह शुल्क वसूल रहे हैं। अन्य राज्यों में या तो उपकर या

उपयोगकर्ता शुल्क वसूला जाता है। यहां उन्होंने आपत्ति जताई कि दोनों वसूले जाते हैं। इससे किराया बढ़ जाएगा। उन्होंने समझाया कि किराएदारों और मकान मालिकों के बीच लड़ाई शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जब हमारी सरकार पहले सत्ता में थी, तो हम एकत्रित कचरे के लिए किलोग्राम में उपकर वसूलते थे। वे साइट के वर्ग फीट में शुल्क लेते हैं। उन्होंने आलोचना की कि वे गारंटी के लिए पैसे तय करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि वे इस बारे में विवरण दें कि दर कितनी बढ़ाई गई है। फिर उन्होंने मांग की कि इसे लागू किया जाए। उन्होंने अनुरोध किया था कि कचरा शुल्क वर्ग फीट के बजाय किलोग्राम में लिया जाए। अन्यथा, उन्होंने चेतावनी दी कि बेंगलूरु के लोगों का अभिशाप आप पर पड़ेगा। चेन्नई, महाराष्ट्र के शहर, कोच्चि आदि में इतना टैक्स नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गारंटी के कार्यान्वयन के लिए बेंगलूरु के लोगों पर बोझ डाल रही है। इस मौके पर विपक्ष के नेता आर. अशोक, विपक्ष विधान परिषद के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण, विधायक के. गोपालैया, एस. रघु, एस. मुनिराजू, एल.ए. रविसुब्रमण्यम, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, भाजपा के राज्य मुख्य प्रवक्ता अश्वथनारायण, राज्य मीडिया संयोजक करुणाकर खासले, सह-संयोजक प्रशांत केदानजी और पार्टी नेता मौजूद थे।

जय हिंद सभा कार्यक्रम का आयोजन

पूर्व सैनिकों के लिए अलग निगम बनाने पर विचार चल रहा है: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा राज्य के सभी भूतपूर्व सैनिकों की सहायता के लिए एक अलग निगम की योजना बनाई गई है, तथा इस मुद्दे पर कैबिनेट बैठक में चर्चा की जाएगी तथा निर्णय लिया जाएगा।

शहर के टाउन हॉल में आयोजित जय हिंद सभा कार्यक्रम में देश की सेवा करने वाले शहीद सैनिकों के परिजनों तथा वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को सम्मानित करने के पश्चात बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम कांग्रेस पार्टी के सैनिक विंग के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन की सलाह पर एक निगम बनाने के बारे में सोच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम देश की सेवा करने वाले सैनिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। ऐसे महत्व-पूर्ण कार्यक्रम का हिस्सा बनना गर्व की बात है। मैं देश तथा कांग्रेस पार्टी की ओर से आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं,

जिन्होंने देश को मजबूती प्रदान की है। कांग्रेस पार्टी हमेशा देश तथा हमारे सशस्त्र बलों के साथ खड़ी रहेगी। यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि यह आपके योगदान को हमेशा याद रखेगा। भारतीय सेना में सेवा दे चुके वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और पूर्व सैनिकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। देश की सेवा करते हुए शहीद हुए वीर सैनिकों के परिवार के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। अशोक चक्र विजेता स्वर्गीय मेजर संदीप उन्नीकृष्णन, शौर्य चक्र विजेता कर्नल जोजन थॉमस, मेजर एम.सी. मुथन्ना, मेजर गणेश मद्दप्पा, कैप्टन एम.वी. पंजाल, मेजर मोहन गंगाधरन, मेजर शफीक मोहम्मद खान और सेना मेडल विजेता कर्नल राममूर्ति के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया गया। कर्नाटक राज्य कांग्रेस कमेटी ने अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के निर्देशन में इस जय हिंद सभा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में एक हजार से अधिक वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और पूर्व सैनिकों ने भाग लिया। एआईसीसी ने देश भर में इस कार्यक्रम को आयोजित करने का निर्देश दिया है, जिसका उद्देश्य देश की निस्वार्थ सेवा करने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देना और उनके पीछे खड़े होना है।

भारी बारिश के बीच चारमुडी घाट में मौज-मस्ती पर लगा ब्रेक

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

देशभर में भारी बारिश जारी रहने के कारण मुदिगेरे तालुक के चारमुडी घाट पर झरने थम गए हैं और पर्यटकों के छलांग लगाने के बाद पुलिस ने सख्ती बरती है। पर्यटकों के चट्टानों पर फिसलने का वीडियो वायरल होने पर जिला पुलिस प्रमुख विक्रम अम्यूट ने मौके पर पुलिस भेजकर पर्यटकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घाट के पास पुलिस तैनात की गई है।

लगातार पानी बहने से चट्टानों पर हरे शैवाल जम जाते हैं। अगर पर्यटक ऐसी चट्टानों पर चढ़कर कूदने की कोशिश करते हैं तो बड़ा खतरा है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करने का फैसला किया है। चारमुडी घाट के अलेकान होराट्टी

और अन्नाप्पास्वामी मंदिर स्थित झरनों के पास रोजाना झरने देखने आने वाले पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी के मद्देनजर सड़क किनारे खाने-पीने की दुकानें भी खोल दी गई हैं। इससे बचने के लिए जिला प्रशासन ने पुलिस तैनात की है और यातायात को सुचारू बनाने की व्यवस्था की है। पुलिस ने पाया कि चार युवक चारमुडी घाट इलाके में एक चट्टान पर खड़े होकर फोटो खींच रहे थे, जिसके बाद पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बाबाबुदन गिरि के रास्ते में भूस्खलन का डर बना हुआ है। पिछले साल मानसून के मौसम में दत्त पीठ को जोड़ने वाली सड़क पर कविकल गांडी के पास भूस्खलन हुआ था, इसलिए एक महीने के लिए पर्यटकों को दत्त पीठ में जाने पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि, इस बार मानसून सीजन शुरू होने से पहले ही दत्त पीठ मार्ग पर भूस्खलन का डर बना हुआ है। चंद्रद्रोण पर्वत श्रृंखला में लगातार बारिश हो रही है और गिरि पर्वत की मिट्टी ढीली हो रही है। मानसून के मौसम में बड़े पैमाने पर भूस्खलन की संभावना है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से भूस्खलन होने से पहले आवश्यक एहतियाती कदम उठाने का आग्रह किया है। लगातार बारिश के कारण मुदिगेरे, कलसा, कोप्पा और श्रृंगेरी तालुकों में लोगों को बिजली और मोबाइल नेटवर्क की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को बरसात के मौसम के लिए जलाऊ लकड़ी तैयार करने के लिए समय चाहिए था। लेकिन बरसात से पहले ही बारिश शुरू हो गई है और जिन लोगों ने यह सोचकर जलाऊ लकड़ी की तैयारी नहीं की थी कि बारिश से उन्हें राहत मिलेगी, उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भद्रा नदी और उसकी सहायक नदियां उफान पर हैं। कुद्रेमुख के पास जाबले में भद्रा नदी के पानी के बहाव के कारण जमीन धंस गई है। कुल मिलाकर बारिश ने जिले में कोहराम मचा दिया है और अगर इसी तरह बारिश जारी रही तो और भी आपदाएं आने की आशंका है। लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल आवश्यक एहतियाती कदम उठाने की मांग की है।

हत्याकांड को लेकर बंद का आह्वान सूरथकल के पास बस पर हमला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोल्थामजालू के एक युवक की नृशंस हत्या के बाद दक्षिण कन्नड़ के कई हिस्सों में तनाव व्याप्त हो गया, जिसके कारण कई मुस्लिम संगठनों ने विरोध में बंद का आह्वान किया। बंद से संबंधित अशांति के तहत बुधवार को सूरथकल के पास पथराव की घटना की सूचना मिली। कथित तौर पर बदमाशों ने मेंगलूरु से किन्निगोली जा रही एक बस पर पथराव किया।

बंटवाल ग्रामीण पुलिस थाना क्षेत्र में अब्दुल रहीम नामक व्यक्ति की हत्या के बाद मौजूदा तनाव-पूर्ण स्थिति को देखते हुए, मेंगलूरु शहर पुलिस आयुक्तालय सीमा और दक्षिण कन्नड़ जिले के पांच अन्य तालुकों में भारतीय नागरिक

सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने मेंगलूरु शहर पुलिस आयुक्तालय की सीमा में आदेश जारी किए हैं, जबकि प्रभारी डिप्टी कमिश्नर और दक्षिण कन्नड़ के जिला मजिस्ट्रेट डॉ. आनंद के ने पुलिस अधीक्षक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए जिले के पांच तालुकों में 27 मई को धारा लागू की है, जिन्होंने जिला पुलिस सीमा में सार्वजनिक शांति और कानून व्यवस्था में संभावित गड़बड़ी की चेतावनी दी थी। मेंगलूरु शहर पुलिस आयुक्तालय की सीमा और बंटवाल, बेल्टांगडी, पुत्तूर, कडाबा और सुलिया तालुकों में 27 मई को शाम 6 बजे से 30 मई को शाम 6 बजे तक निषेधाज्ञा लागू रहेगी।

विधायक यशपाल सुवर्णा ने कृत्रिम बाढ़ के लिए अधिकारियों की लापरवाही को ठहराया जिम्मेदार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

सत्यमूर्ति सभागार में आयोजित उडुपी सिटी म्यूनिसिपल काउंसिल (सीएमसी) की आम सभा की बैठक में पार्षदों ने हाल ही में हुई बारिश के बाद नागरिक मुद्दों पर नाराजगी जाहिर की। कई पार्षदों ने अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया, जबकि विधायक यशपाल सुवर्णा ने शहर के कुछ हिस्सों में कृत्रिम बाढ़ के लिए उनकी गैरजिम्मेदारी को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। सत्तारूढ़ पार्टी के एक पार्षद ने उडुपी जिले के प्रभारी मंत्री की महिलाओं के मुद्दों का समर्थन करने में विफल रहने और जिले का दौरा न करने के लिए आलोचना की, साथ ही अनियमित बिजली आपूर्ति के लिए शक्ति योजना को भी जिम्मेदार ठहराया। इस पर तीखी नोकझोंक हुई, जिसमें विपक्षी सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताई। विपक्षी पार्षद रमेश कंचन ने कहा कि गारंटी योजनाएं वैकल्पिक हैं, और व्यक्ति इनका लाभ न उठाने का विकल्प चुन सकता है। विधायक यशपाल सुवर्णा ने जवाब देते हुए कहा प्रभारी मंत्री को कब आना चाहिए? हम केडीपी बैठक के दौरान मंत्री से पूछेंगे कि उन्हें कौन सी जिम्मेदारियां संभालनी चाहिए। पार्षद विजय कोडवूर ने निर्वाचित प्रतिनिधियों की सार्वजनिक आलोचना का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूछा हमने अधिकारियों को बार-बार मानसून की तैयारी करने के लिए याद दिलाया है। बारिश सिर्फ 10 दिन पहले हुई थी – ड्रेनेज की सफाई और मानसून के काम के लिए समय पर टेंडर क्यों नहीं पास किए गए? अगर कोई सिविल काम नहीं हो रहा है, तो टेंडर बुलाने का क्या मतलब है? एक अन्य पार्षद ने कुंजीबेट्टू वार्ड में ड्रेनेज की रुकावटों को उजागर किया। उन्होंने कहा हमने जनता के जरिए सीएमसी को एक पत्र सौंपा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। पार्षद अमृता कृष्ण मूर्ति ने आधी रात को भारी बारिश के दौरान एक घटना को याद किया, जब एक पेड़ बिजली के खंभों पर गिर गया था। उन्होंने कहा संपर्क करने के लिए कोई नहीं था, और देर रात तक किसी सिविल कर्मचारी ने जवाब नहीं दिया। पार्षद रमेश कंचन ने टिप्पणी की कि अध्यक्ष और विधायक द्वारा अधिकारियों के साथ बैठक के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। क्या यह गैर-जिम्मेदारी है या अधिकारी सिर्फ आपके आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं? विधायक यशपाल सुवर्णा ने कहा कि खतरनाक पेड़ों को हटाने के लिए निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन कई पेड़ों को छुआ तक नहीं गया क्योंकि वे निजी जमीन पर थे। जल निकासी की जगह कम होने पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा जो नाला 10 फुट का होना चाहिए था, वह घटकर मात्र 3 फुट रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मणिपाल में कई इमारतों ने जल निकासी लाइनों पर अतिक्रमण कर उन्हें पार्किंग क्षेत्र बना दिया है, इसे आधिकारिक निरीक्षण की स्पष्ट विफलता बताया। अधिकारियों ने बताया कि प्रमुख नालों की सफाई हर दो साल में एक बार ही की जाती है। इस साल 50 लाख रुपये की लागत वाले काम के लिए अप्रैल के पहले सप्ताह में टेंडर किया गया था। 28 अप्रैल को काम शुरू हुआ और जल्दी बारिश के कारण अभी भी केवल 20 प्रतिशत ही पूरा हुआ है। हालांकि, पार्षद विजय कोडवूर ने तर्क दिया कि प्रभावी तरीके से कीचड़ हटाने के लिए अब बहुत देर हो चुकी है। अधिकारियों ने सिविल कर्मचारियों की अनियमित उपस्थिति पर भी चिंता जताई, जिसमें 100 में से केवल 40 ही ड्यूटी पर आते हैं। हर तीन महीने में पर्यवेक्षकों के बार-बार रोटेशन को एक अन्य मुद्दे के रूप में उद्धृत किया गया। उन्होंने कहा जब रात में पेड़ गिरते हैं, तो कोई भी कर्मचारी नहीं आता है। पार्षद बालकृष्ण शेट्टी ने नित्तूर में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूछा अगर जमीन राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की थी तो अनुमति क्यों दी गई? सीएमसी अध्यक्ष ने अधिकारियों को दो दिनों के भीतर अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया। बन्नंजे वार्ड में उचित अनुमति के बिना निर्माण को भी चिह्नित किया गया। उडुपी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से पीने के पानी के दूषित होने पर चर्चा की गई। इंद्राणी नदी में अनुपचारित पानी बहने के कारण, विधायक सुवर्णा ने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों को मुफ्त पीने का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि एसटीपी तकनीकी मूल्यांकन की प्रतीक्षा कर रहा है। रमेश कंचन ने मालपे-आदि उडुपी सड़क की जीर्ण-शीर्ण स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया। विधायक यशपाल सुवर्णा ने जवाब दिया कि काम प्रगति पर है और कलमाडी तक सुचारू रूप से जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि भूमि अतिक्रमण के कारण देरी हो रही है और आश्वासन दिया कि सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी नियमित रूप से परियोजना की निगरानी कर रहे हैं।

सहयोग करने की अपील

उन्होंने निवासियों और यात्रियों से सहयोग करने की अपील की। बंद जल निकासी व्यवस्था के मुद्दे पर विधायक सुवर्णा ने कहा कुछ अपार्टमेंट सार्वजनिक नालियों में अपशिष्ट जल छोड़ते हैं, जिससे समस्याएँ पैदा होती हैं। ऐसे मामलों में, निवासी अपने क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए खुद ही नालियों को बंद कर देते हैं। पार्षदों ने आरोप लगाया कि वरही परियोजना के अधिकारियों द्वारा खोदी गई सड़कों की मरम्मत नहीं की गई, जिससे पेरमपल्ली जैसे क्षेत्रों में रोजाना असुविधा होती है। जल जीवन मिशन के अधिकारियों ने बैकवाश पानी के निपटान में चुनौतियों का हवाला दिया, क्योंकि स्थानीय किसानों ने इसका विरोध किया। स्ट्रीट लाइटिंग एक और चिंता का विषय थी, जिसमें लगभग 30 प्रतिशत लाइटें काम नहीं कर रही थीं।

दक्षिण कन्नड़, उडुपी में एक सप्ताह में 374 मिमी की रिकॉर्ड बारिश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) और उडुपी में मानसून ने जोरदार शुरुआत की है, पिछले सप्ताह इस क्षेत्र में 374.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। यह इस अवधि के लिए औसत वर्षा की तुलना में 86.4 प्रतिशत अधिक है। मानसून सामान्य से 12 दिन पहले आया और 24 मई को कर्नाटक तट पर प्रवेश किया। तब से, इस क्षेत्र में भारी बारिश हो रही है। 25 और 26 मई को, बारिश विशेष रूप से तीव्र और व्यापक थी, 27 मई को इसकी तीव्रता थोड़ी कम हो गई। थोड़ी देर की कमी के बावजूद, पूरे सप्ताह क्षेत्र में लगातार बारिश होती रही। तालुक-वार तुलना से पता चलता है कि दक्षिण कन्नड़ जिले के बेलटांगडी तालुक में 543 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य तौर पर 45.6 मिमी बारिश होती है – जो औसत से दस गुना अधिक है। अधिकांश अन्य तालुकों में भी इसी तरह की भारी बारिश हुई है। बंटवाल में 554.3 मिमी (सामान्य 48.5 मिमी), मेंगलूरु – 449.5 मिमी (53.9), पुत्तूर – 479.4 मिमी (45.6), सुलिया – 387.7 मिमी (35.4), मूडबिद्री – 588.2 मिमी (51.8), कदबा – 495.4 मिमी (42.6), मुल्की – 450.5 मिमी (65.6) और उल्लाल – 507.4 मिमी (53.9) बारिश दर्ज की गई। उडुपी जिले में, करकला तालुक में 493.8 मिमी (45.8), कुंदापुर – 418.4 मिमी (54.8), उडुपी – 473.5 मिमी (61.5), बिंदूर – 512.7 मिमी (62.3), ब्रह्मवर – 517.8 मिमी (56.2), कौप –439.6 मिमी (77.3), और हेबरी – 462.6 मिमी (47.6) दर्ज की गई। ये आंकड़े मानसून के मौसम की उल्लेखनीय शुरुआत को दर्शाते हैं, जिसमें तटीय क्षेत्र में सामान्य से कहीं अधिक बारिश हुई है।

राज्य भर में भारी बारिश

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों, अधिकारियों को राहत कार्य में जुटने का निर्देश दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य भर में भारी बारिश के मद्देनजर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने जिला प्रभारी मंत्रियों, जिला प्रभारी सचिवों और जिला कलेक्टरों को तत्काल बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर राहत कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से बारिश से हुई आपदा के बारे में जानकारी प्राप्त की और उन्हें एहतियाती कदम उठाने के आदेश दिए। उन्होंने जिला मंत्रियों और जिला प्रभारी सचिवों को तत्काल भारी बारिश से क्षतिग्रस्त और प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और स्थिति का व्यापक जायजा लेने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला कलेक्टरों और जिला प्रभारी सचिवों को इस मामले पर कड़ी नजर रखने और तुरंत युद्ध स्तर पर राहत कार्य करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सरकार के मुख्य सचिव को इस संबंध में व्यापक समीक्षा करने के लिए 30 और 31 मई को जिला कलेक्टरों, जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और जिला प्रभारी सचिवों की बैठक बुलाने के निर्देश दिए हैं।

राज्य में 170 तालुकों को बाढ़/भूस्खलन संभावित तालुकों के रूप में चिन्हित किया गया है तथा एहतियाती उपाय के रूप में 2,296 देखभाल/आश्रय स्थलों की पहचान की गई है। बीबीएमपी के अंतर्गत 201 स्थानों को बाढ़ संभावित स्थानों के रूप में चिन्हित किया गया है। 26 मई तक राज्य में 45 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। 1,385 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें से 99 प्रतिशत को वित्तीय सहायता का भुगतान किया जा चुका है। बताया गया है कि आपदा प्रबंधन के लिए जिला एवं तालुक स्तरीय पीडी खाते में 97,351.95 लाख रुपए का अनुदान है।

कमल हासन ने 'कन्नड़ तमिल से आया' के दावे से आक्रोश पैदा किया

भाजपा ने माफी की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अभिनेता और राजनेता कमल हासन ने अपने हालिया बयान से राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि कन्नड़ भाषा तमिल से पैदा हुई है। चेन्नई में अपनी आगामी फिल्म ठग लाइफ के ऑडियो लॉन्च के दौरान की गई इस टिप्पणी पर कर्नाटक में तीखी प्रतिक्रिया हुई है, खासकर भाजपा और कन्नड़ समर्थक समूहों ने, जिन्होंने तत्काल और बिना शर्त माफी की मांग की है। कन्नड़ अभिनेता शिवराजकुमार के साथ मंच साझा करते हुए, हासन ने अपने भाषण की शुरुआत मेरा जीवन और मेरा परिवार तमिल भाषा में है से की,

और फिर अब विवादास्पद टिप्पणी की आपकी भाषा (कन्नड़) तमिल से पैदा हुई है, इसलिए आप भी इसमें शामिल हैं। शायद सांस्कृतिक एकता के संकेत के रूप में की गई इस टिप्पणी ने इसके बजाय भाषाई अहंकार और अनादर के आरोपों को हवा दी है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने हासन की टिप्पणियों की निंदा करते हुए उन्हें अशिष्ट' और कन्नड़ तथा इसके 6.5 करोड़ भाषियों का अपमानजनक बताया। विजयेंद्र ने सोशल मीडिया पर लिखा यह अहंकार की पराकाष्ठा है कि कन्नड़ सहित कई भारतीय भाषाओं में अभिनय करने वाले कमल हासन ने तमिल के महिमामंडन के नाम पर कन्नड़ का अपमान किया है। उन्होंने कन्नड़ की भाषाई उत्पत्ति पर बोलने के हासन के अधिकार पर भी सवाल उठाया और कहा वह कमल हासन इतिहासकार नहीं हैं। भाजपा नेता ने हासन पर धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं को बार-बार ठेस पहुँचाने का भी आरोप लगाया और कहा कमल हासन, जिन्हें दक्षिण भारत में सद्भाव लाने वाला माना जाता है, पिछले कुछ वर्षों से लगातार हिंदू धर्म का अपमान कर रहे हैं और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचा रहे हैं।

अब, उन्होंने 6.5 करोड़ कन्नड़ लोगों के स्वाभिमान को ठेस पहुँचाकर कन्नड़ का अपमान किया है। कन्नड़ समर्थक समूह भी विरोध में शामिल हो गए हैं। कर्नाटक रक्षण वेदिके के कार्यकर्ताओं ने बेंगलूरु में ठग लाइफ के पोस्टर फाड़ दिए और 5 जून को रिलीज होने वाली फिल्म पर राज्यव्यापी प्रतिबंध लगाने की धमकी दी। संगठन के अध्यक्ष प्रवीण शेट्टी ने चेतावनी दी, आप कर्नाटक में व्यवसाय करना चाहते हैं और अपनी फिल्में दिखाना चाहते हैं, कन्नड़ और कन्नड़ लोगों का अपमान करना बंद करें। 2,500 से अधिक वर्षों के प्रलेखित इतिहास के साथ, कन्नड़ सबसे पुरानी जीवित द्रविड़ भाषाओं में से एक है जो तमिल से अलग है, न कि इसका व्युत्पन्न है। दोनों भाषाएँ व्यापक द्रविड़ परिवार में प्राचीन जड़ें साझा करती हैं, लेकिन अपनी स्वयं की लिपियों, व्याकरण और साहित्यिक परंपराओं के साथ स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं।

अभिनेता कमल हासन को कन्नड़ के प्राचीन इतिहास की जानकारी नहीं: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि कन्नड़ भाषा का इतिहास बहुत पुराना है, और अभिनेता कमल हासन को इसकी जानकारी नहीं है। सीएम का यह बयान अभिनेता की हाल ही में चेन्नई में अपनी आगामी फिल्म ठग लाइफ के ऑडियो लॉन्च पर की गई टिप्पणी के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि 'तमिल ने कन्नड़ को जन्म दिया। सिद्धरामैया ने संवाददाताओं से कहा, कन्नड़ भाषा का इतिहास बहुत पुराना है, उन्हें नहीं पता। वहीं कन्नड़ कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि कन्नड़ का इतिहास हजारों सालों से फैला हुआ है। अपने गुस्से का प्रदर्शन करने के लिए उन्होंने बेलगावी और कुछ अन्य स्थानों पर कमल हासन के पोस्टर जलाए और उनके खिलाफ नारे लगाए। अभिनेता-राजनेता के बयान की निंदा करते हुए, प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि वह राज्य के लोगों से माफी मांगें।

विहिप नेता शरण की गिरफ्तारी पर आक्रोश

विजयेंद्र ने सरकार को चेताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने चेतावनी दी है कि हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के दौरान दक्षिण कन्नड़ जिला बंद का आह्वान करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए विश्व हिंदू परिषद के नेता शरण पंपवेल को यदि तत्काल रिहा नहीं किया गया तो राज्य सरकार आगामी अराजकता के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होगी। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद के नेता शरण पंपवेल को रिहा किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा है कि यदि इस तरह की गिरफ्तारियां दोबारा होती हैं तो राज्य सरकार को इसके परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के दौरान

दक्षिण कन्नड़ जिला बंद का आह्वान करने के आधार पर विश्व हिंदू परिषद के नेता शरण पंपवेल को हिरासत में लेने के लिए मेंगलूरु पुलिस की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी राज्य में कांग्रेस की सरकार आती है तो हिंदुओं को सुरक्षा नहीं मिल रही है और पुलिस के माध्यम से हिंदू कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने और उन पर अत्याचार करने वाली यह सरकार उन्हें तुच्छ कारणों से गिरफ्तार कर रही है और उन्हें डराने के लिए झूठे मामले दर्ज कर रही है। विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा कर्नाटक इस बात को बर्दाश्त नहीं करेगी कि राज्य सरकार, जो तुष्टीकरण की राजनीति के लिए राष्ट्रविरोधी और जिहादी ताकतों को संरक्षण दे रही है, ने बार-बार हिंदू कार्यकर्ताओं और नेताओं को कमजोर करने के लिए कदम उठाए हैं।

एनएच-75 पर यातायात सुगम हुआ

सांसद कैप्टन बृजेश चौटा के निर्देश के बाद फ्लाईओवर, अंडरपास खोले गए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मानसून के उम्मीद से पहले आने के साथ, सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनए-चएआई) को मेंगलूरु-बेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग 75 के निर्माणाधीन बीसी रोड-अड्डाहोल फोर-लेन खंड पर वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। निर्देश का उद्देश्य चल रहे कार्यों, खासकर कल्लडका फ्लाईओवर के आसपास लोगों को होने वाली असुविधा को रोकना है।

लोगों की शिकायतों में चल रहे राजमार्ग विस्तारीकरण के कारण वाहनों की आवाजाही में होने वाली बाधाओं को उजागर किया गया है, खासकर तेज मानसून के

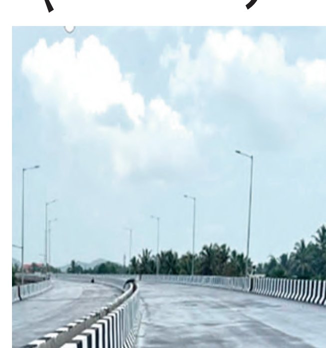

दौरान। जवाब में, सांसद चौटा, जो वर्तमान में एक सर्वदलीय विदेशी प्रतिनिधिमंडल के दौरे पर हैं, एनएचएआई अधिकारियों के साथ लगातार संवाद कर रहे हैं और जहां भी निर्माण यातायात प्रवाह में बाधा डाल रहा है, वहां समय पर और कुशल विकल्प अपनाने का आग्रह कर रहे हैं।

उन्होंने बरसात के मौसम में निर्बाध यातायात सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय योजना बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया और एनएचएआई को राजमार्ग निर्माण से उत्पन्न होने वाली सभी संबंधित चिंताओं को प्राथमिकता देने और तुरंत दूर करने का निर्देश दिया। चौटा ने अधिकारियों को बाढ़ संभावित क्षेत्रों पर विस्तृत रिपोर्ट एकत्र करने और पूर्व-निवारक कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। 29 मई से एनएचएआई ने मणि के पास वाहन अंडरपास (वीयूपी) और उप्पिनंगडी के पास एक और अंडरपास यातायात के लिए खोल दिया है। इसके अलावा, 2 जून से कल्लडका टाउन फ्लाईओवर का बायां हिस्सा वाहनों के लिए सुलभ हो जाएगा। थुंबे में जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए, एनएचएआई ने एक पाइप पुलिया स्थापित की है, और एक बार काम पूरा हो जाने के बाद, भारी बारिश के दौरान यातायात में कोई बाधा नहीं होगी। सांसद ने कहा कि मानसून के दौरान जिले में निर्माणाधीन सभी राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों पर निर्बाध यातायात की सुविधा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

6 कंटेनरों से 249 गायें बरामद, पांच गायों की मौत

भुवनेश्वर, 28 मई (एजेंसियां)।
ओड़ीशा में अवैध गौ तस्करी की एक बड़ी श्रृंखला का पर्दाफाश हुआ है। कोरापुट जिले में पिछले 72 घंटों के भीतर दो बार गौ तस्कर पकड़े गए हैं। आलू की बोरियों की तरह ठूंस कर गायों को ले जाया जा रहा था। इस कारण पांच गायों की जहां मौत हो गई। कई गायों की हालत गंभीर है। इन दोनों मामलों में 6 कंटेनरों से कुल 249 गायों को बचाया गया, जिनमें से 5 की मौत हो गई। इन दोनों मामलों में 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें वाहन चालक, तस्कर, मालिक और एस्कॉर्ट देने वाले युवक शामिल हैं। इन घटनाओं के सामने आने के बाद इलाके में रोष व्याप्त है।

विशेष सूचना मिलने पर कोरा-पुट टाउन पुलिस ने माउसीमा मंदिर चौक के निकट दो कंटेनरों को रोककर तलाशी ली। इन वाहनों में 39 गायें भरी हुई थीं, जिनमें से 4 की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पांच आरोपियों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया। इसके अलावा पुलिस ने चार अन्य कंटेनरों की तलाशी ली और 210 गायों को बरामद किया, जबकि 17 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सभी मामलों में कोरापुट टाउन थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधीक्षक रोहित वर्मा के निर्देशन में गठित एक विशेष टीम ने इस पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गायों को ओड़ीशा के नवरंगपुर और डाबुगांव क्षेत्रों से लादकर आंध्र प्रदेश के मानापुरम, और वहां से आगे तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल की ओर तस्करी की जा रही थी।

बरामद की गई 244 जीवित गायों को कोरापुट जिले के जयपुर ब्लॉक अंतर्गत गडपदर पंचायत की पालिगुड़ा स्थित श्री गोपाल गो सेवा समिति की गौशाला में स्थानांतरित किया गया है। हिंदू समाज और स्थानीय गोसेवकों की मदद से इन गायों को सुरक्षित आश्रय प्रदान किया गया है। गौशाला में ले जाए गए कंटेनरों में से एक में एक मृत गाय मिली, जबकि कई अन्य घायल अवस्था में थी। मंगलवार दोपहर 3 बजे तक बचाव कार्य चलता रहा। मृत गायों का पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार किया जाएगा। पुलिस ने कहा है कि मामले में विधि अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में टाउन थाना प्रभारी श्री सत्यानंद पात्र और सदर थाना प्रभारी रुना माझी के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। तस्करी में प्रयुक्त सभी कंटेनर वाहन को जब्त कर लिया गया है।

नौ सेना को मिला नया बोलार्ड पुल टग पोत

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)।
भारतीय नौ सेना को टीटागढ़ रेल सिस्टम्स (टीआरएसएल) से 25टी श्रेणी का एक नया बोलार्ड पुल (बीपी) टग पोत 'सबल' प्राप्त हो गया है।

इस पोत का नौसेना में शुभारंभ मंगलवार को कोलकाता में आयोजित समारोह में किया गया। टीआरएसएल में आयोजित कार्यक्रम में कमोडोर एस श्रीकुमार मुख्य अतिथि थे।

रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार टीआरएसएल के साथ ऐसे छह टग पोत के निर्माण के लिये 12 नवंबर 2021 को एक समझौता किया गया था। टग पोत बड़े पोतों को बंदरगाह पर खींच कर लाने ले जाने के काम में इस्तेमाल किये जाते हैं। टीआरएसएल शिपयार्ड ने चार टगों को नौसेना को सौंप दिया है, जिनका उपयोग भारतीय नौसेना सीमित जल में जहाज से लोगों को चढ़ाने-उतारने, और युद्धाभ्यास के दौरान नौसेना के जहाजों और पनडुब्बियों की सहायता के लिए करती है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन टग पोतों का डिजाइन स्वदेशी है और इन्हें भारतीय नौवहन रजिस्टर (आईआरएस) के प्रासंगिक नौसेना नियमों और विनियमन के अनुसार बनाया गया है। इनमें खोज और बचाव अभियान चलाने की सीमित क्षमता भी है तथा बंदरगाहों पर लंगर डाले या समुद्र तट के नजदीक के जहाजों पर आग बुझाने में भी सहायक हो सकते हैं।

सरकार ने दी बाडवेल-नेल्लोर कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)।
सरकार ने आंध्र प्रदेश में 3653.10 करोड़ रुपये की लागत से 108.134 किलोमीटर लंबाई के चार लेन बाडवेल-नेल्लोर कॉरिडोर के निर्माण को आज मंजूरी दे दी।

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बुधवार हुई बैठक में आंध्र प्रदेश में बाडवेल-नेल्लोर कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी। इस 108.134 किलोमीटर लंबाई के चार लेन के निर्माण में 3653.10 करोड़ रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि बडवेल नेल्लोर कॉरिडोर वाईएसआर कडप्पा जिले में मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-67 पर गोपावरम गांव से शुरू होता है और आंध्र प्रदेश के एस-पीएसआर नेल्लोर जिले में एनएच-16 (चेन्नई-कोलकाता) पर कृष्णापटनम पोर्ट जंक्शन पर समाप्त होता है। यह कोरिडोर कृष्णापटनम पोर्ट को रणनीतिक संपर्क भी प्रदान करेगा जिसे चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक कॉरिडोर (सीबीआईसी) के तहत प्राथमिकता नोड के रूप में पहचाना गया है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कॉरिडोर से कृष्णपट्टनम बंदरगाह तक की यात्रा की दूरी मौजूदा बाडवेल-नेल्लोर सड़क की तुलना में 142 किलोमीटर से 33.9 किलोमीटर कम होकर 108.13 किलोमीटर रह जाएगी। इससे यात्रा का समय एक घंटे कम हो जाएगा। प्रस्तावित कॉरिडोर के आसपास के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण परियोजना से अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

मध्य प्रदेश के मंत्री शाह पर हाईकोर्ट की कार्यवाही बंद, गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक रहेगी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)।
उच्चतम न्यायालय ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुर्खियों में आयी भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के नेता और मध्य प्रदेश के आदिवासी मामलों के मंत्री कुंवर विजय शाह की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में वहां उच्च न्यायालय में चल रही कार्यवाही बुधवार को बंद कर दी।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अंशकालिक कार्य दिवस पीठ ने कहा कि चूंकि अब मामला उसके संज्ञान में है, इसलिए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में चल रही कार्यवाही बंद मानी जाएगी।

पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की ये दलील सुनने के बाद यह आदेश पारित किया कि शाह के खिलाफ उच्च न्यायालय में समानांतर कार्यवाही चल रही है।

पीठ ने कहा कि शाह की गिरफ्तारी पर रोक सहित 19 मई को पारित अंतरिम निर्देश जारी रहेंगे।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी नेटवर्क पर भारत द्वारा शुरू किए गए सशस्त्र अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान नियमित प्रेस ब्रीफिंग के लिए महिला सेना अधिकारी चर्चा में आईं थीं।

पीठ ने शीर्ष अदालत के पहले के आदेश के अनुपालन में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से स्थिति रिपोर्ट मांगी।

अदालत ने कहा कि एसआईटी ने कुछ उपकरण जब्त कर लिए हैं और अपनी जांच शुरू कर दी है।

पीठ ने मामले में किसी भी तरह के हस्तक्षेप की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा कि वह इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहती।

शीर्ष अदालत इस मामले में अगली सुनवाई जुलाई के दूसरे सप्ताह में करेगी।

गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने 19 मई को मंत्री शाह की सेना की अधिकारी पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में उनकी खिंचाई की थी। साथ ही, इस मामले में उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था।

अपनी टिप्पणी के बाद आलोचनाओं से घिरने के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया और कहा कि वह कर्नल कुरैशी को अपनी बहन से अधिक सम्मान करते हैं। एक वीडियो व्यापक रूप से प्रसारित हुआ था, जिसमें उन्हें कर्नल कुरैशी के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था।

शाह ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के 14 मई, 2025 के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इस मामले में उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। उच्च न्यायालय ने बयान का स्वत: संज्ञान लेते हुए अपना आदेश पारित किया था।

इंदौर के निकट 13 मई को आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मंत्री ने कथित तौर पर दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान में रहने वालों के समुदाय की एक बहन को भेजा था।

नरवाल में तीन मोर्टार शेल मिले, बीडीएस मौके पर पहुंची

जम्मू, 28 मई (ब्यूरो)।
जम्मू में नरवाल स्थित ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में बुधवार को तीन मोर्टार शेल मिलने से दहशत फैल गई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में स्थानीय लोगों ने विस्फोटक शेल देखे, जिसके बाद पुलिस को तुरंत सूचित किया गया। उन्होंने कहा कि बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) को खतरे का निरीक्षण करने और उसे निष्क्रिय करने के लिए मौके पर बुलाया गया। अधिकारी ने कहा कि शेल पुराने थे और ऐसा लग रहा था कि उन्हें मौके पर फेंका गया है, लेकिन आगे की जांच चल रही है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान आज से

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)।
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को ओडिशा के पुरी से विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत करेंगे।

श्री चौहान ने बुधवार को यहां इस अभियान की की रूपरेखा साझा करते हुए कहा कि इस दौरान किसानों की खेती से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं का समाधान होगा तथा इसके परिणाम के आधार पर कृषि शोध का रास्ता भी तय होगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की यह ऐतिहासिक पहल, वैज्ञानिक नवाचार और जमीनी स्तर पर भागीदारी से भारतीय कृषि को बदलने तथा देश के खाद्य भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

असम में 'फर्जी मुठभेड़ों' की स्वतंत्र जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)।
उच्चतम न्यायालय ने असम में फर्जी पुलिस मुठभेड़ों के आरोपों की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच करने के लिए बुधवार को असम मानवाधिकार आयोग (एएचआरसी) को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा में मानवाधिकार आयोगों के संवैधानिक महत्व को रेखांकित करते हुए एएचआरसी की निष्पक्ष रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की क्षमता पर पूरा विश्वास व्यक्त किया और उसे यह संवेदनशील जिम्मेदारी सौंपी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार को लगाई फटकार, शीघ्र पुल बनाएं

रोज बदबूदार गंदे नाले से गुजरते हैं तीन हजार फौजी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)।
दिल्ली हाईकोर्ट ने गंदे नाले से होकर सैनिकों के गुजरने की मजबूरी पर संज्ञान लिया है। अदालत ने इसे अस्वीकार्य स्थिति बताते हुए छावनी बोर्ड को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार के अधिकारियों से उस जगह पर एक पुल बनवाने का अनुरोध किया गया था लेकिन इसे अभी तक नहीं बनाया गया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने उस खबर पर न्यायिक संज्ञान लिया है, जिसमें बताया गया है कि राजपूताना राइफल्स के तीन हजार से अधिक सैनिकों को दिल्ली के छावनी क्षेत्र में बैरकों से निकलकर परेड ग्राउंड तक पहुंचने के लिए बदबूदार और गंदे नाले से होकर गुजरना पड़ता है।

इसे अस्वीकार्य स्थिति बताते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार के अधिकारियों से उस स्थल पर एक पुल बनवाने का अनुरोध किया गया था, लेकिन इसे अभी तक नहीं बनाया गया है।

जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने इस मामले में दिल्ली छावनी बोर्ड को नोटिस जारी किया और 29 मई तक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई की तारीख 29 मई तय की है। पीठ ने कहा कि यह अदालत 26 मई, 2025 की एक खबर पर न्यायिक संज्ञान लेती है, जिसमें कहा गया है कि राजपूताना राइफल्स के तीन हजार से अधिक सैनिकों को अपने बैरकों से बाहर निकलने और परेड ग्राउंड में जाने के दौरान एक नाले से गुजरना पड़ता है, जो बदबूदार और गंदा है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि सैनिकों को दिन में चार बार इस नाले से गुजरना पड़ता है, साथ ही बताया कि यह नाला पानी-कीचड़ से भरा हुआ है, जिसकी कहीं-कहीं गहराई कमर तक है, लिहाजा वहां पर शीघ्र पुल बनाया जाए।

पाका वेंकट सत्यनारायण ने ली राज्यसभा सदस्यता की शपथ

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)।
राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के पाका वेंकट सत्यनारायण को सदन की सदस्यता की शपथ दिलायी।

राज्यसभा सचिवालय ने यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि सभापति ने श्री सत्यनारायण को संसद भवन परिसर में अपने कार्यालय में शपथ दिलायी।

श्री सत्यनारायण आंध्र प्रदेश से राज्यसभा के सांसद के रूप में निर्विरोध चुना गया है। इससे पहले, वह वर्ष 2018 से 2021 तक भाजपा आंध्र प्रदेश में पार्टी उपाध्यक्ष थे।

इस अवसर पर राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, सदन के महासचिव पी सी मोदी और भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष के लक्ष्मण तथा अन्य लोग मौजूद रहे।

केएनआईटी में प्रोफेसर वार्डन पर बम से हमला

सुल्तानपुर, 28 मई (एजेंसियां)।
कमला नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान में प्रोफेसर एवं वार्डन डॉ. आरुणी सिंह पर बम से हमला किया गया। वार्डन ने बताया कि हमला रात में किया गया जिससे खिड़की के शीशे टूट गए और पर्दा भी फट गया। वार्डन ने बीटेक प्रथम वर्ष के नौ छात्रों पर हमले का संदेह जताते हुए कोतवाली में तहरीर दी है।

प्रो. आरुणी सिंह विक्रम साराभाई छात्रावास के वार्डन हैं। उनके मुताबिक मंगलवार रात वह वार्डन कक्ष में कुछ काम कर रहे थे। उन्होंने रात करीब डेढ़ बजे बाथरूम की लाइट जलाई, तभी खिड़की पर बम से हमला किया गया, जिसमें खिड़की का शीशा टूट गया। खिड़की पर लगा पर्दा भी फट गया। गनीमत रही कि हमले में वह बच गए। वार्डन बुधवार को कोतवाली पहुंचे और छात्रावास के प्रथम व द्वितीय तल पर रहने वाले बीटेक के नौ छात्रों पर हमला करने का संदेह जताते हुए तहरीर दी है। कोतवाल धीरज कुमार कोतवाल धीरज कुमार का कहना है कि हॉस्टल में बम से हमला किए जाने की बात संदिग्ध लग रही है। तहरीर मिलने पर जांच की जाएगी।

निर्माणाधीन फिल्म इंस्टीट्यूट में यूपी के युवाओं को मिलेगी प्राथमिकता

एक्टिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एडिटिंग, वीएफएक्स समेत कई विषयों में मिलेगा प्रशिक्षण

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के यमुना एक्सप्रेस-वे के पास बनने वाली इंटरनेशनल फिल्म सिटी में एक अत्याधुनिक फिल्म इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी, जो राज्य के युवाओं, खासकर यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र और इसके आसपास के युवाओं के लिए सुनहरे अवसर लेकर आएगा। इस इंस्टीट्यूट में एक्टिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एडिटिंग, वीएफएक्स, कैमरा ऑपरेशन, लाइटिंग, फैशन, मीडिया और मास कम्युनिकेशन जैसे विविध कोर्सेज में प्रशिक्षण दिया जाएगा। खास बात यह है कि प्रशिक्षण के बाद युवाओं को फिल्म सिटी में ही रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। उल्लेखनीय है कि यमुना एक्सप्रेस-वे के पास बनने वाली यह इंटरनेशनल फिल्म सिटी 230 एकड़ में पहले चरण के तहत विकसित की जा रही है, जिसमें 1,510 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

के कंसोर्सियम बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्रालि द्वारा यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) के सेक्टर 21 में फिल्म सिटी का निर्माण करने जा रही है। निर्माण के पहले चरण में आगामी तीन साल के अंदर विभिन्न स्टूडियो और फिल्म इंस्टीट्यूट का निर्माण सम्पन्न होगा। कंपनी के जीएम राजीव अरोड़ा ने बताया कि यह फिल्म इंस्टीट्यूट अपनी तरह का अनोखा होगा। पहले चरण में 3 लाख स्क्वायर फीट क्षेत्र में इसका निर्माण किया जाएगा। इंस्टीट्यूट में आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित कक्षाएं, स्टूडियो, एडिटिंग सुइट्स और वीआर लैब होंगे। छात्रों को वास्तविक फिल्म परियोजनाओं पर काम करने का अनुभव प्रदान किया जाएगा, साथ ही नवीनतम फिल्म तकनीकों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित की जाएगी।

राजीव अरोड़ा ने कहा कि इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण और रोजगार दोनों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। खास तौर पर यमुना एक्सप्रेस-वे और इसके आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को पहली वरीयता मिलेगी, जबकि उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों के युवा भी लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि मुंबई से स्टाफ लाने की तुलना में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार देना अधिक किफायती होगा, जिससे फिल्म सिटी में ही स्टूडियो, प्रोडक्शन और अन्य क्षेत्रों में नौकरियां सृजित होंगी।

इंस्टीट्यूट में एक्टिंग, स्टोरी राइटिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एडिटिंग, कैमरा ऑपरेशन, लाइटमैन, स्पॉट ब्वॉय, वीएफएक्स, फैशन और मास कम्युनिकेशन जैसे कोर्सेज उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, फिल्म म्यूजिक से संबंधित प्रशिक्षण और सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। प्रोडक्शन हाउस के साथ साझेदारी के माध्यम से कार्यशालाएं, इंटर्नशिप और गेस्ट लेक्चर्स का आयोजन होगा, जिससे छात्रों को इंडस्ट्री के दिग्गजों से सीखने का मौका मिलेगा। फिल्म सिटी में फिल्मों के प्रीमियर आयोजित करने की व्यवस्था होगी, ताकि प्रोडक्शन हाउस को अपनी फिल्में लॉन्च करने के लिए अन्य शहरों में भटकना न पड़े। इसके साथ ही, फिल्मों, स्क्रिप्ट्स और अकादमिक सामग्री से युक्त एक समग्र संसाधन केंद्र भी स्थापित किया जाएगा। यह केंद्र छात्रों और फिल्म निर्माताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में काम करेगा।

इंस्टीट्यूट में फिल्म महोत्सवों, प्रदर्शनियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। ये आयोजन न केवल छात्रों की रचनात्मकता को बढ़ावा देंगे, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री में नेटवर्किंग और एक्सपोजर भी प्रदान करेंगे। फिल्म इंस्टीट्यूट के कैंपस में छात्रों के लिए छात्रावास, कैफेटेरिया, स्वास्थ्य केंद्र और मनोरंजन क्षेत्र जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। ये सुविधाएं छात्रों को एक आरामदायक और प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करेंगी, जहां वे अपनी पढ़ाई और रचनात्मकता पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। यह फिल्म इंस्टीट्यूट न केवल युवाओं के लिए रोजगार और प्रशिक्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि उत्तर प्रदेश को फिल्म निर्माण और मनोरंजन उद्योग का एक प्रमुख हब भी बनाएगा।

जारी हुई प्राइमरी स्कूलों के शिक्षकों की तबादला सूची

7374 शिक्षकों का स्थानांतरण, पांच जून तक तैनाती

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में तैनात 7374 शिक्षकों को परस्पर तबादले का तोहफा मिला है। बेसिक शिक्षा परिषद ने एक से दूसरे जिले के लिए परस्पर तबादले के लिए योग्य पाए गए शिक्षकों की सूची जारी कर दी है। साथ ही 29 मई से पांच जून तक इन शिक्षकों को तबादला पाए स्थानों पर कार्यभार ग्रहण कराने व कार्यमुक्त करने का भी निर्देश जारी कर दिया है।

प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में एक से दूसरे जिले में परस्पर तबादले की प्रक्रिया जनवरी से शुरू हुई थी। 19 से 26 मई तक इसके लिए शिक्षकों से ओटीपी शेयर कर जोड़ा बनाने की कवायद पूरी की गई है। इसी क्रम में बुधवार को बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से तबादला पाने वाले 3687 जोड़े यानी 7374 शिक्षकों के परस्पर तबादले का आदेश जारी कर दिया गया।

बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र तिवारी की ओर से एक अन्य आदेश जारी कर सभी बीएसए को निर्देश दिया गया है कि नियमानुसार तबादला पाने वाले शिक्षकों को कार्यमुक्त करने व कार्यभार ग्रहण कराने की कार्यवाही 29 मई से पांच जून के बीच पूरी की जाए। उन्होंने कहा है कि शिक्षकों को उनके परस्पर तबादले के तहत स्कूल से स्कूल में कार्यमुक्त और कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा। बीएसए इसके पूर्व शिक्षकों के अभिलेखों का भलीभांति परीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा है कि नियमित रूप से कार्यरत शिक्षकों को ही कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण कराया जाए। जिन शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही चल रही हो, उनको कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण न कराया जाएगा। तबादला प्रक्रिया मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से पूरी की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ जिले के अंदर परस्पर तबादले के लिए 29 मई से जोड़ा (पेयर) बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। बेसिक शिक्षा परिषद इसकी प्रक्रिया भी गर्मी की छुट्टी में पूरी की जाएगी।

बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से बुधवार को परस्पर तबादले का आदेश जारी कर दिया गया, किंतु शिक्षकों की ओर से इसमें आपस में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है। सहारनपुर में एक शिक्षक ने एक अन्य शिक्षक से परस्पर तबादले के लिए 12.20 लाख रुपये लेने और ओटीपी शेयर न करने का आरोप लगाया है। बीएसए सहारनपुर ने इस पर जांच कमेटी बना दी है। वहीं मुजफ्फरनगर में भी शिक्षक के साथ परस्पर तबादले के लिए जोड़ा बनाने में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है।

नए कानून में मिले अधिकार की व्यवहार्यता तय करेगी नौ जजों की पीठ

अदालत एफआईआर रद्द कर सकती है या नहीं!

प्रयागराज, 28 मई (एजेंसियां)। एफआईआर रद्द करने की हाईकोर्ट की अंतर्निहित शक्ति का परीक्षण अब नौ जजों की वृहद पीठ करेगी। यह देखा जाएगा कि हाईकोर्ट में एफआईआर को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-528 के तहत चुनौती दी जा सकती है या फिर भारतीय संविधान के अनुच्छेद-226 के अंतर्गत दाखिल होने वाली याचिका ही पोषणीय है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने इस कानूनी उलझन को नौ जजों की वृहद पीठ को सौंपने का फैसला सुनाया है। साथ ही कोर्ट ने महानिबंधक को वृहद पीठ के गठन के लिए मामला तीन दिन में मुख्य न्यायाधीश के समक्ष पेश करने को कहा है।

याची शशांक गुप्ता उर्फ गुड्डू और अन्य के खिलाफ चित्रकूट के कर्वी थाने में दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज है। मामले में याचियों ने बीएनएसएस की धारा-528 के तहत एफआईआर रद्द करने की मांग के साथ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दावा है कि मुकदमा दुर्भावनापूर्ण तरीके से उन्हें सताने के लिए दर्ज करवाया गया है। याची का तर्क है कि हाईकोर्ट अपनी अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग कर झूठी एवं दुर्भावनापूर्ण एफआईआर रद्द कर सकता है। बीएनएसएस की धारा-528 हाईकोर्ट को यह अधिकार देती है कि वह ऐसी शिकायतों और एफआईआर को सीधे खारिज कर सके, जो प्रथम दृष्टया न तो किसी अपराध को दर्शाती है और न ही न्याय की कसौटी पर खरी उतरती है। इस नई धारा का उद्देश्य फर्जी मुकदमों से नागरिकों की रक्षा करना है। लिहाजा, नए कानून के तहत याची के खिलाफ दर्ज मुकदमा रद्द किया जाना चाहिए। राज्य सरकार के अधिवक्ता ने 1989 में रामलाल यादव के मामले में सात जजों की पूर्ण पीठ के दिए फैसले का हवाला देते हुए याचिका की पोषणीयता पर प्रारंभिक आपत्ति उठाई। कहा कि एफआईआर को रद्द करने की मांग भारतीय संविधान के अनुच्छेद-226 के तहत ही पोषणीय है। बीएनएसएस की धारा-528 (पुरानी धारा 482 सीआरपीसी) के तहत एफआईआर रद्द करने की अर्जी स्वीकार नहीं की जा सकती। बीएनएसएस लागू होने के बाद यह पहला मामला है, जब धारा 528 के तहत एफआईआर रद्द करने की मांग की गई है। इससे पहले 1989 में सात जजों की पूर्ण पीठ ने एफआईआर रद्द करने के लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद-226 के तहत याचिका को पोषणीय माना था।

सात जजों की पूर्ण पीठ के फैसले और नए कानून के प्रावधानों में टकराव को देखते हुए कोर्ट ने मामले को नौ जजों की वृहद पीठ को संदर्भित कर दिया। वृहद पीठ के का फैसला आने तक याचियों को दी गई अंतरिम राहत बरकरार रहेगी। उनके खिलाफ कोई भी उत्पीड़नात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

दिल्ली और महाराष्ट्र को पीछे छोड़ ई-व्हीकल में यूपी बना नंबर वन

यूपी में 4.14 लाख, दिल्ली में 1.83 लाख, महाराष्ट्र में 1.79 लाख रजिस्टर्ड ईवी

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश देश में इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। प्रदेश ने 4.14 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ दिल्ली (1.83 लाख) और महाराष्ट्र (1.79 लाख) जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए देश में सबसे अधिक ईवी की संख्या दर्ज की है।

पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर वैश्विक चर्चा के बीच इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) आज के पर्यावरणीय चुनौतियों का एक आशाजनक समाधान बनकर उभरकर सामने आया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2022 में नई इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति लेकर आई, जिसका उद्देश्य ईवी को तेजी से अपनाने को बढ़ावा देना, चार्जिंग बुनियादी ढांचे का मजबूत नेटवर्क स्थापित करना और राज्य को ईवी और बैटरी विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाना है। इस नीति के तहत, राज्य सरकार 30 हजार करोड़ रुपए के निवेश को आकर्षित करने और 10 लाख नौकरियां सृजित करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है।

उत्तर प्रदेश की पर्यटन नगरियों, अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज सहित गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, कानपुर और लखनऊ में ई-रिक्शा (तीन-पहिया वाहन) की व्यापक लोकप्रियता ने ईवी बिक्री में 85 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है, जो विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में यात्री और माल ढुलाई के लिए उपयोगी साबित हुए हैं। इसके अलावा भारत सरकार की फेम-वन और टू (फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल इन इंडिया) योजनाओं का सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उत्तर प्रदेश ने ई-मोबिलिटी को और बढ़ावा दिया है। वहीं चार्जिंग जैसे बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान देते हुए योगी सरकार ने इस क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हाल ही में योगी सरकार ने प्रदेश के 16 नगर निकायों में तीन सौ से अधिक नये चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का निर्णय लिया है। इनमें सर्वाधिक चार्जिंग स्टेशन अयोध्या में स्थापित होने हैं, जहां पर्यटकों की संख्या में निरंतर इजाफा देखा जा रहा है।

देश में वर्तमान में 33,000 ईवी चार्जर हैं, जिनमें से 35 प्रतिशत फास्ट चार्जर हैं। लेकिन, इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिक फास्ट चार्जिंग स्टेशनों के निर्माण और मौजूदा स्टेशनों को बेहतर बनाने पर जोर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि 2030 तक भारत में 102 मिलियन ईवी होंगे। अल्वारेज़ एंड मार्सल के एक अध्ययन के अनुसार, वैश्विक स्तर पर आदर्श अनुपात 6 से 20 ईवी प्रति पब्लिक चार्जर है, जबकि भारत में यह अभी 135 है। हालांकि भारत में दोपहिया और तिपहिया वाहन, जो ज्यादातर घर पर चार्ज होते हैं, पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों की मांग को कुछ कम करते हैं।

फिर भी उत्तर प्रदेश सरकार इस कमी को पूरा करने के लिए तेजी से काम कर रही है। सरकार की रणनीति में तीन मुख्य बिंदु हैं। जिनमें, ईवी निर्माण, चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार और लोगों में ईवी के प्रति रुचि बढ़ाना शामिल हैं। आने वाले वक्त में ये कदम उत्तर प्रदेश को ईवी क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में और महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

बरेली पुलिस ने चलाया 15 दिन का अभियान

पकड़े गए 45 रोहिंग्या-बांग्लादेशी वापस भेजे जाएंगे

बरेली, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में 45 रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान की गई है। ये सभी अवैध रूप से झुग्गी-झोपड़ी डालकर रह रहे थे। अब इन सभी के दस्तावेज की जांच की जा रही है। इसके बाद इन्हें मिलने वाली सरकारी सुविधाएं बंद की जाएंगी और उन्हें वापस उनके देश भेज दिया जाएगा।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठियों की तलाश के लिए 15 दिन का अभियान चलाया जा रहा है। पिछले दो दिन में 83 स्थानों पर चेकिंग की गई। इसमें 775 लोगों की नागरिकता पर शक हुआ, जिनमें से 45 चिन्हित किए गए हैं। पुलिस को यह कामयाबी दो दिन के भीतर ही मिली है। अभियान के तहत हर थाने में टीम गठित की गई है। ये टीम हर रोज सुबह 8 बजे से 11 बजे तक और रात में 8 बजे से 11 बजे तक पूरे थाना क्षेत्र का भ्रमण करती है। इस दौरान लोगों के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। खासकर रोहिंग्या-बांग्लादेशी लोगों के प्रमाण-पत्र होने पर उन्हें पकड़ा जा रहा है।

अयोध्या में 5 जून को 7 मंदिरों में होगी प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या, 28 मई (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में 5 जून को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के लिए 3 जून से अनुष्ठान शुरू हो जाएंगे। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने यह जानकारी दी। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 3 जून से शुरू होगा। 5 जून को 7 मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। मूर्तियां अयोध्या पहुंच चुकी हैं और मंदिरों में विराजमान कर दी गई है। इससे पहले 2 जून को सरयू तट से राम मंदिर तक भव्य कलश यात्रा भी निकाली जाएगी। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में अयोध्या व काशी के 101 आचार्य शामिल होंगे। 5 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इसके अलावा 20 संत-धर्माचार्य, 15 गृहस्थ व ट्रस्ट के पदाधिकारी को भी आमंत्रित किया गया है। इस दौरान कोटा के शिव मंदिर में नर्मदेश्वर का शिवलिंग 31 मई को स्थापित कराया जाएगा। इसी दिन इसकी प्राण प्रतिष्ठा भी होगी।

आज से खुलेंगे प्रदेश के चिड़ियाघर और लायन सफारी

कानपुर और गोरखपुर के चिड़ियाघर अभी बंद रहेंगे

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। प्रदेश में बर्ड फ्लू की वजह से करीब दो हफ्ते से बंद चल रहे चिड़ियाघर (जू) और लायन सफारी कल से खुल जाएंगे। कानपुर और गोरखपुर के चिड़ियाघर अग्रिम आदेश तक बंद रहेंगे। प्रमुख मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव अनुराधा वेमुरी ने बताया कि लखनऊ का चिड़ियाघर और इटावा का लायन सफारी बृहस्पतिवार से आम जनता के लिए खोल दिए जाएंगे। ये बर्ड फ्लू के मद्देनजर दो सप्ताह से बंद चल रहे थे। हालांकि, गोरखपुर और कानपुर के चिड़ियाघर अग्रिम आदेशों तक बंद रहेंगे।

राजधानी स्थित नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान बृहस्पतिवार से दर्शकों व पर्यटकों के लिए खुल रहा है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक-वन्य जीव के आदेश पर यह निर्णय लिया गया है। गोरखपुर स्थित शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान और कानपुर प्राणि उद्यान में एवियन इन्फ्लूएंजा बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद एहतियात के तौर पर लखनऊ चिड़ियाघर को 27 मई तक के लिए बंद कर दिया गया था। निदेशक अदिति शर्मा ने बताया कि दो सप्ताह की बंदी के दौरान सभी वन्य जीवों की सघन मॉनिटरिंग की गई। लखनऊ चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू का कोई केस नहीं पाया गया।

संपादकीय

चार ट्रिलियन डॉलर की आर्थिकी

भारत जापान को पीछे कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यकीनन ऐतिहासिक उपलब्धि और सुखद खबर है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने परिषद की बैठक में यह घोषणा की। अब भारत की अर्थव्यवस्था 4.187 ट्रिलियन, अर्थात 4000 अरब डॉलर की है। 2028 में भारत की अर्थव्यवस्था 5.58 ट्रिलियन डॉलर की हो सकती है और भारत जर्मनी (5.25 ट्रिलियन डॉलर) को पछाड़ कर तीसरे स्थान पर पहुंच सकता है। फिलहाल अमरीका (30 ट्रिलियन से अधिक), चीन (19 ट्रिलियन से ज्यादा) और जर्मनी (4.75 ट्रिलियन डॉलर) ही भारत से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। बीते 10 सालों के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था दोगुनी हुई है। 2032 में भारत 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देश होगा। भारत की इतनी अर्थव्यवस्था स्वाभाविक भी है, क्योंकि यह 146 करोड़ से अधिक की आबादी वाला देश है। देश की सकल आय और संसाधन ही जीडीपी का आकार तय करते हैं। भारत की आर्थिक विकास दर 6-7 फीसदी या उससे अधिक 8-9 फीसदी तक रही है। औसत 6.5 फीसदी के करीब मान सकते हैं, जबकि अमरीका की विकास दर 2.1 फीसदी है और चीन की 4.5 फीसदी है। यह अर्थव्यवस्था तब है, जब हमने कोरोना वैश्विक महामारी का दंश तीन साल तक झेला और हमारी आर्थिक विकास दर ऋणात्मक हो गई थी। अर्थव्यवस्था की यह गति और उछाल 1991 से शुरू हुई, जब तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने आर्थिक उदारीकरण और भूमंडलीकरण की शुरुआत की। भारत एक खुली अर्थव्यवस्था और खुले बाजार वाला देश बना। बेहतर यह रहा कि राजनीतिक विपक्ष के प्रधानमंत्रियों-अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी-ने उन आर्थिक सुधारों को, नए समकालीन, अपेक्षित संशोधनों के साथ, जारी रखा। आज नतीजा सामने है कि भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है और सबसे तेज गति से विकास कर रहा है। नीति आयोग के सीईओ ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के ताजा आंकड़ों के आधार पर यह घोषणा की है, लेकिन आज भी एक विरोधाभासी विडंबना हमारे साथ चिपकी है कि भारत एक अमीर देश है, लेकिन उसके नागरिक गरीब हैं। इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत में आज भी 20 करोड़ से अधिक लोग गरीबी-रेखा के नीचे जीने को अभिशप्त हैं। कुछ विशेषज्ञ यह आंकड़ा ज्यादा बताते हैं। गरीबी रेखा बहुआयामी भी परिभाषित की गई है, जिसके मुताबिक, 11 करोड़ भारतीय आज भी गरीब हैं। यह निष्कर्ष संघ के संगठन 'स्वदेशी जागरण मंच' का है। ऐसा नहीं है कि अमरीका में गरीब नहीं हैं अथवा महंगाई, बेरोजगारी, किसानी की समस्याएं नहीं हैं, लेकिन वहां प्रति व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था है। कम आबादी है और अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी है। बहरहाल भारत में आज भी 80 करोड़ से अधिक लोगों को, प्रति माह, मुफ्त अनाज बांटा जाता है। वे मुफ्त की उस योजना के मोहताज हो गए हैं। यह योजना कोरोना के दौरान शुरू की गई थी और अभी 2029 तक तो चलेगी। भारत में अंबानी, अदाणी, गोयनका, बिरला, गोदरेज सरीखा एक अति धनाढ्य वर्ग है, तो करीब 82 फीसदी आम आदमी ऐसे भी हैं, जिन्हें औसतन 560 रुपए प्रतिदिन की कमाई ही नसीब है। भारत में ऐसी आर्थिक विषमताएं और असमानताएं आजादी के दिन से ही हैं। ये कांग्रेस के सत्ता-काल में भी थीं, लिहाजा 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया गया था। लेकिन इन विषमताओं के बावजूद भारत एक 'आर्थिक महाशक्ति' बना है। भारत में फिलहाल प्रति व्यक्ति आय 2.5 लाख रुपए से कुछ अधिक है, लेकिन जापान, ब्रिटेन, फ्रांस आदि देशों में यह हमसे कई गुना ज्यादा हैं, हालांकि वे अर्थव्यवस्थाएं भारत से पिछड़ चुकी हैं। प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में भारत 141वें स्थान पर है, जबकि जापान का स्थान 34वां है। हम मानव विकास सूचकांक में भी बहुत पीछे हैं। आज भी कुपोषण एक नाजुक मुद्दा है, लेकिन आज भारत 23,622 करोड़ रुपए का रक्षा-निर्यात करता है। लघु, सूक्ष्म कंपनियां भी 12.39 लाख करोड़ रुपए का निर्यात करती हैं और दिसंबर, 2024 तक इस सेक्टर में 24 करोड़ से अधिक रोजगार दिए गए हैं। विकास के असंख्य आयाम भारत स्थापित कर चुका है, लेकिन भयावह सवाल पर भी चिंतन हो।

भारत की इतनी अर्थव्यवस्था स्वाभाविक भी है, क्योंकि यह 146 करोड़ से अधिक की आबादी वाला देश है। देश की सकल आय और संसाधन ही जीडीपी का आकार तय करते हैं। भारत की आर्थिक विकास दर 6-7 फीसदी या उससे अधिक 8-9 फीसदी तक रही है। औसत 6.5 फीसदी के करीब मान सकते हैं, जबकि अमरीका की विकास दर 2.1 फीसदी है और चीन की 4.5 फीसदी है। यह अर्थव्यवस्था तब है, जब हमने कोरोना वैश्विक महामारी का दंश तीन साल तक झेला और हमारी आर्थिक विकास दर ऋणात्मक हो गई थी। अर्थव्यवस्था की यह गति और उछाल 1991 से शुरू हुई, जब तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने आर्थिक उदारीकरण और भूमंडलीकरण की शुरुआत की। भारत एक खुली अर्थव्यवस्था और खुले बाजार वाला देश बना। बेहतर यह रहा कि राजनीतिक विपक्ष के प्रधानमंत्रियों-अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी-ने उन आर्थिक सुधारों को, नए समकालीन, अपेक्षित संशोधनों के साथ, जारी रखा।

आप का नजरिया

आत्मनिर्भरता के प्रश्न पर

आत्मनिर्भरता के प्रश्न पर हिमाचल अपना नजरिया बदले, तो राज्य के सोच में रणनीतिक बदलाव आएगा। नीति आयोग की बैठक में हिमाचल की पैरवी अपनी हवाओं, अपने बादलों, अपने जंगलों, अपनी प्रकृति और अपने ही अधिकारों से थी। अतीत के मुगालतों ने सिखा दिया, जिस्म में जोश के लिए खुराक चाहिए। हिमाचल पहले जिस नैया पर सवार था, वहां केंद्र ही मुस्तकबिल और केंद्र ही खेवैया था। अब बदल गई केंद्रीय मदद की दुकान और मांगने व देने की भाषा में अनुकूलता खोजने के तर्क भी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने आत्मनिर्भरता की जुबान से पहाड़ी राज्यों की मिलकीयत में राष्ट्र के प्रति संवेदना रखी है। हिमालयी राज्यों की तस्वीर में देश बसता है, लेकिन राष्ट्रीय तकदीर में पहाड़ दिखाई नहीं देता। प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय योजनाओं का हिसाब पहाड़ पर नहीं चढ़ता और न ही सियासी गणित में बंटते देश के संसाधन हिमाचल जैसे राज्यों को आत्मनिर्भर होने में मददगार साबित होते हैं। पर्वतीय राज्यों की आर्थिकी के मूल तत्व प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में निरुपित हैं, तो ग्रीन बोनस की वकालत का मर्म समझना होगा। समझना होगा कि पहाड़ जल संसाधनों, वन आच्छादित हरियाली और पर्यावरणीय चादर का बिछौना है, तो इसकी रखवाली का मूल्यांकन और हर्जाना भी तय होना चाहिए। करीब सत्तर फीसदी जमीन को जंगल करार देने की भौगोलिक, आर्थिक व सामाजिक दिक्कतें समझनी होंगी। हिमाचल अपने ही करारों से आहत है। वक्त के दरियाओ से वापसी का रास्ता समुद्र नहीं होता, कभी बदली हुई हवाओं की मदद भी काम आती है। जाहिर है हिमाचल की यही हवाएं बिजली परियोजनाओं पर गूंजती हैं, तो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से राज्य के हक और हकूक की बात होती है। आत्मनिर्भरता के खाके में सुक्खू सरकार विद्युत परियोजनाओं के समझौते को बारह साल के लिए बारह प्रतिशत, अगले 18 साल के लिए 18 फीसदी और अंतिम दस वर्ष के लिए तीस फीसदी रायल्टी पर लाकर खड़ा कर रही है। ऐसे में ऋण बोझ से मुक्त केंद्रीय सरकार के उपक्रमों में राज्य के अधिकार अगर पचास-पचास फीसदी के आबंटन पर टिकते हैं, तो पहाड़ी नदियों का आत्म सम्मान परवान चढ़ेगा। इसी परिप्रेक्ष्य में शानन परियोजना का वापस लौटना प्रदेश के बजट को आत्मबल देगा। प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मैदानी इलाकों की तरह कनेक्टिविटी चाहिए, इसलिए फोरलेन के साथ-साथ कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की फाइल पर मुख्यमंत्री केंद्र सरकार की साझेदारी चाहते हैं। कुल मिला कर आत्मनिर्भरता की नीतियों पर चलते हुए हिमाचल ने नीति आयोग से पहाड़ की अंगुली पकडऩे की वजह बताई है। पर्वत अलग हैं, पर्वत की पीड़ा और भी गहरी है। ऐसे में तमाम पर्वतीय राज्यों के अस्तित्व को दिल से कबूल करने का अर्थ होगा, जल संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल। पर्यावरणीय संरक्षण के माद्दे को अगर राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में स्थायी स्तंभ बनाना है, तो इसके बदले ग्रीन टैक्स की अदायगी की भौगोलिक जरूरत को राष्ट्र की चारों दिशाओं में समझना होगा। यह सारी आवश्यकताएं यूं तो पूरी तरह समझ नहीं आएंगी।

केंद्र सरकार की कोशिश है कि 31 मार्च 2026 तक इस क्शेत्र को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाए

नक्सली माओवाद पर निर्णायक प्रहार

प्रमोद भार्गव

नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। वामपंथी माओवादी उग्रवाद कभी देश की आंतरिक सुरक्शा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। लेकिन चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार की कोशिश है कि सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्शेत्रों में कर दी जाए, जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं। इस नाते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्शेत्रों में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात करने जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगल में सुरक्शा बलों के नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत 27 माओवादियों को सुरक्शा बलों ने मार गिराया है। यह कुख्यात दरिंदा होने के साथ गुरिल्ला लड़ाका था। माओवादी पार्टी का इसे पर्याय माना जाता था। इसका नक्सली सफर 1985 से शुरू हुआ था। इसने वारंगल के क्शेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई की थी। इसने रेडिकल स्टूडेंट यूनियन के बैनर तले चुनाव लड़ा और छात्रसंघ का अध्यक्श बन गया। यह माओवादी संगठन का महासचिव स्तर का नेता था। यह सैन्य बलों की आंतरिक सुरक्शा के लिए बड़ा खतरा था। इस ऑपरेशन में एक जवान का बलिदान भी हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे सुरक्शा बलों की असाधारण सफलता माना है। नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। वामपंथी माओवादी उग्रवाद कभी देश की आंतरिक सुरक्शा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। लेकिन चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार की कोशिश है कि सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्शेत्रों में कर दी जाए, जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं। इस नाते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्शेत्रों में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात करने जा रहा है। केंद्र सरकार की कोशिश है कि 31 मार्च 2026 तक इस क्शेत्र को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाए। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों की अज्ञात क्शेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उग्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। मजबूत और कठोर कार्य योजना को अमल में लाने का ही नतीजा है कि इस साल सुरक्शाबलों के साथ मुठभेड़ में 2024 में 153 नक्सली मारे जा चुके हैं। शाह का कहना है कि 2004-14 की तुलना में 2014-24 के दौरान देश में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है। 2004-14 में नक्सली हिंसा की 16,274 वारदातें दर्ज की गई थीं, जबकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 10 सालों में इन घटनाओं की संख्या घटकर 7,696 रह गई। इसी अनुपात में देश में माओवादी हिंसा के कारण होने वाली मौतों की संख्या 2004-14 में 6,568 थीं, जो पिछले दस साल में घटकर 1990 रह गई है और अब सरकार ने जो नया संकल्प लिया है, उससे तय है कि जल्द ही इस समस्या को निर्मूल कर दिया जाएगा। जिस तरह से नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति अभी शेश है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम

होती रही थीं, लेकिन नक्सलियों पर शिकंजा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निशाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्शेत्र वह आदिवासी बहुल इलाका हैं, जिससे ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्शाबलों को लगा पाना मुश्किल होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। दुर्गम जंगली क्शेत्रों के मार्गों, छिपने के स्थलों और जल स्त्रोतों से भी ये खूब परिचित हैं। इसलिए ये और इनकी शक्ति लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोशित होती रही है। हालांकि अब इनके हमलों में कमी आई है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम फैला दिया था कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्त्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की मुहिम जारी रहनी चाहिए। सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आईं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन नतीजे पूरी तरह अनुकूल नहीं रहे। एक उपाय यह भी हुआ है कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए उन्हें बंदूकें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई। इस उपाय में खून-खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्शेत्र को नक्सल मुक्त करने में अब तक सफल नहीं हो पाई हैं। बस्तर के इस जंगली क्शेत्र में नक्सली नेता हिडमा का बोलबाला रहा है। वह सरकार और सुरक्शाबलों को लगातार चुनौती दे रहा है, जबकि राज्य एवं केंद्र सरकार के पास मोदी सरकार से पहले रणनीति और दृढ़ इच्छा शक्ति की हमेशा कमी रही थी। तथाकथित शहरी माओवादी बौद्धिकों के दबाव में भी मनमोहन सिंह सरकार रही। इस कारण भी इस समस्या का हल दूर की कौड़ी बना रहा। यही वजह थी कि नक्सली क्शेत्र में जब भी कोई विकास कार्य या चुनाव प्रक्रिया संपन्न होती थी तो नक्सली उसमें रोड़ा अटका देते थे। नक्सली समस्या से निपटने के लिए राज्य व केंद्र सरकार दावा कर रही हैं कि विकास इस समस्या का निदान है। यदि छत्तीसगढ़ सरकार के विकास संबंधी विज्ञापनों में दिए जा रहे आंकड़ों पर भरोसा करें तो छत्तीसगढ़ की तस्वीर विकास के मानदण्डों को छूती दिख रही है, लेकिन इस अनुपात में यह दावा बेमानी है कि समस्या पर अंकुश विकास की धारा से लग रहा है ? क्योंकि इसी दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं को नक्सली बनाए जाने के प्रमाण भी मिले हैं। बावजूद कांग्रेस के इन्हीं नक्सली क्शेत्रों से ज्यादा विधायक जीतकर आते रहे हैं। हालांकि नक्सलियों ने कांग्रेस पर 2013 में बड़ा हमला बोलकर लगभग उसका सफाया कर दिया था। कांग्रेस नेता महेन्द्र कर्मा ने नक्सलियों के विरुद्ध सलवा जुडूम को 2005 में खड़ा किया था। सबसे पहले बीजापुर जिले के ही कुर्तु विकासखण्ड के आदिवासी ग्राम अंबेली के लोग नक्सलियों के खिलाफ खड़े होने लगे थे। नतीजतन नक्सलियों की महेन्द्र कर्मा से दुशमनी ठन गई। इस हमले में महेंद्र कर्मा के साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्श नंदकुमार पटेल और हरिप्रसाद समेत एक दर्जन नेता मारे गए थे। लेकिन कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में अपनी खोई शक्ति फिर से हासिल कर ली थी, बावजूद नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अपदस्थ कर भाजपा अब फिर सत्ता में है। उसके बाद से ही नक्सलियों के सफाए का सिलसिला चल रहा है। व्यवस्था बदलने के बहाने 1967 में पश्चिम बंगाल के उत्तरी छोर पर नक्सलवाड़ी ग्राम से यह खूनी आंदोलन शुरू हुआ था। तब इसे नए विचार और राजनीति का वाहक कुछ साम्यवादी नेता, समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री और मानवाधिकारवादियों ने माना था। लेकिन अंततः माओवादी नक्सलवाद में बदला यह तथाकथित आंदोलन खून से इबारत लिखने का ही पर्याय बना हुआ है। जबकि इसके मूल उद्देश्यों में नौजवानों की बेकारी, बिहार में जाति तथा भूमि के सवाल पर कमजोर व निर्बलों का उत्थान, आंध्रप्रदेश और अविभाजित मध्य-प्रदेश के आदिवासियों का कल्याण तथा राजस्थान के श्रीनाथ मंदिर में आदिवासियों के प्रवेश शामिल थे। किंतु विशमता और शोशण से जुड़ी भूमण्डलीय आर्थिक उदारवादी नीतियों को जबरन अमल में लाने की प्रक्रिया ने देश में एक बड़े लाल गलियारे का निर्माण कर दिया था, जो पशुपति ;नेपालद् से तिरुपति ;आंध्रप्रदेशद्ध तक जाता है। इस पूरे क्शेत्र में माओवादी वाम चरमपंथ पसरा हुआ था। जब किसी भी किस्म का चरमपंथ राश्ट्र-राज्य की परिकल्पना को चुनौती बन जाए तो जरूरी हो जाता है, कि उसे नेस्तनाबूद करने के लिए जो भी कारगर उपाय उचित हों, उनका उपयोग किया जाए ?दरसअल माओवादी नक्सलियों का जिस जहरीली विचारधारा से पोशण हुआ है ,वह बंदूक की नोक पर सत्ता पर काबिज होने की क्रूर भावना से संचालित है। अतएव नक्सली संवैधानिक लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखते हैं।

देश दुनिया से

भाषा में शालीनता क्यों गायब हो गई?

एक छोटी सी पुरानी कहानी है कि एक बार एक सैनिक जंगल में भटक गया। वह अपने राजा और मंत्री को ढूंढता-ढूंढता जंगल में एक ऐसे स्थान पर पहुंचा, जहां एक अंधा व्यक्ति पेड़ के नीचे बैठा हुआ था। उस सैनिक ने उसे देखकर कहा कि मैं भटक गया हूं, क्या आपने राजा या मंत्री को इस जंगल से जाते हुए देखा है। तो अंधे ने कहा कि वैसे तो मैं अंधा हूं, देख नहीं सकता, पर बता सकता हूं कि पहले यहां से राजा, फिर मंत्री और फिर उसके बाद नौकर एक-दूसरे को ढूंढते हुए निकले हैं। सैनिक ने कहा कि आप तो देख नहीं सकते फिर कैसे पता चला कि वे राजा, मंत्री और नौकर थे। तो अंधे व्यक्ति ने कहा पहले यहां से राजा जी गुजरे, उन्होंने मुझे पूछा सूरदास जी क्या आपने यहां से किसी घोड़े की टाप सुनी है। फिर मंत्री आया, उसने कहा जरा सुनिए महोदय, क्या यहां से घोड़े पर कोई गुजरा है? फिर नौकर आया, उसने कहा ओए! अंधे क्या तुमने यहां से हमारे राजा या मंत्री को जाते देखा है। भाषा की शालीनता से ही मैं बिना आंखों से भी पहचान गया कि सूरदास जी कहने वाला राजा था। जरा सुनिए महोदय कहने वाला मंत्री था और ओए! अंधे, कहने वाला नौकर था। इस प्रकार जो संस्कारित घराने से होगा, वह उतना ही सभ्य, शालीन और उदार होता है। शिक्षित, संस्कारित विद्वान तीसरे स्तर की भाषा कभी नहीं बोल पाता। अपमानजनक भाषा बोलने वाले को प्रत्युत्तर देने के लिए उसे भी उसी स्तर तक नीचे गिरना पड़ेगा, वैसा वह कर नहीं पाता और गहरी पीड़ा झेलता है। शब्द ब्रह्म स्वरूप होते हैं। एक बार प्रस्फुटित होने के बाद उनकी वापसी ठीक वैसे ही नहीं होती जैसे तरकश से निकले तीर की। प्राचीन युग से ही पुरुषों की लड़ाई में नारी का अपमान और शोषण किया जाता रहा है। उन्हें अपशब्द कहे जाते हैं और वह बेचारी बिना कसूर के पिसती है। मूर्ख और असभ्य लोग ही मां-बहनों के पीछे पड़ जाते हैं। साधारण नारी या लडक़ी का राह में अकेले चलना तो मुश्किल ही है। गली के गुंडे कई तरह के अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं। परंतु आज के युग में पढ़े-लिखे उच्च पद पर आसीन महानुभाव भी भाषा की मर्यादा भूल गए हैं और जो मुंह में आ रहा है, बोल रहे हैं। एक मंत्री द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया को लेकर विवादित बयान दिया गया। उन्हें आतंकवादियों की बहन कहा गया। आज की राजनीति और सोशल मीडिया में कुछ ऐसे लोगों का वर्ग बढ़ता जा रहा है जो बिना सोचे-समझे जो जुबान में आ रहा है, उसे बोल रहे हैं और हैरानी की बात यह है कि उन्हें इन अपशब्दों पर कोई पश्चाताप नहीं है। एक ऐसा वर्ग जो सभ्यता के नाम पर कलंक है। एक शिक्षित की भाषा मर्यादित होती है। मानव ने पृथ्वी लोक पर इतना विकास कर लिया, फिर भी वह सभ्य और सुसंस्कृत नहीं बन सका तो बहुत ही दुख की बात है। इन लोगों को भगवान का भी डर नहीं है। जब इनका दिल पुरुष को गाली देकर नहीं भरता, तो वे नीचता की सारी हदें पार करके उनकी मां-बहन या बेटी पर इतने घटिया चरित्रहनन और अश्लील शब्दों का प्रयोग करने लगते हैं कि बड़े से बड़ा गुंडा भी हैरान रह जाए। स्वर की देवी सरस्वती है तो क्या यह सरस्वती मां का अपमान नहीं है जिनसे हमें स्वर और विद्या का वरदान मिला। जब भारत कोविड-19 महामारी की विनाशकारी दूसरी लहर से गुजर रहा था, गंगा में सैकड़ों लाशें तैरती देखी गई। बहुत ही भयंकर दौर से देश गुजर रहा था। तब गुजरात की एक संवेदनशील कवयित्री पारुल खक्कर द्वारा गुजराती में लिखी गई कविता : 'एक साथ सब मुर्दे बोले सब कुछ चंगा-चंगा/राजा तुम्हारे रामराज में शव वाहिनी गंगा।' इस मूल गुजराती कविता का हिंदी, पंजाबी, बंगाली, मलयालम, अंग्रेजी, यहां तक कि जर्मनी में भी अनुवाद किया गया तो अश्लीलता में माहिर इस वर्ग ने सोशल मीडिया पर अश्लील व्यक्तिगत टिप्पणियां पोस्ट करके उन्हें इतना परेशान किया कि उन्हें अपना फेसबुक प्रोफाइल ब्लॉक करना पड़ा। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान करने के बाद उनको ट्रोलर ने सोशल मीडिया में इतनी गालियां दी और उनके परिवार और यहां तक कि उनकी बेटी पर भी अश्लील संदेशों की बौछार लगा दी। इस सबसे परेशान होकर उन्होंने अपना एक्स अकाउंट प्राइवेट कर दिया। हिमांशी नरवल शादी के केवल 6 दिन बाद ही पहलगाम नरसंहार में विधवा हो गई थी, उसका दोष यही था कि जब कश्मीर में आतंकवादियों के घरों पर बुलडोजर चलने का समाचार सुना तो उसने शांति की अपील करते हुए कहा कि हमें न्याय चाहिए, पर किसी बेकसूर मुसलमान और कश्मीरी को टारगेट न किया जाए। बस फिर क्या था, गंदगी उगलने वाले गिद्ध की तरह टूट पड़े और उन्हें सोशल मीडिया में जमकर गालियां दी गई। चरित्र पर बहुत ही बेहुदा लांछन लगाए गए। अपमानजनक शब्द कहना, नारी के चरित्र पर कीचड़ उछालना, बदला लेने के लिए बलात्कार करना, तेजाब फेंकना आदि कुकृत्य इन गिद्धों के लिए साधारण बात है। जब किसी संवेदनशील, सच्चरित्र, शालीन, सभ्य व्यक्ति या नारी पर अश्लील भाषा का प्रयोग किया जाता है, उसकी पत्नी, बेटी के चरित्र पर कीचड़ उछाला जाता है, तो उन असभ्य जंगली जल्लादों को क्या पता कि वह कितने आहत हुए होंगे, गहरी पीड़ा से कितने बेचैन, व्याकुल और हताश हुए होंगे और जब भी उन्हें उन अपमानजनक शब्दों की याद आती होगी तो पीड़ा से कराह उठते होंगे। यह लोग सोशल मीडिया का इतना गंदा और घिनौना प्रयोग कर रहे हैं कि संवेदनशील व्यक्ति की गरिमा पर चोट पहुंचाना इनका काम है जिसके कारण अनगिनत लोग विवश होकर रह गए हैं, क्योंकि इन दुष्टों पर किसी का कोई अंकुश नहीं है।

कुछ अलग

उठे हैं मां के लाल...

झुन्नू जी मेरे इस सवाल पर गंभीरता के समंदर में उतर गए। कुछ देर सोचने के बाद वह बोले, 'किसी भी भौगोलिक खंड या समाज का अपना एक विशिष्ट चरित्र होता है। उसकी विचार प्रक्रिया, लोक धर्म, रीतियां, परंपराएं आदि उसके चरित्र निर्माण में खास भूमिका निभाते हैं। कहावत है-यथा राजा तथा प्रजा। लेकिन इसे उलटा कर के भी पढ़ा जा सकता है। यथा प्रजा तथा राजा। स्वतंत्र देश के स्वस्थ लोकतंत्र में प्रजा के पास एक समय विशेष के लिए देश के प्रतिनिधि चुनने की स्वतंत्रता होती है। इसके बावजूद हम देश की बागडोर नटों के हाथ में ही सौंपते हैं। उथले चरित्र वाला ऐसा नेतृत्व हर परिस्थिति में ता-ता थैया, ता-ता थैया ही करता है। किसी भी समस्या के समाधान के लिए ऐसा नेतृत्व देश को अपने स्वार्थों की धूनी की राख ही खिलाता है। किसी मसखरे से लीडर होने की उम्मीद करना ख़ुद को उसी तरह धोखा देना है जैसे कोई जीव माया में जीते हुए ब्रह्म को पाने की आस लगाए चौरासी के फेर में भटकता रहता है। दोयम प्रतिभा वाले ये मसखऱे अपने इर्द-गिर्द भांड ही इक_ा करते हैं। तुम ऊपर से नीचे नजर मारो तो तुम्हें हर संस्थान में औसत से भी निचले दरजे के लोग ही दिखेंगे। राजा को लालटेन लेकर चलने वाली नहीं बल्कि अपने स्वार्थों में खोई ऐसी भीड़ चाहिए होती है जो हमेशा उसका झंडा उठा कर चलती रहे। चंद सुविधाओं, सबसिडी या कुछ रुपयों के खाते में सीधे ट्रांसफर के एवज़ में उसके सेंगोल से हांकी जाती रहे। जहां तक राजा की दूरदृष्टिता, प्रजा के प्रति उसके परोपकारी दृष्टिकोण, काबिलियत, ईमानदारी और समझदारी का सवाल है, उसके समझने के लिए मैं तुम्हें नंदन वन नाम के एक जंगल की कहानी सुनाता हूं। उस जंगल में विदेशी शेर की ग़ुलामी से मुक्त होने के लिए सभी जानवरों ने मिलकर एक आंदोलन शुरू किया। सालों की इस लड़ाई में गीदड़ों, लोमडियों और सियारों को छोडक़र सभी जानवरों ने हिस्सा लिया। गीदड़, लोमडियां और सियार विदेशी शेर की सेवा करते और बदले में उससे पेंशन, जमीनें, सरकारी नौकरियां और अन्य सुविधाएं लेते। आजादी मिलने के बाद सभी जानवरों ने एक स्वर से निर्णय लिया कि उन्हें ऐसा लोकतंत्र चाहिए, जिसका अपना एक संविधान हो तथा जिसमें वे अपनी मरज़ी से ईमानदार और योग्य राजा का चुनाव कर सकें। चुनावों में सभी ने मिलकर भारी बहुमत से एक बंदर को अपना राजा चुन लिया। राजा बनने के बाद बंदर दिन भर जंगल के सभी पेड़ों पर कूद-फांद करता और अपनी मरजी के फल खाता। उसने अपने आपको विश्व के सभी जंगलों में शीर्ष नेता घोषित करने के लिए मीडिया का सहारा लिया। सभी सियार बंदर को नंबर एक वैश्विक नेता दर्शाने के लिए 24 गुणा सात एक स्वर में हुआ-हू करते रहते। सभी सियार बंदर को नंबर एक वैश्विक नेता बताने के लिए हर रोज नई-नई कहानियां घड़ते और उन्हें अपने खबरिया चैनलों पर सुनाते रहते।

दृष्टि कोण

ट्रंप टैरिफ : एक अवसर

हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने एप्पल के सीईओ को धमकी दी थी कि कंपनी भारत में एप्पल फोन का उत्पादन बंद कर दे और इसके बदले एप्पल की फैक्टरी अमरीका में स्थानांतरित कर दे, लेकिन इसके बावजूद एप्पल की सहयोगी कंपनी फॉक्सकॉन ने एप्पल आईफोन के उत्पादन के लिए भारत में 1.5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने अमरीका में आयातित एप्पल फोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की है और कहा है कि अमरीका के बाहर उत्पादित एप्पल फोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। ऐसा अमरीका के बाहर एप्पल फोन के उत्पादन को हतोत्साहित करने के लिए किया गया है। ऐसा लगता है कि कंपनी इस संबंध में अमरीकी राष्ट्रपति की बात मानने को तैयार नहीं है। इसी तरह अमरीका की टैरिफ घोषणा के बाद यूरोपीय आयोग ने भी रक्षा वस्तुओं के उत्पादन में भारत के साथ साझेदारी करने की इच्छा व्यक्त की थी, और स्पष्ट रूप से कहा था कि वे रक्षा वस्तुओं के उत्पादन में वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत को एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखते हैं। गौरतलब है कि 2 अप्रैल, 2025 को अमरीका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यालय ने विभिन्न देशों से आने वाले सामानों पर उच्च टैरिफ लगाने की घोषणा की, जिसे वे पारस्परिक टैरिफ कहते हैं। चूंकि विभिन्न देश अमरीका से आने वाले सामानों पर अलग-अलग टैरिफ लगाते हैं, इसलिए राष्ट्रपति ट्रंप ने भी विभिन्न देशों पर अलग-अलग टैरिफ लगाने का विकल्प चुना है। इस संदर्भ में, राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिसका अर्थ है कि भारत से अमरीका को निर्यात किए जाने वाले सामानों पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। यह महत्वपूर्ण है कि ट्रंप ने चीन पर पहले 54 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जबकि वियतनाम पर 46 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, ताइवान पर 32 प्रतिशत, दक्षिण अफ्रीका पर 30 प्रतिशत और जापान पर 24 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया गया। इसके अलावा, अमरीकी प्रशासन ने धमकी दी कि अगर कोई देश भी अमरीका से आयात पर जवाबी कार्रवाई कर टैरिफ बढ़ाता है तो वे भी

टैरिफ और बढ़ा देंगे। इस संदर्भ में, चीन की जवाबी कार्रवाई और अमरीका से आयात पर टैरिफ बढ़ाने के फैसले के बाद, ट्रंप प्रशासन ने चीन से आयात पर उसके बाद 104 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया। हालांकि, एक हफ्ते से भी कम समय में, 8 फरवरी को ही राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने कदम वापस ले लिए और पारस्परिक टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोक दिया, और कहा कि अब 75 देशों पर मात्र 10 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क ही लगेगा, लेकिन चूंकि चीन ने जवाबी कार्रवाई की है, ट्रंप ने उस पर पहले 104 प्रतिशत और फिर 145 प्रतिशत और उसके बाद तो 245 प्रतिशत का पारस्परिक टैरिफ लगा दिया है। हाल ही में चीन और अमरीका में कुछ सहमति बनने के बाद अमरीका ने चीन पर टैरिफ घटाकर 30 प्रतिशत और 10 प्रतिशत कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप का तर्क है गलत : हालांकि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह तर्क देते हैं कि दूसरे देश अमरीकी सामानों पर ज्यादा टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमरीका विदेशों से आने वाले सामान पर कम टैरिफ लगाता है। इससे अमरीका को नुकसान होता है, क्योंकि अमरीकी सामान दूसरे देशों में जाकर महंगा हो जाता है, जिससे अमरीकी सामान कम प्रतिस्पद्र्धी हो जाता है। उनका कहना है कि उन्हें अमरीका में उद्योगों को पुनः स्थापित कर अमरीका को पुनः महान बनाना है। लेकिन उनका यह तर्क इसलिए गलत है क्योंकि भारत समेत दूसरे देश अमरीकी सामान पर अधिक टैरिफ डब्ल्यूटीओ में हुए समझौतों के अनुरूप लगाते हैं। उदाहरण के लिए भारत अपने देश में आने वाले सामानों पर 50.8 प्रतिशत भारित टैरिफ लगाने का अधिकारी है। हालांकि भारत वास्तव में मात्र 6 प्रतिशत भारित टैरिफ ही लगाता है। भारत समेत अन्य विकासशील देशों को ज्यादा टैरिफ लगाने की अनुमति इसलिए दी गई थी क्योंकि डब्ल्यूटीओ में हुए समझौतों में भारत समेत अन्य विकासशील देशों को मात्रात्मक नियंत्रण लगाने, अपने लघु उद्योगों के संरक्षण करने, कृषि को अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों से अलग रखने, अपना बौद्धिक संपदा एवं विदेशी निवेश को नियमित करने हेतु कानून बनाने की स्वतंत्रता समेत कई अधिकारों से वंचित होना पड़ा था।

बांग्लादेश में जमात नेता एटीएम अजहरुल इस्लाम 14 साल बाद जेल से रिहा

ढाका, 28 मई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी के नेता एटीएम अजहरुल इस्लाम ने 14 साल बाद खुली हवा में सांस ली। जेल से रिहा होने पर वह काफी खुश नजर आए। उन्हें 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध के केस में गिरफ्तार किया गया था। इस्लाम ने रिहाई के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी।

शीर्ष अदालत ने 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध के आरोपों से मुक्त किया

खबर के अनुसार, जमात-ए-इस्लामी के नेता एटीएम अजहरुल इस्लाम को जेल से रिहा कर दिया गया। एक दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध के आरोपों से मुक्त कर दिया था। केरानीगंज स्थित ढाका सेंट्रल जेल के अधिकारियों ने उनकी रिहाई की प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें सुबह करीब 9:15 बजे बांग्लादेश मेडिकल यूनिवर्सिटी से रिहा कर दिया। रिहाई के तुरंत बाद जमात नेता इस्लाम संगठन के अन्य नेताओं के साथ शाहबाग चौराहे पर एक रैली में शामिल हुए।

उन्होंने कहा, 14 साल जेल में बिताने के बाद मुझे रिहा कर दिया गया है। मैं अब ाद हूं। मैं एक ाद देश का ाद नागरिक हूं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट, अपने वकीलों, जुलाई विद्रोह में भाग लेने वालों, खास तौर पर छात्रों, सेना के सदस्यों और देश की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस्लाम ने आरोप लगाया कि जमात के शीर्ष नेताओं और अन्य लोगों की न्यायिक हिरासत के दौरान मौत की जांच करवा कर इसके लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाए।

सनद रहे, कल सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय प्रभाग ने अपने पिछले फैसले को रद्द कर दिया। इस फैसले में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के सजा और मौत की सजा को बरकरार रखा गया था। शीर्ष अदालत ने जेल अधिकारियों को निर्देश दिया था कि जब तक अजहरुल को किसी अन्य मामले में गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक उसे तुरंत रिहा किया जाए। 30 दिसंबर, 2014 को तत्कालीन अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 ने इस्लाम को मानवता के खिलाफ अपराध के तीन मामलों में मौत की सजा और दो अन्य मामलों में कारावास की सजा सुनाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई, 2025 के अपने नए फैसले में साक्ष्यों का उचित मूल्यांकन करने में अपनी पिछली चूक को स्वीकार किया।

न्यूज ब्रीफ

न्यूजीलैंड के उपप्रधानमंत्री का दो दिवसीय नेपाल दौरा

काठमांडू। न्यूजीलैंड के उपप्रधानमंत्री और विदेशमंत्री विस्टर्न पीटर्स का दो दिवसीय नेपाल दौरा शुरू हो रहा है। वह काठमांडू पहुंचने वाले हैं। न्यूजीलैंड के तरफ से उपप्रधानमंत्री के स्तर पर यह पहला सरकारी दौरा है। वह नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा के निमंत्रण पर आ रहे हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए कुछ समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। विदेश सचिव अमृत राई ने बताया कि न्यूजीलैंड के उपप्रधानमंत्री की राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से शिष्टाचार मुलाकात तय है। इसके अलावा विदेशमंत्री आरजू राणा देउवा के साथ शाम को द्विपक्षीय वार्ता होने वाली है। न्यूजीलैंड के उपप्रधानमंत्री आज हेलीकॉप्टर के जरिए माउंट एवरेस्ट का दौरा करने वाले हैं। गुरुवार को ही उनके वापस जाने का कार्यक्रम है।

कांग्रेस नेता थरूर ने पनामा को बताई ऑपरेशन सिंदूर के पीछे की कहानी

पनामा। भारत लगभग 4 दशकों से हमने एक के बाद एक हमले झेले हैं। 1989 में शुरुआती हमलों से लेकर अब तक हमने आम नागरिकों को बार-बार निशाना बनते देखा है। उन्होंने कहा, यह हमें अब स्वीकार्य नहीं है कि दर्द, दुख, चोट, नुकसान सहते रहें और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से जाकर कहें कि देखो हमारे साथ क्या हो रहा है, हमारी मदद कीजिए। प्लीज अपराधियों की पहचान करने के लिए और मुकदमा चलाने के लिए उन पर दबाव डालें। ये बात गुयाना के बाद पनामा पहुंचे भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कही। उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवाद के जरिए भारतीय जमीन पर हमला करने को लेकर घेरा। उन्होंने कहा कि भारत करीब 4 दशकों से एक के बाद एक हमले झेल रहा है और अब दर्द को सहते रहना हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है। थरूर ने इस ऑपरेशन की जरूरत पर बात की। उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री ने एकदम साफ कर दिया था कि ऑपरेशन सिंदूर जरूरी है, क्योंकि ये आतंकवादी आए और 26 महिलाओं के सिर से सिंदूर हटाकर, उनके पति और पिता और शादीशुदा जिंदगी से वंचित कर चले गए। उन्होंने कहा, कुछ महिलाएं रो रही थीं कि उन्हें भी मार दिए जाए, लेकिन उन लोगों ने का कि नहीं जाओ बताओ कि तुम्हारे साथ क्या हुआ है। हमने रोने की आवाजें सुनी हैं और भारत ने फैसला किया कि सिंदूर का रंग हत्यारों, अपराधियों और हमलावरों के रंग से मेल खाएगा। 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने हमला कर 26 सैलानियों की हत्या कर दी थी। इसके बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हमले किए थे।

महिलाएं थकान महसूस करें तो देखे मस्कुलर मर्दों को

बीजिंग। चाइना के शेनजेन शहर स्थित ह्यूआझोंग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से जुड़े डॉक्टर ही जेनये ने थकान और तनाव से जूझ रहीं महिलाओं के लिए ऐसा अनोखा उपाय सुझाया है। उनका कहना है कि अगर महिलाएं कमजोरी, थकान या उदासी महसूस कर रही हैं तो उन्हें मस्कुलर यानी अच्छी मांसपेशियों वाले मर्दों को देखना चाहिए। इससे उनका मूड तुरंत बेहतर हो जाएगा। डॉ. ही का दावा है कि कई महिलाओं को ची यानी खून और ऊर्जा की कमी होती है, जिससे वे अक्सर थकी, उदास और चिड़चिड़ी महसूस करती हैं। उन्हें नींद नहीं आती, चक्कर आते हैं और त्वचा बेजान लगती है। पारंपरिक चीनी चिकित्सा के मुताबिक यह स्थिति शरीर में ऊर्जा के असंतुलन का संकेत है। इस असंतुलन को दूर करने के लिए वे एक बेहद दिलचस्प इलाज की सलाह देते हैं - 'विजुअल प्लेजर' यानी आंखों को प्रसन्न करने वाला दृश्य देखना। सोशल मीडिया पर वायरल उनके एक वीडियो में डॉक्टर ही मुस्कुराते हुए कहते हैं - महिलाओं, अगर तनाव है तो मस्कुलर मर्दों को देखिए। इससे दिमाग में डोपामाइन नामक रसायन निकलता है जो खुशी देने में मदद करता है। इस वीडियो को लाखों लोग देख चुके हैं और उनके 1.33 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स इस अनोखी टिप को पसंद कर रहे हैं। डॉ. ही यहीं नहीं रुकते। वे ये भी सलाह देते हैं कि बार-बार किसी प्रेम संबंध में पड़ने से बचें और सिर्फ हैंडसम मर्दों को देखकर ही संतुष्टि लें। इसके अलावा उन्होंने पारंपरिक चीनी चिकित्सा के आधार पर महिलाओं को सोने के गहने पहनने की भी सलाह दी है।

दुनिया के हर बड़े आतंकी हमले के पीछे पाक दक्षिण अफ्रीका में भारत ने किया बेनकाब

जॉर्ज टाउन (गुयाना), 27 मई (एजेंसियां)।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे पाकिस्तान के कुटिल चेहरे से आतंकवाद की किरचें धीरे-धीरे उधड़नी लगी हैं। भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य दुनिया के प्रमुख देशों को आतंकवाद की फैक्टरी चला रहे पाकिस्तान के झूठ और फरेब के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने के कारणों से अवगत करा रहे हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल को चारों तरफ से आतंकवाद के खिलाफ शुरू की गई इस लड़ाई में अटूट समर्थन मिल रहा है।

दक्षिण अफ्रीका की राजधानी जोहानिसबर्ग में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि जो पहलगाम में हुआ वो दुखद था। जब पाकिस्तान ने इसपर 15 दिन तक कोई कार्रवाई नहीं की तब भारतीय सेना ने पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया। भारत ने लगातार शांति और दोस्ती का संदेश देने का प्रयास किया है। भारत ने एक ही बात कही है कि हम किसी को छेड़ते नहीं और अगर हमें कोई छेड़ता है तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने कहा कि हम भारत के लोगों की पीड़ा और आक्रोश बताने के लिए दक्षिण अफ्रीका आए हैं। आज के विश्व में आतंकवाद का कोई स्थान नहीं है। यह (पहलगाम आंतकी हमला) पहली बार नहीं हुआ है। लंबे समय से भारत पर हमले हुए हैं। दुनिया ने देखा है कि जब भी कहीं पर बड़े आतंकी हमले हुए हैं, तो पाकिस्तान का नाम सामने आया है। सुप्रिया सुले ने कहा कि सभी को एक स्वर में दुनिया को आतंकवाद की निंदा करनी चाहिए। भारत अब किसी भी भारतीय के खिलाफ किसी भी तरह की आतंकी हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत ने कभी भी युद्ध की पहल नहीं की। पनामा सिटी में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर आवश्यक था क्योंकि आतंकवादी आए और उन्होंने 26 महिलाओं को उनके पति और उनके विवाहित जीवन से वंचित करके उनके माथे से सिंदूर मिटा दिया। उन्होंने पनामा विधानसभा अध्यक्ष डाना कास्टानेडा के साथ बैठक में कहा कि हम सभी अलग-अलग राजनीतिक पृष्ठभूमि और भारत के अलग-अलग हिस्सों से आते हैं लेकिन हम राष्ट्रीय उद्देश्य में एकजुट हैं। जब पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद कोई कार्रवाई नहीं की तब ऑपरेशन सिंदूर को अजाम दिया गया। भारत ने पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी ठिकानों के ज्ञात मुख्यालयों पर हमला किया। हमें युद्ध शुरू करने में कोई दिलचस्पी नहीं थी लेकिन हमें लगा कि आतंकवादी कृत्य को दंडित किए बिना नहीं छोड़ा जाना चाहिए। इस अवसर पर भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि पाकिस्तान के पास खोने के लिए कुछ नहीं है लेकिन भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री मोदी का दुनिया को संदेश है कि अगर आप हमला करेंगे तो हम चुप नहीं रहेंगे। शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा कि भारत शांति प्रिय देश है। मगर अधर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ना केवल उचित नहीं, बल्कि अनिवार्य है। भाजपा सांसद शशांक मणि ने कहा कि नया भारत समझ गया है कि आतंकवाद का एक ही मुकाबला है कि आतंकवादियों के ठिकानों का पता लगाया जाए और उन्हें ध्वस्त किया जाए और यही ऑपरेशन सिंदूर ने किया। पेरिस (फ्रांस) में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने भारत-फ्रांस मैत्री समूह और विदेश मामलों एवं रक्षा समिति के सीनेटरों के साथ मुलाकात की इस मुलाकात के बाद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि वह रक्षा और विदेश मामलों की समिति की उपाध्यक्ष के बहुत आभारी हैं। फ्रांस ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ होने की प्रतिबद्धता दोहराई है। भारत और पूरे लोकतांत्रिक विश्व को पाकिस्तान से निकलने वाले और पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक स्वर में बोलने की जरूरत है। उधर, फ्रांस की यात्रा पूरी कर रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अपने अगले गंतव्य रोम (इटली) पहुंच गया है। किंशासा (कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य) में बीजू जनता दल सांसद सस्मित पात्रा ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल की डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो की यात्रा सफल रही है। प्रतिनिधमंडल ने सरकार के प्रतिनिधियों, मीडिया सहित विभिन्न हितधारकों से मुलाकात की। सभी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत का साथ देने का वचन दिया है। शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि हम शांति और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का संदेश दे रहे हैं। हम यूएई गए और उन्होंने पूरी ताकत के साथ भारत का समर्थन किया। कांगो हमेशा भारत के साथ है।

नॉर्वे में नाविक की गलती से विशाल मालवाहक जहाज घर के पास पहुंच गया

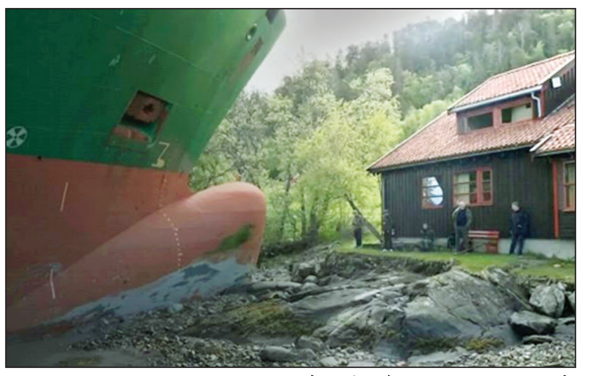

ओस्लो (नॉर्वे), 28 मई (एजेंसियां)। विशाल मालवाहक जहाज (443 फीट लंबा एनसीएल साल्टेन) यूक्रेनी नाविक की नींद लग जाने से एक घर के पास पहुंच गया। बचावकर्मियों ने सूचना मिलते ही कड़ी मशक्कत के बाद उसे वापस पानी में खींचा। नॉर्वे पुलिस ने 30 वर्षीय नाविक पर लापरवाह नेविगेशन का आरोप लगाया है।

मंगलवार को यह मालवाहक जहाज दुनिया भर में सुर्खियों में रहा। यह जहाज नाविक की नींद लग जाने की वजह से नॉर्वे में एक घर से कुछ मीटर की दूरी पर फंस गया। इस घर पर रहने वाले जोहान हेलबर्ग ने इसकी पुष्टि की। इस जहाज पर कंटेनर लोड थे। राहत और बचाव कंपनी बीओए ऑफशोर के प्रबंध निदेशक ओले टी. ब्योर्नविक ने कहा कि इसे 30 मिनट में पानी पर पहुंचा दिया गया।

अभियोजक केजेटिल ब्रुलैंड सोरेंसन ने आरोपित यूक्रेनी नाविक से पूछताछ की है। नाविक ने कहा है कि मालवाहक जहाज के किसी भी अलार्म ने काम नहीं किया। इस वजह से ऐसा हुआ। नॉर्वे पुलिस का कहना है कि जांच इस बात की भी की जा रही है कि नाविक ने जहाज पर काम के घंटों और आराम की अवधि के नियमों का पालन किया या नहीं। मकान मालिक जोहान हेलबर्ग ने कहा कि वह सो रहे थे। अचानक घबराए हुए पड़ोसी ने उनके दरवाजे की घंटी बजाई और उन्हें फोन किया। हेलबर्ग ने टेलीविजन चैनल टीवी 2 को बताया कि दरवाजे की घंटी उस समय बजी जब वह दरवाजा खोलना पसंद नहीं करते। जहाज ने उनके घर के केबिन में हीटिंग पाइप को नुकसान पहुंचाया है। वह जानी नुकसान न होने पर खुद को भाग्यशाली मानते हैं। उन्होंने कहा कि अगर जहाज उनके घर के ठीक बगल में चट्टान से टकराता, तो कुछ भी हो सकता था। नॉर्वे पुलिस का कहना है कि चालक दल के सभी 16 सदस्य सुरक्षित हैं। इस जहाज के मालिक और शिपिंग कंपनी के सीईओ बेंटे हेटलैंड ने कहा कि यह जहाज पहले भी दो बार फंस चुका है। पहली बार 2023 में हैडसेल और दूसरी बार 2024 में एलेसंड में ऐसा हो चुका है।

खबर के अनुसार, यह वाकया नॉर्वे के ट्रॉनहेम शहर के बायनेसेट में हुआ। मकान मालिक हेलबर्ग सेवानिवृत्त संग्रहालय निदेशक हैं। उन्होंने कहा कि बड़े जहाज कभी-कभी हमारे घर के पास से गुजरते हैं।

शादी के लिए विदेशी लड़की न खरीदें, ऑनलाइन डेटिंग से बचे

बांग्लादेश में चीनी दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी की है। इसमें बांग्लादेश में रहने वाले चीनी नागरिकों को ऑनलाइन डेटिंग और झूठे शादी के प्रस्तावों से बचने की सलाह दी गई है। बयान में कहा गया है कि शादी के लिए विदेशी पत्नी खरीदने की सोचना भी गलत है। दरअसल, चीन में पुरुषों और महिलाओं का अनुपात में बहुत ज्यादा अंतर है। 2020 की जनगणना के मुताबिक वहां 105 पुरुषों पर 100 महिलाएं हैं। 10-14 आयु वर्ग में यह अनुपात 118 पुरुष प्रति 100 महिला है। इस असमानता की वजह से चीन में कई पुरुषों की शादी नहीं हो पा रही है। कई लोग इस वजह से तस्करों के चक्कर में पडक़र अपना पैसा गंवा रहे हैं। इस ठगी को रोकने के लिए चीन ने यह एडवाइजरी जारी की है।

पाकिस्तान में तूफान से छह लोगों की मौत, कहीं घर गिरे, कहीं आसमानी बिजली से आफत

इस्लामाबाद, 28 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में 24 घंटे पहले आए शक्तिशाली तूफान से हुई तबाही का मंजर रफ्ता-रफ्ता सामने आने लगा है। इस तूफान से दो प्रांतों खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब में जान-माल की भारी क्षति हुई है। इस दौरान राजधानी इस्लामाबाद में लोगों को तेज हवा का सामना करना पड़ा।

खबर के अनुसार, मुल्क के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब के कई इलाकों में मंगलवार को शक्तिशाली तूफान आया। इससे कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। स्वाबी के मनकी गांव में तेज हवा के कारण चारदीवारी और छत गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसकी मां और भाई घायल हो गए। जियारत चाम बाबा में एक शेड की छत गिर जाने से एक महिला और उसका बेटा मलबे में फंस जाने से घायल हो गए।

इसके अलावा शांगला के बिशाम में एक घर पर आसमानी बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य बेहोश हो गए। नौशेरा के रहीमाबाद इलाके में दीवार गिरने से एक युवक घायल हो गया। पेशावर में इस दौरान हुई बारिश से बचने के लिए भाग सात लोग गिरकर घायल हो गए। इस दौरान हयातबाद स्टेडियम के पास एक बिलबोर्ड से कार टकरा गई। पेशावर के मट्टानी और गढ़ी कमरदीन में भी काफी नुकसान हुआ है। यहां लोगों के घरों की दीवारें और छतें गिर गईं। फांडू रोड पर एक सोलर पैनल गिरने से एक राहगीर घायल हो गया। पंजाब में एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ घायल हो गए। मियांवाली में आसमानी बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और मकरवाल पुलिस स्टेशन पर दीवार गिरने से एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। रावलपिंडी, अटक, गुजरांवाला में भी कई इमारतें ढह गईं। इस्लामाबाद में भी तूफान का असर दिखा। कई पेड़ और पथ संकेतक उखड़ गए। लोगों को पुलों और फ्लाईओवर के नीचे शरण लेनी पड़ी।

नेपाल और चीन की सेना के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी

काठमांडू, 28 मई (एजेंसियां)।

नेपाल और चीन के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी की जा रही है। इसके लिए चीन की जनमुक्ति सेना का एक प्रतिनिधिमंडल नेपाल आया है। इस वर्ष यह संयुक्त सैन्य अभ्यास नेपाल में ही होना है।

चीन की जनमुक्ति सेना के झिंजियांग मिलिट्री कमांड का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार से नेपाली सेना के साथ इस वर्ष होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी के लिए आयोजित सम्मेलन में सहभागी हो रहा है। नेपाल और चीन के बीच सागरमाथा फ्रेंडशीप 2025 नाम से संयुक्त सैन्य अभ्यास होना है। यह दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास का पांचवा संस्करण है। 2017 से शुरू हुआ यह संयुक्त सैन्य अभ्यास 2019 तक लगातार चला लेकिन कोरोना महामारी की वजह से 2020 से 2023 तक नहीं हो पाया। पिछले वर्ष यह चीन में हुआ था। इस वर्ष यह नेपाल में होना तय हुआ है। इसकी तैयारी को लेकर नेपाली सेना के मुख्यालय में बुधवार से दो दिनों के लिए इनीशियल प्लानिंग कॉन्फ्रेंस हो रही है। इसमें सैन्य अभ्यास के स्थान और तिथि के बारे में निर्णय लिया जाएगा। नेपाली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल गौरव के सी ने बताया कि संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान एंटी टेररिस्ट अभियान का अभ्यास मुख्य रूप से किया जाएगा। इसके अलावा विपद व्यवस्थापन का अभ्यास भी किया जाना तय हुआ है। पिछले वर्ष चीन के छंगदू शहर में हुए संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान भी आतंकवाद विरोधी अभियानों के विषय के तहत हुआ था। इनमें हल्के हथियारों का इस्तेमाल, आतंकवाद विरोधी समूह की रणनीति, ड्रोन संचालन, आपातकालीन बचाव अभ्यास शामिल था।

विश्व का चौधरी बनने के चक्कर में ट्रंप करा रहे अमेरिका की फजीहत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बात बात पर दूसरे देशों के मामलें देखल देकर खुद चौधरी बनने की फिराक में हैं। लेकिन उनका बार बार बयान बदलना अपनी बात से मुकराना दुनियाभर में उनकी फजीहत करा रहा है। कभी जिन डोनाल्ड ट्रम्प और नरेंद्र मोदी की दोस्ती के चर्चे थे, आज उनकी संवादहीनता का असर अमरीका और भारत के रिश्तों पर साफ दिख रहा है। बेशक ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद मोदी अमरीका गए। वहां दोनों में बात भी हुई। संभव है, पहलगाम हमले के बाद और 'ऑप्रेशन सिंदूर' के बीच भी दोनों में बात हुई हो, लेकिन ट्रम्प के दूसरे राष्ट्रपति काल में भारत के प्रति अमरीका का व्यवहार एकदम बदला हुआ दिख रहा है। भारत में पाक प्रायोजित आतंकी हमलों के सबूत भी अमरीका समेत विश्व समुदाय को समय-समय पर दिए जाते रहे हैं। इसके बावजूद हालिया सैन्य टकराव में व्यापार बंद करने की धमकी दे कर संघर्ष विराम कराने का दावा करते हुए ट्रम्प ने जिस भारत और पाकिस्तान तथा उनके नेतृत्व को समान रूप से 'महान' बताया, वह कूटनीतिक मर्यादा और प्राकृतिक न्याय, दोनों के विपरीत है। उधर पाकिस्तान की खनिज सम्पदा के दोहन के लिए भी अमरीका लगातार प्रयासरत है। विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्र अमरीका की सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के मुकाबले आतंकवादी देश पाकिस्तान पर मेहरबानी के कारण समझने के बावजूद मित्रता खुशफहमी हमारी समझदारी नहीं। ट्रम्प की अवसरवादी कूटनीति से सही सबक ले कर भारत को भी अपनी रणनीतिक प्राथमिकताएं नए सिरे से तय करनी चाहिएं। भारत-पाक के बीच सैन्य टकराव में अचानक संघर्ष विराम कराने और उसमें व्यापार रोकने की धमकी की भूमिका जैसे ट्रम्प के दावे इस बदलाव की पराकाष्ठा हैं।

नॉर्वे शतरंज 2025 : राउंड 2 के बाद नाकामुरा और अर्जुन एरिगैसी संयुक्त रूप से शीर्ष पर

स्टावेंगर,28 मई (एजेंसियां) ।

नॉर्वे शतरंज 2025 के दूसरे राउंड में रोमांच अपने चरम पर रहा, जहां अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और भारत के अर्जुन एरिगैसी ने शानदार जीत के दम पर संयुक्त रूप से टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। कार्लसन बनाम नाकामुराः क्लासिकल में शांति, अर्मागेडन में तूफान विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और नंबर 2 हिकारू नाकामुरा के बीच बहुप्रतीक्षित भिड़ंत एक शांत क्लासिकल ड्रॉ के साथ समाप्त हुई। दोनों खिलाड़ियों की सटीक चालों ने गेम को संतुलन में रखा। लेकिन असली रोमांच अर्मागेडन में देखने को मिला। शुरुआती बढ़त कार्लसन के पास थी और वे जीत की ओर अग्रसर दिखे। मगर एंडगेम में एक चूक ने बाजी पलट दी और नाकामुरा ने एक चमत्कारी चाल के साथ मुकाबला जीतकर महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक हासिल किए। कारुआना की वापसी, एरिगैसी ने गुकेश को हराया पहले राउंड में हार झेलने वाले फबियानो कारुआना ने जोरदार वापसी करते हुए चीन के यी वेई को काले मोहरों से मात दी। यह मुकाबला बेहद जटिल और संतुलनपूर्ण रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में कारुआना की सटीकता ने उन्हें बाजीगर साबित किया। दिन का सबसे चर्चित मुकाबला दो भारतीय दिग्गजों –अर्जुन एरिगैसी और विश्व चैंपियन गुकेश डोमरराजू के बीच रहा। एरिगैसी ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए, लेकिन गुकेश की सधी हुई डिफेंस ने मुकाबले को संतुलित बनाए रखा। जैसे–जैसे समय घटा, स्थिति जटिल होती गई और अंततः अर्जुन ने निर्णायक बढ़त लेते हुए जीत दर्ज की। महिला वर्ग में अन्ना मुजिचुक की मजबूत पकड़ महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक ने भारत की हम्पी कोनेरू को हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। ओपनिंग से ही मुजिचुक ने स्थिति पर नियंत्रण बना लिया था और अंततः एंडगेम में हम्पी की एक बड़ी गलती ने उन्हें जीत दिला दी। वहीं अन्य दो मुकाबले– वैशाली रमेशबाबू बनाम तिंगजी लेई और सारा खातेमअलशारिया बनाम जू वेनजुन – क्लासिकल में ड्रॉ पर समाप्त हुए। हालांकि अर्मागेडन में लेई और जू ने जीत हासिल कर महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक जुटाए।

न्यूज़ ब्रीफ

सिंगापुर ओपन 2025 : सत्विक-चिराग की जोड़ी अंतिम 16 में, लक्ष्य सेन चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली। सिंगापुर ओपन 2025, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट में बुधवार को भारत के सत्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पुरुष डबल्स के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने मलेशिया के मुहम्मद हाइकाल और चूंग हॉन जियान को 21–16, 21–13 से सिर्फ 37 मिनट में मात दी। मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और रुत्विका गड्डे ने अमेरिका की चेन झी यी और फ्रांसेस्का कॉर्बेट को 21–16, 21–19 से 35 मिनट के राउंड ऑफ 32 मैच में हराया। इससे पहले लक्ष्य सेन को अपने राउंड ऑफ 32 मुकाबले के दौरान चोट लगने के कारण मैच छोड़ना पड़ा। उनका मुकाबला ताइवान के लिन चुन–यी से था। मुकाबले में निर्णायक गेम के दौरान स्कोर 21–15, 17–21, 5–13 था जब लक्ष्य मैच से हटे। महिला डबल्स में अमृता प्रमुथेश और सोनाली सिंह को जापान की दूसरी सीडेड जोड़ी, नामी मात्सुयामा और चिहारू शीदा से वॉकओवर मिला।आकार्शी कश्यप और उन्नति हूडा दोनों ने शुरूआती गेम तो जीता, लेकिन बाद में चीन की उच्च रैंकिंग वाली विपक्षी खिलाड़ियों के सामने हार गईं। आकार्शी 21–17, 13–21, 7–21 से तीसरी सीड हान यू के हाथों हार गईं, जबकि उन्नति 21–13, 9–21, 15–21 से दूसरी सीड वांग झी यी से पराजित हुईं। अनुपमा उपाध्याय को ताइवान की सुंग शुओ युन ने 12–21, 16–21 से हराया। दिन के बाकी मुकाबलों में महिला डबल्स की जोड़ी ट्रीसा जॉली–गायत्री गोपीचंद और वैशनवी खडकेकर–अलीशा खान मैदान में उतरेंगी।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिपः इंडियन वॉरियर्स ने किया धमाकेदार आगाज़ अफ्रीकन लायंस को 7 विकेट से हराया

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) के पहले दिन का आगाज़ बेहद रोमांचक अंदाज़ में हुआ। मंगलवार रात उद्घाटन मुकाबले में शिखर धवन की इंडियन वॉरियर्स ने अफ्रीकन लायंस को 7 विकेट से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। अफ्रीकन लायंस ने रखा था 195 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफ्रीकन लायंस ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाए। टीम के लिए शेखर सिरोही ने सिर्फ 26 गेंदों पर 65 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें कई आकर्षक शॉट्स देखने को मिले। अंतिम ओवरों में शिवम शर्मा ने 14 गेंदों में 24 रन जोड़कर स्कोर को मजबूती दी।

गस एटकिंसन हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया है। यह सीरीज 29 मई से शुरू होगी, लेकिन इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि एटकिंसन की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा। इंग्लैंड नहीं करेगा किसी खिलाड़ी को रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट में लगी चोट एटकिंसन को यह चोट हाल ही में नॉटिंघम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान लगी थी। इस मैच में उन्होंने कुल 19.2 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए थे। उनकी चोट इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी में एक और बड़ा झटका है, क्योंकि इससे पहले जोफ्रा आर्चर भी इसी सीरीज से बाहर हो चुके हैं। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए फिटनेस जरूरी इंग्लैंड टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि एटकिंसन 20 जून से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। हैरी ब्रूक पहली बार स्थायी वनडे कप्तान के रूप में इस सीरीज में हैरी ब्रूक पहली बार इंग्लैंड की वनडे टीम की कमान बतौर स्थायी कप्तान संभालेंगे। तीनों वनडे मुकाबले क्रमशः 29 मई (बर्मिंघम), 1 जून (कार्डिफ) और 3 जून (ओवल, लंदन) को खेले जाएंगे।

लिवरपूल परेड हमला अपडेट : हत्या के प्रयास के संदेह में ड्राइवर गिरफ्तार

लिवरपूल,28 मई (एजेंसियां) ।

लिवरपुल में सोमवार को हुए हादसे के बाद मंगलवार को पुलिस ने 53 वर्षीय ब्रिटिश व्यक्ति, जिसने अपनी गाड़ी से प्रीमियर लीग चैंपियनशिप का जश्न मना रहे लिवरपूल के प्रशंसकों की भीड़ को टक्कर मार दी थी, जिसमें 65 लोग घायल हो गए थे, को हत्या के प्रयास के संदेह में गिरफ्तार किया है।

बता दें कि इंग्लैंड के लिवरपूल शहर में सोमवार को फुटबॉल क्लब की प्रीमियर लीग जीत की खुशी में निकाली गई परेड के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया था। भीड़ में तेज़ रफ्तार वैन घुस जाने से 65 लोग घायल हो गए, जिनमें से 50 को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। 11 लोगों की हालत अभी भी स्थिर बनी हुई है।

53 वर्षीय ड्राइवर गिरफ्तार, हत्या के प्रयास और नशे में गाड़ी चलाने का आरोप

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि 53 वर्षीय ब्रिटिश ड्राइवर को हत्या के प्रयास, खतरनाक ड्राइविंग और नशे में वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

मर्सीसाइड पुलिस की डिटेक्टिव चीफ सुपरिंटेंडेंट करेन जॉन्ड्रिल ने जानकारी दी कि आरोपी ने पुलिस रोडब्लॉक को चकमा देकर उस एंबुलेंस का पीछा किया जो हार्ट अटैक के मरीज को लेने जा रही थी।

चार बच्चे भी घायल, दमकलकर्मियों ने वैन के नीचे से निकाला

घायलों में चार बच्चे भी शामिल हैं। एक बच्चा उन चार लोगों में शामिल था जो वैन के नीचे फंस गए थे। दमकलकर्मियों ने वैन को उठाकर उन्हें बाहर निकाला।

आतंकी घटना नहीं, दूसरा कोई संदिग्ध नहीं

पुलिस का कहना है कि वे इस घटना को आतंकी हमले के तौर पर नहीं देख रहे हैं और कोई अन्य संदिग्ध नहीं है। आरोपी की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है क्योंकि ब्रिटेन में आरोप तय होने से पहले आमतौर पर नाम उजागर नहीं किया जाता।

जश्न के माहौल में मातम, किंग चार्ल्स ने जताया दुख

यह घटना उस वक्त हुई जब लिवरपूल फुटबॉल क्लब के खिलाड़ी अपनी जीत के जश्न में ओपन बस परेड में भाग ले रहे थे। हादसे के बाद पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई। किंग चार्ल्स तृतीय ने कनाडा दौरे के दौरान एक बयान में कहा, यह अत्यंत दुखद है कि खुशी का यह अवसर इतने दर्दनाक हादसे में बदल गया। मुझे विश्वास है कि लिवरपूल की सामूहिक भावना सभी पीड़ितों को हिम्मत और सहारा देगी।

चश्मदीदों की आंखों देखीः वह बस चलता गया...

हादसे के प्रत्यक्षदर्शी हैरी राशिद ने बताया कि वे अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ वहीं मौजूद थे। उन्होंने कहा, हमने पहले कुछ आवाजें सुनीं, जैसे लोग गाड़ी की बोनट से टकरा रहे हों। फिर वह गाड़ी रुक गई, लेकिन कुछ ही पल बाद ड्राइवर ने फिर रफ्तार पकड़ ली और और लोगों को रौंदता हुआ चलता गया।

भीड़ ने वाहन को घेरा, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है जिसमें देखा जा सकता है कि वैन एक व्यक्ति को उछालते हुए आगे भीड़ में घुसती है। गाड़ी रुकने के बाद गुस्साई भीड़ ने वाहन को घेर लिया और शीशे तोड़ने लगी। हालांकि ड्राइवर ने फिर से गाड़ी आगे बढ़ाई और कई और लोगों को घायल कर दिया।

पुलिस के अनुसार, गलत सूचनाओं को रोकने के लिए उन्होंने तुरंत पुष्टि कर दी कि आरोपी एक स्थानीय श्वेत व्यक्ति है। लिवरपूल सिटी मेट्रो मेयर स्टीव रोदरम ने यह जानकारी दी। यह हादसा उस शहर के लिए एक और झटका है, जो पहले ही फुटबॉल से जुड़ी दो बड़ी त्रासदियों से गुजर चुका है।

फोर नेशंस टूर्नामेंट

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना को शूटआउट में 2-0 से हराया

नई दिल्ली,28 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चल रहे फोर नेशंस टूर्नामेंट में मेज़बान अर्जेंटीना को शूटआउट में 2-0 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। भारत की ओर से कनिका ने 44वें मिनट में गोल दागा, जबकि शूटआउट में लालरिनपुई और लालथनतलुआंगी ने गोल कर टीम को जीत दिलाई।

पहले क्वार्टर में पिछड़ी, तीसरे में की बराबरी

मेज़बान अर्जेंटीना ने मुकाबले की आक्रामक शुरुआत की और 10वें मिनट में मिलाग्रोस डेल वैले ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि, भारतीय टीम ने धैर्य नहीं खोया और तीसरे क्वार्टर में वापसी करते हुए कनिका ने 44वें मिनट में शानदार गोल दाग कर स्कोर 1–1 कर दिया।

कप्तान निधि बनीं हीरो, शूटआउट में चार बचाव

निर्धारित समय तक स्कोर बराबरी पर रहने के बाद मुकाबला शूटआउट में गया। यहां भारत की कप्तान और गोलकीपर निधि ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना के चारों प्रयासों को रोक दिया। वहीं, भारत की ओर से लालरिनपुई और लालथनतलुआंगी ने अपने मौके भुनाते हुए शूटआउट में गोल दागे और भारत को जीत दिला दी।

इस जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। अब उसका अगला मुकाबला 30 मई को चिली के खिलाफ होगा, जहां टीम इसी लय को बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी।

प्रभु थाईलैंड मैत्री मैच के लिए सुहैल भट, निखिल भारतीय फुटबॉल टीम में शामिल

भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने बुधवार को थाईलैंड के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच के लिए भारतीय टीम का चयन किया। कोलकाता में 19 मई से चल रहे प्रशिक्षण कैंप में शामिल सभी 28 खिलाड़ी थाईलैंड के लिए यात्रा करेंगे। इसमें बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले खिलाड़ी निखिल प्रभु, ऋतिक तिवारी, गुरमीत सिंह और सुहैल अहमद भट भी शामिल हैं। भारतीय टीम बुधवार शाम थाईलैंड के लिए रवाना होगी, जबकि यह फ्रेंडली मैच 4 जून को खेला जाएगा। थाईलैंड दौरे के बाद भारत टीम एशियाई कप 2027 के क्वालीफायर के तीसरे राउंड के मैच के लिए हांगकांग जाएगी, जो 10 जून को होगा। थाईलैंड फ्रेंडली के लिए भारत टीम : गोलकीपर : ऋतिक तिवारी, विशाल कैथ, गुरमीत सिंह, अमरिंदर सिंह। डिफेंडर : नाओरेम रोशन सिंह, राहुल भेके, चिंगलेंसाना सिंह कोंशाम, अनवर अली, बॉरिस सिंह थांगजाम, संदेष झींगन, आशिष राय, सुभाषिश बोस, मेहताब सिंह, अभिषेक सिंह टेकचाम। मिडफील्डर : सुरेश सिंह वांगजाम, महेश सिंह नाओरेम, आयुष देव छेत्री, उदांता सिंह कुमाम, ललेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलाको, आशिक कुरुनियान, ब्रैंडन फर्नांडिस, निखिल प्रभु। फॉरवर्ड : सुनील छेत्री, एडमंड लालरिंदिका, मनवीर सिंह, सुहैल अहमद भट, लल्लियांजुला छांगटे।

आरसीबी के खिलाफ मिली हार के बाद पंत ने कहा–हम 40 ओवर अच्छी क्रिकेट नहीं खेल पाए

लखनऊ,28 मई (एजेंसियां) ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के आखिरी लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 61 गेंदों पर नाबाद 118 रन की विस्फोटक पारी खेलने वाले ऋषभ पंत ने कहा कि इस बार वह शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने पर फोकस कर रहे थे, जो वह पिछले मैचों में नहीं कर पाए थे। हालांकि, उनकी इस शानदार पारी के बावजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 227 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। पंत ने इस हार पर कहा, हम 40 ओवर अच्छी क्रिकेट नहीं खेल पाए।

मैच के बाद प्रेजेंटेशन में पंत ने कहा, हर मैच के साथ मैं अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन कई बार चीजें आपके मुताबिक नहीं होतीं। आज मैंने ठान लिया था कि अगर शुरुआत मिलती है तो उसे बड़े स्कोर में बदलना है, जैसे अनुभवी खिलाड़ी करते हैं। सबसे अच्छे खिलाड़ियों से यही सीखा है कि जब मौका मिले तो उसे भुनाओ। पंत का यह सीजन बल्ले से बेहद फीका रहा था। इस मुकाबले से पहले वह 12 पारियों में सिर्फ 151 रन ही बना पाए थे। उन्होंने बताया कि इस मैच में उन्होंने सीधा खेलने और गैप्स तलाशने की रणनीति अपनाई, जो पहले काम नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने सोचा कि गेंदबाज किस एंगल से गेंदबाजी करेंगे और उसी के मुताबिक खुद को ढालने की कोशिश की। सीधा खेलना, गैप्स देखना, सब कुछ सिंपल रखा और हर गेंद को एक जैसी गंभीरता से खेला।

गेंदबाजी में अनुभव की कमी ने लखनऊ को किया परेशान – एलएसजी की गेंदबाजी इस मैच में खास असर नहीं छोड़ पाई। विल ओरूर्क और शाहबाज अहमद ने मिलकर सिर्फ 7 ओवरों में 113 रन लुटा दिए। वहीं फील्डिंग में चूक और दिग्वेश राठी की बैकफुट नो–बॉल, जिस पर प्लेयर ऑफ द मैच जितेश शर्मा को जीवनदान मिला, टीम की हार का कारण बनी।

पंत ने कहा,टी20 में सिर्फ 20 ओवर अच्छा खेलना काफी नहीं है। 40 ओवर पूरे मैच में अच्छा खेलना होता है और यही हमारी कहानी रही है। टूर्नामेंट से पहले कई खिलाड़ियों की चोटें थीं, जिसका असर पूरे सीजन में दिखा।

गेंदबाजों का प्रदर्शन रहा सराहनीय –

एलएसजी ने इस सीजन 14 में से 6 मुकाबले जीतकर अंक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया। हालांकि, पंत ने कुछ सकारात्मक पहलुओं की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, कुछ खास गेंदबाजी प्रदर्शन भी हुए हैं। दिग्वेश राठी का प्रदर्शन सराहनीय रहा, आवेश खान ने भी अहम ओवर फेंके।

अब हमारी टीम का लक्ष्य आईपीएल ट्रॉफी उठाना : शशांक

जयपुर,28 मई (एजेंसियां) ।

पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने कहा है कि उनकी टीम को लक्ष्य इस बार आईपीएल खिताब जीतना है। शशांक ने कहा है कि अंक तालिका में शीर्ष दो पर आना अच्छी बात है पर अभी उनका काम पूरा नहीं हुआ है। पंजाब किंग्स ने अंतिम लीग मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में शीर्ष दो में जगह बनायी है। अब उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो अवसर मिलेंगे। यह पिछले 11 साल में पहला अवसर है जबकि पंजाब किंग्स की टीम प्लेऑफ में पहुंची है।

शशांक ने कहा, 'यह वास्तव में अच्छा अहसास है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें सभी ने एकजुट होकर प्रयाय किये। साथ ही कहा कि नीलामी के ठीक बाद से भी सभी ने आपस में खिताब जीतने को लेकर बात की थी। हमारा पहला लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाना था और हमने इसे हासिल कर लिया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि विश्वास और कड़ी मेहनत से ही टीम यहां तक पहुंची है। उन्होंने कहा, 'अपनी बात को कहना अलग चीज है और उस पर अमल करना अलग। हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसका टीम से जुड़े हर एक व्यक्ति को जाता है। आईपीएल जैसी बड़ी लीग में शीर्ष दो में रहना आसान नहीं है।

शशांक ने कहा, 'शीर्ष दो में जगह बनाने के बाद अब हम ट्रॉफी उठाना चाहते हैं। शशांक उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें मेगा नीलामी से पहले टीम में बनाये रखा गया था हालांकि टीम में कई बदलाव करते हुए रिकी पोंटिंग को मुख्य कोच और श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया था। उन्होंने कहा, 'पहले दिन से ही कोच और कप्तान का मुख्य आदर्श वाक्य रहा है कि हमें एक नई संस्कृति को विकसित करना है और उसे बनाए रखना है। हमें एक दूसरे पर पूरा भरोसा रखना है और फिर परिणाम खुद ही हमारे अनुसार आएंगे।

आईपीएल फाइनल आरसीबी और पंजाब में होगा : उथप्पा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने आईपीएल प्लेऑफ से पहले कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम फाइनल में जगह बनाये। उथप्पा के अनुसार फाइनल मुकाबला आरसीबी और पंजाब में होगा। उन्होंने कहा कि आरसीबी के लिए ये मैच जीता आसान नहीं होगा क्योंकि उसकी मैच को फिनिश करने की क्षमत कमजोर है। उथप्पा ने कहा, मैंने शुरू से ही कहा है, मेरा मानना है कि खिताबी मुकाबला पंजाब और आरसीबी के बीच होने वाला है। उनके पास गति है और उन्होंने अच्छी गेंदबाजी शुरू कर दी है पर उन्हें प्रभावी तरीके से मैच समापत करने की जरूरत है और विराट कोहली को लक्ष्य का पीछा करने की अपनपी भूमिका निभानी होगी। उन्हें 20 ओवर तक बल्लेबाजी करनी होगी तभी विरोधी टीम पर दबाव बनाया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी से भी आरसीबी को लाभ होगा पर उनके अन्य गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, गेंदबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। मुझे खुशी है कि हेजलवुड वापस आ गए हैं, जिससे अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को भी सहायता मिलेगी। अब तक यश दयाल ने डेथ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम के पास क्रुणाल पांड्या जैस अच्छा स्पिनर भी है। कुल मिलकार टीम संतुलित है। आरसीबी ने इस बार लीग की शुरुआत से ही जीत का सिलसिला बनाये रखा है।

एचडीएफसी बैंक ने चुनिंदा अवधि वाली एफडी स्कीम की ब्याज दरें घटाई

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)।

प्राइवेट सेक्टर के एचडीएफसी बैंक ने कुछ चुनिंदा अवधि वाली एफडी स्कीम की ब्याज दरें घटा दी हैं। एचडीएफसी बैंक ने ब्याज दरों में 20 बेसिस पॉइंट्स यानी 0.20 प्रतिशत तक की कटौती की है। मालूम हो कि सबसे बड़े प्राइवेट बैंक ने 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी के लिए ये बदलाव किया है।

बैंक की नई ब्याज दरें 23 मई, 2025 से लागू होंगी। इससे पहले, एचडीएफसी बैंक ने अप्रैल, 2025 में भी एफडी दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की थी। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट घटाए जाने के बाद से देश के तमाम बैंकों ने एफडी की ब्याज दरें भी घटानी शुरू कर दी। कई बैंक तो अभी भी एफडी की ब्याज दरों में संशोधन कर, इसमें कटौती कर रहे हैं। इसी सिलसिले में प्राइवेट सेक्टर के एचडीएफसी बैंक ने कुछ चुनिंदा अवधि वाली एफडी स्कीम की ब्याज दरें घटा दी हैं। एचडीएफसी बैंक ने ब्याज दरों में 20 बेसिस पॉइंट्स यानी 0.20 प्रतिशत तक की कटौती की है।

बताते चलें कि सबसे बड़े प्राइवेट बैंक ने 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी के लिए ये बदलाव किया है। बैंक की नई ब्याज दरें 23 मई, 2025 से लागू होंगी। इससे पहले, एचडीएफसी बैंक ने अप्रैल, 2025 में भी एफडी दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की थी। एफडी की ब्याज दरों में कटौती के बाद, अब सामान्य नागरिकों को एफडी पर 3प्रतिशत से 6.85 प्रतिशत तक का ब्याज मिलेगा। जबकि वरिष्ठ नागरिकों को 3.5 प्रतिशत से लेकर 7.35प्रतिशत तक का ब्याज दिया जाएगा।

आधार कार्ड खोने पर चिंतित न हो, फिर से प्राप्त करने का है आसान तरीका

नई दिल्ली। वर्तमान समय में आधार कार्ड हमारी पहचान का मुख्य दस्तावेज बन चुका है। यदि आपका आधार कार्ड खो जाए, तो यह एक चिंता का विषय हो सकता है लेकिन अब आपको फिकर करने की आवश्यकता नहीं है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आपके लिए आसान तरीकों की एक श्रृंखला उपलब्ध कराई है जिससे आप अपने आधार नंबर को पुनः प्राप्त कर सकते हैं। यूआईडीएआई की वेबसाइट पर जाएं और रीट्रीव यूआईडी/ईआईडी विकल्प का उपयोग करें अगर आपका मोबाइल नंबर आधार से लिंक है, तो ऑनलाइन आधार नंबर पुनर्प्राप्त करने के लिए यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं और रीट्रीव यूआईडी/ईआईडी विकल्प का उपयोग करें। पूरी जानकारी भरें, कैप्चा कोड डालें और ओटीपी के जरिए सत्यापन करें।

न्यूज ब्रीफ

बाबा रामदेव ने किया स्वदेशी को अपनाने का आह्वान

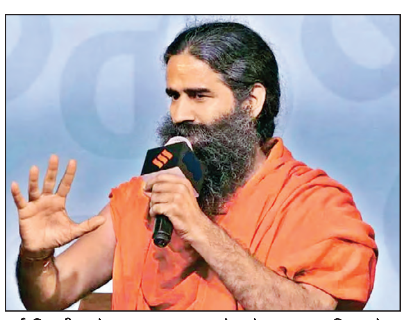

नई दिल्ली। योग गुरु बाबा रामदेव ने एक बार फिर से देशवासियों से स्वदेशी अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान को समर्थन करते हुए सबको स्वदेशी का सम्मान करना चाहिए। बाबा रामदेव ने कहा कि अब नागरिकों को आर्थिक, वैचारिक और डिजिटल गुलामी से उबारने का समय आ गया है। अगर भारत स्वदेशी को नहीं अपनाएगा तो रुपये की मान्यता खतरे में हो सकती है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को अपनाना ही भारत को विदेशों की विरोधी शक्तियों से लड़ने में सहायक होगा। व्यापारियों से लेकर आम लोगों तक को स्वदेशी का समर्थन करने की जरूरत है, जिससे देश की आर्थिक मजबूती बढ़े। बाबा रामदेव ने आगे कहा कि अगर हम स्वदेशी का समर्थन करेंगे तो भारत की ताकतों को मजबूत बनाने में सहायक होंगे। वे कहते हैं, मैं स्वदेशी गाड़ी में चलता हूँ, खड़ाऊं पहनता हूं और विदेशी वस्तुओं का प्रयोग नहीं करता। उनके अनुसार भारत को आगे बढ़ाने के लिए स्वदेशी को अपनाना जरूरी है। यही एक मार्ग है जिससे देश को विदेशों के प्रति सशक्त बनाया जा सकता है।

ओप्पो रेनो 14 सीरीज जल्द भारत में होगी लॉन्च

मुंबई। स्मार्टफोन निर्माता कंपनी ओप्पो ने एक बार फिर से धमाका करने की योजना बनाई है, और इस बार उनकी नई रेनो 14 सीरीज चर्चा में है। बताया जा रहा है कि यह बेहद शैलीशील डिज़ाइन और एआई फीचर्स के साथ लॉन्च होगा। ओप्पो का नया फोन गूगल के साथ मिलकर बनाए गए है, जिसमें जेमिनी एआई नाम का एक स्मार्ट फीचर शामिल है। यह फीचर उपयोगकर्ताओं को चैट के बारे में बेहतर अनुभव प्रदान करेगा। फोन के प्रीमियम लुक और परफॉर्मेंस पर ध्यान दिया जा रहा है, जिससे यह उपयोगकर्ताओं को एक आलोकप्रिय विकल्प मिल सके। जुलाई के पहले हफ्ते में ओप्पों रेनो 14 सीरीज के लॉन्च की उम्मीद है।

भारत के डेटा सेंटर क्षेत्र में 20-25 अरब डॉलर के निवेश की संभावनाः रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के डेटा सेंटर उद्योग में 2020 से अब तक करीब 15 अरब डॉलर का निवेश हुआ है। बताया जा रहा है कि मांग बढ़ने की वजह से अगले छह साल में इसमें 20–25 अरब डॉलर का निवेश हो सकता है। एक रियल एस्टेट सलाहकार की रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2025 तक भारत के सात प्रमुख शहरों में डेटा सेंटर की क्षमता 1,263 मेगावाट है और इसके 2030 तक 4,500 मेगावाट को पार कर जाने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि पिछले पांच से छह वर्ष में भारतीय डेटा सेंटर उद्योग में वृद्धि के साथ–साथ प्रभावशाली निवेश भी हुआ है। 2020 में शुरुआत से ही उद्योग में 14.7 अरब अमरीकी डॉलर का निवेश हो चुका है। ये निवेश मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण, परियोजना निर्माण एवं विकास आदि पर केंद्रित रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार अगले पांच से छह वर्ष में भारत में क्लाउड कम्प्यूटेशन और कृत्रिम मेधा (एआई) को बड़े पैमाने पर अपनाने के बीच, डीसी (डेटा सेंटर) में 20–25 अरब अमरीकी डॉलर का निवेश आने की संभावना है।

ब्रिटिश कंपनी बीएटी पीएलसी ने आईटीसी में 2.3 फीसदी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बीएटी) ने अपनी 2.3 प्रतिशत हिस्सेदारी 11,613 करोड़ रुपये (1.36 अरब डॉलर) में आईटीसी में बेच दी है। यह लेन–देन आईटीसी के स्टॉक मार्केट्स में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है। बीएटी के पास अपने सहयोगियों के साथ 25.44 फीसदी हिस्सेदारी थी, जो अब बेच दी गई है। इस सौदे से न्यूनतम मूल्य पर बीएटी ने 29 करोड़ आईटीसी शेयर बेचे। सूत्रों के मुताबिक विक्रेता और उसके सहयोगी छह महीने की लॉक–अप अवधि के बाद मुनाफा प्राप्त करेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तानी वायुसेना...

8 मई की शाम को पाकिस्तान ने तुर्किये और चीन के ड्रोन से भारत के एयर डिफेंस नेटवर्क पर हमले की नाकाम कोशिश की, लेकिन सियाचिन से लेकर नलिया तक भारत का पूरा एयर डिफेंस सिस्टम मुस्तैद था। इनमें छोटे कैलीबर की एल–70 और जेडयू–23 एयर डिफेंस गन भी शामिल थीं, जिन्होंने पाकिस्तानी ड्रोन्स को भारी नुकसान पहुंचाया। भारतीय थल सेना ने भी अपनी आर्टिलरी गन्स और रॉकेट लॉन्चर्स से पाकिस्तानी सेना को जम्मू कश्मीर में बड़ा नुकसान पहुंचाया और उन्हें संभलने का मौका नहीं दिया।

9 मई को भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान पर आक्रामक तरीके से हमला बोला और चकलाला, सरगोधा और मुरीद के एयरबेस स्थित पाकिस्तानी वायुसेना के कमांड एंड कंट्रोल सेंटरों को भारी नुकसान पहुंचाया। इन हमलों में भारत ने सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, रैंपेज और स्कैल्प का इस्तेमाल किया। इन मिसाइलों को मिराज, राफेल, एसयू–30 और मिग–29 लड़ाकू विमानों से दागा जा सकता है। इन हमलों ने पाकिस्तानी वायुसेना की कमर तोड़ दी और कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से पाकिस्तानी वायुसेना संघर्ष क्षेत्र की तस्वीर देखने और संचार करने में अक्षम हो गई। पाकिस्तानी वायुसेना का एडवांस्ड अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम से भी सम्पर्क टूट गया।

इस हमले से बौखलाए पाकिस्तान ने सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों से हमला की कोशिश की। इन हमलों में भारत के आदमपुर एयरबेस और पंजाब और गुजरात के एयरबेस को निशाना बनाने की कोशिश की गई, लेकिन इन हमलों में जिन चीनी मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया, वे बेहद खराब गुणवत्ता की थी, जिनके अवशेष भारत में जगह–जगह बरामद हुए। वहीं भारत ने पाकिस्तान के सरगोधा, रफीकी, रहीमयार खान, जैकबाबाद, भोलारी और कराची कैंट पर 10 मई को हमले कर पाकिस्तान को लगभग घुटनों पर ला दिया। भोलारी में पाकिस्तानी वायुसेना के हैंगर को निशाना बनाया गया, जहां उसके रडार और सर्विलांस विमानों के अलावा 3–4 आधुनिक लड़ाकू विमान भी तैनात थे। वहां नुकसान इतने बड़े पैमाने पर हुआ कि अभी तक पाकिस्तान हैंगर से मलबा भी नहीं निकाल सका है। पाकिस्तान स्थित पंजाब के एक एयरबेस पर इस तरह से हमला किया गया कि वहां से आठ घंटे तक पाकिस्तान का एक भी जहाज उड़ान नहीं भर सका। भारत के हमले की सैटेलाइट्स से भी निगरानी की गई। रक्षा विशेषज्ञों का दावा है कि भारत के हमलों से पाकिस्तानी वायुसेना कई साल पीछे चली गई है और उसे इस नुकसान से उबरने में लंबा समय लगेगा।

केंद्र ने 14 फसलों ...

इसी तरह धान (ए- ग्रेड) का एमएसपी 2,320 रुपए से 2,389 रुपए, ज्वार (हाइब्रिड) का एमएसपी 3,371 रुपए से 3,699 रुपए, ज्वार (मालदांडी) का एमएसपी 3,421 रुपए से 3,749 रुपए, बाजरा का एमएसपी 2,625 रुपए से 2,775 रुपए, रागी का एमएसपी 4,290 रुपए से 4,886 रुपए, मक्का का एमएसपी 2,225 रुपए से 2,400 रुपए, तुअर/अरहर का एमएसपी 7,550 रुपए से 8,000 रुपए, मूंग का एमएसपी 8,682 रुपए से 8,768 रुपए, उड़द का एमएसपी 7,400 रुपए से 7,800 रुपए, मूंगफली का एमएसपी 6,783 रुपए से 7,263 रुपए, सूरजमुखी का एमएसपी 7,280 रुपए से 7,721 रुपए, सोयाबीन का एमएसपी 4,892 रुपए से 5,328 रुपए, तिल का एमएसपी 9,267 रुपए से 9,846 रुपए , रामतिल का एमएसपी 8,717 रुपए से 9,537 रुपए, कपास (मिडिल स्टेपल) का एमएसपी 7,121 रुपए से 7,710 रुपए और कपास (लॉन्ग) का एमएसपी 7,521 रुपए से बढ़ा कर 8,110 रुपए कर दिया गया है।

केंद्र सरकार ने संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) को 2025–26 के लिए जारी रखने की भी मंजूरी दे दी। इसके तहत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से सस्ती दर पर अल्पकालिक ऋण मिलता है। मौजूदा 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता के साथ वित्त वर्ष 2025–26 के लिए एमआईएसएस को जारी रखने का निर्णय लिया गया है। इस योजना को जारी रखने से सरकारी खजाने पर 15,640 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। एमआईएसएस एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसका उद्देश्य केसीसी के माध्यम से किसानों को सस्ती ब्याज दर पर अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। एमआईएसएस के तहत, किसानों को केसीसी के माध्यम से 7 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर 3 लाख रुपए तक का अल्पकालिक ऋण मिलता है, जिसमें पात्र ऋण देने वाली संस्थाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, समय पर ऋण चुकाने वाले किसान शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (पीआरआई) के रूप में 3 प्रतिशत तक के प्रोत्साहन के पात्र होते हैं, जिससे केसीसी ऋण पर उनकी ब्याज दर प्रभावी रूप से 4 प्रतिशत तक कम हो जाती है। केवल पशुपालन या मत्स्य पालन के लिए लिए गए ऋणों के लिए ब्याज लाभ 2 लाख रुपए तक लागू है। योजना की संरचना या अन्य घटकों में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं किया गया है। देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खाते हैं।

केंद्रीय कैबिनेट ने बडवेल नेल्लोर फोर–लेन हाईवे को भी मंजूरी दी है। यह हाईवे बडवेल–गोपरावम गांव (एनएच–67) से लेकर गुरुविंदापुडी (एनएच–16) तक बनेगा। इसकी कुल लंबाई: 108.134 किलोमीटर होगी। इस फोर लेन बनाने की कुल अनुमानित लागत: 3653.10 करोड़ रुपए आंकी गई है। बडवेल–नेल्लोर कॉरिडोर आंध्र प्रदेश के तीन प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोरों से कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। यह कॉरिडोर कृष्णपट्टनम पोर्ट तक की यात्रा दूरी को 142 किमी से घटाकर 108.13 किमी कर देगा। परियोजना के माध्यम से लगभग 20 लाख मानव–दिनों का प्रत्यक्ष रोजगार और 23 लाख मानव–दिनों का अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होगा। केंद्रीय कैबिनेट ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भारतीय रेलवे में दो मल्टी ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में रतलाम–नागदा तीसरी और चौथी लाइन और वर्धा–बल्लारशा चौथी लाइन शामिल है। परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ है। इन रेल लाइनों का कार्य 2029–30 तक पूर्ण किया जाएगा। भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 176 किमी की वृद्धि होगी। लगभग 784 गांवों में 19.74 लाख की जनसंख्या को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। निर्माण के दौरान लगभग 74 लाख मानव–दिनों का प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इससे यात्रा में सुविधा, लॉजिस्टिक लागत में कमी, तेल आयात में गिरावट और सीओ2 उत्सर्जन में कमी में सहायता मिलेगी।

एनडीए को ...

यह सरकार बनाने का दावा पेश करने के ही समान है। उन्होंने कहा, ऐसा कोई भी नहीं है जो नई सरकार के गठन का विरोध करता हो। प्रदेश के लोगों को बहुत ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कार्यकाल में कोविड के कारण दो साल बर्बाद हो गए थे और इस कार्यकाल में संघर्ष के कारण दो और साल बर्बाद हो गए।निर्दलीय विधायक निशिकांत सिंह ने कहा, ज्यादातर लोग चाहते हैं कि एक लोकप्रिय सरकार बने और यही कारण है कि हम राज्यपाल से मिलने यहां आए हैं। हमने अन्य बातों पर भी चर्चा की, जैसे कि लोकप्रिय सरकार बनने के बाद राष्ट्रपति शासन का कामकाज पहले जैसा नहीं रह सकता। मुख्य रूप से मुख्य मुद्दा एक लोकप्रिय सरकार का गठन था। राज्यपाल की प्रतिक्रिया भी अच्छी थी। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि जल्द ही सरकार का गठन हो जाएगा। हम राज्यपाल से अपील कर रहे हैं कि हमें लोकप्रिय सरकार चाहिए। हमने राज्यपाल को एक कागज भी दिया है, जिस पर हम सभी ने हस्ताक्षर किए हैं। मणिपुर में एनडीए के सभी विधायक लोकप्रिय सरकार बनाने के लिए बहुत उत्सुक हैं। हम जनता का समर्थन भी चाहते हैं। हमने जो कागज दिया है, उस पर करीब 22 लोगों के हस्ताक्षर हैं। राज्यपाल से मिलने के लिए 10 विधायक यहां आए हैं। इससे पहले 21 विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर पूर्वोत्तर राज्य में शांति और सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए लोकप्रिय सरकार बनाने का आग्रह किया गया था। पत्र पर भाजपा के 13, एनपीपी–नगा पीपुल्स फ्रंट के तीन–तीन और विधानसभा के दो स्वतंत्र सदस्यों के हस्ताक्षर थे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1967 से लेकर अब तक मणिपुर में 11 बार राष्ट्रपति शासन लगाया जा चुका है।भाजपा नेता एन बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद मणिपुर में फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। मई 2023 में मैतेई और कुकी–जो के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष के बीच राष्ट्रपति शासन का फैसला लिया गया था। 60 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में 59 विधायक हैं। एक विधायक की मृत्यु के कारण एक सीट रिक्त है। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में 32 मैतेई विधायक, तीन मणिपुरी मुस्लिम विधायक और नौ नागा विधायक मिलाकर 44 विधायक हैं। कांग्रेस के पास पांच विधायक हैं, सभी मैतेई हैं। शेष 10 विधायक कुकी हैं। उनमें से सात ने पिछला चुनाव भाजपा के टिकट पर जीता था, दो कुकी पीपुल्स अलायंस के हैं, और एक निर्दलीय है।

महाभियोग ...

यह मामला जस्टिस यशवंत वर्मा पर लगे भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से जुड़ा है। 14 मार्च 2025 को उनके सरकारी आवास पर आग लगने के दौरान बड़ी मात्रा में कैश मिलने की बात सामने आई थी। इन आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च 2025 को एक तीन सदस्यीय आंतरिक समिति का गठन किया था। इस समिति में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस अनु सिवरमन शामिल थीं। समिति ने कई गवाहों के बयान दर्ज किए और 3 मई 2025 को अपनी रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा के खिलाफ लगे आरोपों को विश्वसनीय पाया गया।रिपोर्ट सामने आने के बाद, तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को जांच रिपोर्ट भेजते हुए जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश की। हालांकि, जस्टिस वर्मा से इस्तीफा देने को कहा गया था, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इन्कार कर दिया। उन्हें 20 मार्च 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल 2025 को वहां जज के रूप में शपथ ली, लेकिन उन्हें अभी तक कोई काम नहीं सौंपा गया है।संविधान के अनुसार, किसी संवैधानिक अदालत के न्यायाधीश को केवल गलत व्यवहार साबित होने पर या अक्षमता के आधार पर ही हटाया जा सकता है। न्यायाधीश जांच अधिनियम 1968 में इसके लिए पूरी प्रक्रिया बताई गई है। किसी जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लोकसभा में कम से कम 100 सदस्यों और राज्यसभा में कम से कम 50 सदस्यों के समर्थन से ही पेश किया जा सकता है। यदि किसी भी सदन में महाभियोग प्रस्ताव स्वीकार हो जाता है, तो अध्यक्ष/सभापति एक तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन करते हैं। यदि जांच समिति जज को दोषी पाती है, तो उसकी रिपोर्ट सदन द्वारा अपनाई जाती है और फिर जज को हटाने पर बहस होती है।सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के लिए, लोकसभा और राज्यसभा दोनों में उपस्थित और वोट करने वाले कम से कम दो–तिहाई सदस्यों को हटाने के पक्ष में वोट करना होता है। साथ ही, पक्ष में वोटों की संख्या प्रत्येक सदन की कुल सदस्यता के 50 प्रतिशत से अधिक होनी चाहिए। यदि संसद ऐसा वोट पारित कर देती है, तो राष्ट्रपति जज को हटाने का आदेश जारी करते हैं।

देश के प्रत्येक ग्राम...

इस अध्ययन में ग्राम पंचायतों में मानव संसाधन वितरण की प्रकृति और संरचना को समझने का प्रयास किया गया है। अध्ययन में ग्राम पंचायतों में अधिकारियों को दिए गए कार्य और चयनित ग्राम पंचायतों में अधिकारियों की डिजिटल साक्षरता का भी आकलन करने का प्रयास किया गया है। इस अध्ययन से यह पता चला है कि कुछ राज्यों को छोड़कर, मानव संसाधन की स्थिति अपर्याप्त है।

देश की कोई भी ग्राम पंचायत ए–प्लस श्रेणी में नहीं है। गुजरात और तेलंगाना की सबसे अधिक ग्राम पंचायतें दूसरी बेहतर श्रेणी में शामिल है। अध्ययन रपट में सिफारिश की गई है कि ग्राम पंचायतों में किए जा रहे विभिन्न बुनियादी ढांचे के कार्यों को ध्यान में रखते हुए जनसंख्या और आकार के बावजूद प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक पूर्णकालिक पंचायत सचिव होना चाहिए, जो एक नियमित कर्मचारी हो और पंचायत के मुख्य कार्यकारी के रूप में कार्य करे। जनसंख्या के आधार पर ग्राम पंचायतों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।मंत्रालय को भेजी गई सिफारिश के मुताबिक, समूह एक (2,500 तक की जनसंख्या) के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में एक पंचायत सचिव और कंप्यूटर सहायक होना चाहिए। समूह दो में ग्राम पंचायतों के प्रशासन में एक सचिव, सहायक पंचायत सचिव और कंप्यूटर सहायक होना चाहिए। समूह तीन और समूह चार के तहत ग्राम पंचायतों पर विचार करते समय पंचायत सचिव के लिए सहायक कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि होनी चाहिए। इसके अलावा सहायक पंचायत सचिव, दो से अधिक कंप्यूटर सहायक, लिपिक, पंचायत विकास अधिकारी की नियुक्ति होनी चाहिए। प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक तकनीकी सहायक (टीए) नियुक्त करने का सुझाव भी दिया गया है।

सिफारिश में कहा गया है कि सभी कर्मचारियों को अपने काम के लिए कंप्यूटर में दक्ष होना चाहिए। भविष्य में भर्ती के लिए यह अनिवार्य योग्यता होनी चाहिए। मौजूदा कर्मचारियों को एक निश्चित अवधि के भीतर आवश्यक दक्षता हासिल करने में सक्षम बनाया जाना चाहिए, जिसके लिए राज्य को आवश्यक सहायता प्रदान करनी चाहिए। अनुबंध पर काम करने वाले कर्मचारियों सहित सभी मौजूदा कर्मचारियों के लिए उस पद पर आवश्यक न्यूनतम स्तर की योग्यता सुनिश्चित की जानी चाहिए। एक अन्य सिफारिश में कहा गया है कि ग्रामीण विकास मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय राज्यों को विभिन्न पदों के लिए एक व्यापक योग्यता ढांचा विकसित करने में सहायता कर सकते हैं। मंत्रालय ने 16वें वित्त आयोग से सिफारिश की है कि वह पंचायत स्तर पर अधिक कर्मचारियों की नियुक्ति को मंजूरी दे। इसके लिए मंत्रालय की ओर से जल्द ही आयोग के समक्ष एक प्रस्तुति भी दी जाएगी। मंत्रालय को उम्मीद है कि वित्त आयोग उनकी इस सिफारिश को मान लेगा और ग्राम पंचायतों के स्तर पर कर्मचारियों की संख्या में सुधार आएगा। देश भर में लगभग 2.6 लाख पंचायतें हैं, जिनमें 2,55,538 ग्राम पंचायतें, 6,829 मध्यवर्ती पंचायतें व खंड पंचायतें और 659 जिला पंचायतें शामिल हैं।

हिंदी फिल्म में ...

इसकी सूची काफी लंबी है। इससे पहले निर्देशक नासिरुद्दीन यूसुफ, पत्रकार सुबीर भौमिक, पत्रकार और स्तंभकार अबीद खान, इतिहासकार और लेखक एवं ढाका यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर मुंतसिर मामून, पत्रकार एवं फिल्म निर्माता शहरियार कबीर, लेखक और एक्टिविस्ट ज़फ़र इकबाल वगैरह पर भी भारतीय एजेंट होने के आरोप लगाए गए हैं।

शेख हसीना को तानाशाह कहकर देश से बाहर निकालने वाले लोग अब खुद तानाशाह बने बैठे हैं। बांग्लादेश में लोग अब यूनुस सरकार के लिए तानाशाह शब्द का प्रयोग कर रहे हैं क्योंकि लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी बांग्लादेश में बुरी तरह दबाई जा रही है। बांग्लादेश में चुनाव की मांग करना भी देश के खिलाफ माना जा रहा है। अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कई सांस्कृतिक एक्टिविस्ट वहां पर इस असहिष्णुता का शिकार हो चुके हैं। अभिनेत्रियों को उनके घरों से उठाया जा चुका है और उन पर तरह तरह के आरोप लग रहे हैं। बीबीसी के पूर्व पत्रकार सुबीर भौमिक ने कहा, यदि राजनीति में वर्तमान लोगों के एजेंडे पर आप हामी नहीं भरते हैं तो आप पर रॉ का एजेंट होने का आरोप लगा दिया जाता है। जब वे तर्कों का प्रतिवाद नहीं कर पाते, तो वे उस व्यक्ति को रॉ एजेंट बता देते हैं। मुझे भी रॉ एजेंट करार दिया गया था। मेरी किताब में एक अध्याय है, जिसमें चटगांव हिल ट्रैक्ट्स में रॉ की संलिप्तता का विवरण है। क्या कोई व्यक्ति रॉ के संचालन को उजागर करने के बाद रॉ एजेंट हो सकता है? ऐसे तमाम मामले सामने आ रहे हैं और बांग्लादेश में यूनुस सरकार की तानाशाही के उदाहरण सामने आ रहे हैं।

भारत बनाएगा...

इनमें बियॉन्ड विजुअल रेंज यानी जिस निशाने को लक्षित किया जा रहा है, वहां तक बिना पहुंचे ही उसे मार गिराने की क्षमता हासिल की गई। चौथी पीढ़ी और पांचवीं पीढ़ी के बीच में एक और पीढ़ी भी सामने आई जिसमें लड़ाकू विमानों में रडार को चकमा देने की स्टेल्थ तकनीक विकसित की गई। इस वर्ग के फाइटर जेट्स गति और गुप्त तरीके से दुश्मन के रडार से बच निकलते हैं।अब दुनिया पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट्स की तरफ बढ़ चुकी है। इस मामले में अमेरिका सबसे आगे है। उसके एफ–22 रैप्टर और एफ–35 सबसे मजबूत पांचवीं पीढ़ी के एयरक्राफ्ट्स हैं। इसके अलावा चीन के जे–20 और जे–35 और रूस का एसयू–56 इसी तर्ज पर बने लड़ाकू विमान हैं। पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान 21वीं सदी में सबसे आधुनिक फाइटर जेट्स हैं। कई देश छठी पीढ़ी पर भी काम कर रहे हैं, लेकिन अभी वह प्रोटोटाइप स्टेज तक ही सीमित हैं। दूसरी तरफ पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान अपनी तेज गति और रडार की पकड़ में न आने की क्षमता (स्टेल्थ), कलाबाजी खाने में सक्षम ढांचे (एयरफ्रेम), बिना इंजन की पूरी ताकत इस्तेमाल किए लंबे समय तक आवाज की गति से तेज रफ्तार में उड़ने की क्षमता (सुपर क्रूज) और बेहतरीन इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम (एवियॉनिक्स) के लिए जाने जाते हैं। सीधे शब्दों में समझें तो पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान अपने कमांड, नियंत्रण और संचार क्षमताओं की वजह से उन्नत हैं, जिनमें सभी कंट्रोल्स पायलट के इशारों पर मौजूद होते हैं।

भारत जिस एएमसीए को बनाने की तैयारी कर रहा है, वह दो इंजन वाला 25 टन का एयरक्राफ्ट होगा। इसे भारतीय वायुसेना में मौजूद बाकी लड़ाकू विमानों से थोड़ा बड़ा बनाया जाएगा। इसमें तेज गति और ध्वनिरहित चाल का विशेष ध्यान रखा जाना है, ताकि यह दुश्मन देशों की रडार की पकड़ में न आ पाए। डीआरडीओ की एयरोनॉटिक्स डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) भारत के पहले पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट को दुनिया के अन्य इसी वर्ग के एयरक्राफ्ट्स से बेहतर बनाने की कोशिश में है।इस लड़ाकू विमान में एक बड़ा फ्यूल टैंक लगाया जाएगा, जो कि ढांचे के अंदर मौजूद होगा। इसकी क्षमता 6.5 टन ईंधन रखने की होगी। इसके अलावा लड़ाकू विमान में अंदरूनी हथियार भंडार होगा, जिसमें अधिकतर स्वदेशी स्तर पर बने हथियार और मिसाइलें रखी जाएंगी। इसके अलावा आधुनिक बम और बड़ी कैलिबर वाली बंदूकों को भी इस एयरक्राफ्ट में लगाया जा सकता है।एएमसीए के जो पहले कुछ लड़ाकू विमान एमके–1 बनाए जाने हैं, उनमें अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिकल्स के जीई–414 इंजन लगाना तय किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति रहे जो बाइडन के बीच जो समझौता हुआ था, उसके तहत इंजन का निर्माण साझा तौर पर भारत में होना है। यह इंजन अपनी श्रेणी में सबसे ताकतवर माने जाते हैं और एक बार में 90 किलोन्यूटन (केएन) तक की ऊर्जा पैदा कर सकते हैं। एडीए ने लक्ष्य रखा है कि जब एएमसीए अपने एमके–2 मॉडल तैयार करेगा तो इसमें स्वदेशी इंजन लगाए जाएंगे, जो एक बार में 110 किलो न्यूटन की ताकत पैदा कर सकेंगे। इनका निर्माण डीआरडीओ और किसी अन्य भारतीय या विदेशी फर्म के सहयोग से होना है। बताया गया है कि भारत इसके लिए फिलहाल फ्रांस की साफरान एसए से बातचीत कर रहा है। यह कंपनी दुनिया में एयरक्राफ्ट इंजन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी है। अपने इस कदम के जरिए भारत आने वाले समय में खुद से ही लड़ाकू विमानों के इंजन बना सकेगा। भारत की पांचवीं पीढ़ी के एयरक्राफ्ट में एयरफ्लो को भी नियंत्रित किए जाने की तैयारी है। दरअसल, कई रडार इंजन में जाने वाली हवा के बहाव में बदलाव के जरिए फाइटर जेट की लोकेशन को पकड़ सकते हैं। ऐसे में भारत इस फीचर को परिष्कृत करने की तैयारी की जा रही है।

भारत के पास इस वक्त जो लड़ाकू विमान मौजूद हैं, उनमें अधिकतर रूस और फ्रांसीसी मूल के लड़ाकू विमान हैं। जहां भारतीय वायुसेना रूस के दूसरी–तीसरी और चौथी पीढ़ी के विमान इस्तेमाल कर रही है, वहीं फ्रांस की तरफ से हमें तीसरी, चौथी और उसके बीच की पीढ़ी के लड़ाकू विमान मिले हैं। इस लिहाज से देखा जाए तो भारत की तरफ से बनाया जा रहा पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान वायुसेना के सभी मौजूदा विमानों से ज्यादा आधुनिक होगा।

कुलदेवता और कुलदेवी की पूजा करने से होती है वंश की रक्षा

भारत में समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। इसके अलावा पितृदेव भी होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इसके अलावा एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। भारत में हिन्दू पारिवारिक आराध्य व्यवस्था में कुलदेवता / कुलदेवी का स्थान सदैव से रहा है। प्रत्येक हिन्दू परिवार किसी न किसी ऋषि के वंशज हैं। जिनसे उनके गोत्र का पता चलता है, बाद में कर्मानुसार इनका विभाजन वर्णों में हो गया।

विभिन्न कर्म करने के लिए, जो बाद में उनकी विशिष्टता बन गया और जाति कहा जाने लगा। हर जाति वर्ग, किसी न किसी ऋषि की संतान है और उन मूल ऋषि से उत्पन्न संतान के लिए वे ऋषि या ऋषि पत्नी कुलदेव / कुलदेवी के रूप में पूज्य भी हैं। जीवन में कुलदेवता का स्थान सर्वश्रेष्ठ है। आर्थिक सुबत्ता, कौटुंबिक सौख्य और शांती तथा आरोग्य के विषय में कुलदेवी की कृपा का निकटतम संबंध पाया गया है। पूर्व के हमारे कुलों अर्थात पूर्वजों के खानदान के वरिष्ठों ने अपने लिए उपयुक्त कुल देवता अथवा कुलदेवी का चुनाव कर उन्हें पूजित करना शुरू किया था, ताकि एक आध्यात्मिक और पारलौकिक शक्ति कुलों की रक्षा करती रहे जिससे उनकी नकारात्मक शक्तियों – ऊर्जाओं और वायव्य बाधाओं से रक्षा होती रहे तथा वे निर्विघ्न अपने कर्म पथ पर अग्रसर रह उन्नति करते रहें।

कुलदेवी – देवता दरअसल कुल या वंश की रक्षक देवी देवता होते है। ये घर परिवार या वंश परम्परा की प्रथम पूज्य तथा मूल अधिकारी देव होते है। सर्वाधिक आत्मीयता के अधिकारी इन देवो की स्थिति घर के बुजुर्ग सदस्यों जैसी महत्वपूर्ण होती है। अत: इनकी उपासना या महत्त्व दिए बगैर सारी पूजा एवं अन्य कार्य व्यर्थ हो सकते है। इनका प्रभाव इतना महत्वपूर्ण होता है की यदि ये रुष्ट हो जाए तो अन्य कोई देवी देवता दुष्प्रभाव या हानि कम नही कर सकता या रोक नही लगा सकता। इसे यूं समझे – यदि घर का मुखिया पिताजी – माताजी आपसे नाराज हो तो पड़ोस के या बाहर का कोई भी आपके भले के लिये, आपके घर में प्रवेश नही कर सकता क्योकि वे बाहरी होते है। खासकर सांसारिक लोगो को कुलदेवी देवता की उपासना इष्ट देवी देवता की तरह रोजाना करना ही चाहिये।

ऐसे अनेक परिवार देखने मे आते है जिन्हें अपने कुल देवी देवता के बारे में कुछ भी नही मालूम नही होता है। किन्तु कुलदेवी – देवता को भुला देने मात्र से वे हट नही जाते, वे अभी भी वही रहेंगे।

यदि मालूम न हो तो अपने परिवार या गोत्र के बुजुर्गो से कुलदेवता – देवी के बारे में जानकारी लेवें, यह जानने की कोशिश करे की झडूला – मुण्डन संस्कार आपके गोत्र परम्परानुसार कहा होता है, या जात कहा दी जाती है, या विवाह के बाद एक अंतिम फेरा (5,6,7 वां) कहा होता है। हर गोत्र – धर्म के अनुसार भिन्नता होती है. सामान्यत: ये कर्म कुलदेवी / कुलदेवता के सामने होते है और यही इनकी पहचान है।

समय क्रम में परिवारों के एक दुसरे स्थानों पर स्थानांतरित होने, धर्म परिवर्तन करने, आक्रान्ताओं के भय से विस्थापित होने, जानकार व्यक्ति के असमय मृत होने, संस्कारों के क्षय होने, विजातीयता पनपने, इनके पीछे के कारण को न समझ पाने आदि के कारण बहुत से परिवार अपने कुल देवता / देवी को भूल गए अथवा उन्हें मालूम ही नहीं रहा की उनके कुल देवता / देवी कौन हैं या किस प्रकार उनकी पूजा की जाती है। इनमें पीढ़ियों से शहरों में रहने वाले परिवार अधिक हैं, कुछ स्वयंभू आधुनिक मानने वाले और हर बात में वैज्ञानिकता खोजने वालों ने भी अपने ज्ञान के गर्व में अथवा अपनी वर्त्तमान अच्छी स्थिति के गर्व में इन्हें छोड़ दिया या इन पर ध्यान नहीं दिया।

कुल देवता / देवी की पूजा छोड़ने के बाद कुछ वर्षों तक तो कोई ख़ास अंतर नहीं समझ में आता, किन्तु उसके बाद जब सुरक्षा चक्र हटता है तो परिवार में दुर्घटनाओं, नकारात्मक ऊर्जा, वायव्य बाधाओं का बेरोक – टोक प्रवेश शुरू हो जाता है, उन्नति रुकने लगती है, पीढ़िया अपेक्षित उन्नति नहीं कर पाती, संस्कारों का क्षय, नैतिक पतन, कलह, उपद्रव, अशांति शुरू हो जाती हैं, व्यक्ति कारण खोजने का प्रयास करता है, कारण जल्दी नहीं पता चलता क्योकि व्यक्ति की ग्रह स्थितियों से इनका बहुत मतलब नहीं होता है, अतः ज्योतिष आदि से इन्हें पकड़ना मुश्किल होता है, भाग्य कुछ कहता है और व्यक्ति के साथ कुछ और घटता है।

कुल देवता या देवी हमारे वह सुरक्षा आवरण हैं जो किसी भी बाहरी बाधा, नकारात्मक ऊर्जा के परिवार में अथवा व्यक्ति पर प्रवेश से पहले सर्वप्रथम उससे संघर्ष करते हैं और उसे रोकते हैं, यह पारिवारिक संस्कारों और नैतिक आचरण के प्रति भी समय समय पर सचेत करते रहते हैं, यही किसी भी ईष्ट को दी जाने वाली पूजा को इष्ट तक पहुचाते हैं, यदि इन्हें पूजा नहीं मिल रही होती है तो यह नाराज भी हो सकते हैं और निर्लिप्त भी हो सकते हैं, ऐसे में आप किसी भी इष्ट की आराधना करे वह उस इष्ट तक नहीं पहुँचता, क्योकि सेतु कार्य करना बंद कर देता है, बाहरी बाधाये, अभिचार आदि, नकारात्मक ऊर्जा बिना बाधा व्यक्ति तक पहुचने लगती है, कभी कभी व्यक्ति या परिवारों द्वारा दी जा रही इष्ट की पूजा कोई अन्य बाहरी वायव्य शक्ति लेने लगती है, अर्थात पूजा न इष्ट तक जाती है न उसका लाभ मिलता है।

ऐसा कुलदेवता की निर्लिप्तता अथवा उनके कम शशक्त होने से होता है। कुलदेव परम्परा भी लुप्तप्राय हो गयी है, जिन घरो में प्राय: कलह रहती है, वंशावली आगे नही बढ रही है, निर्वंशी हो रहे हों, आर्थिक उन्नति नही हो रही है, विकृत संताने हो रही हो अथवा अकाल मौते हो रही हो, उन परिवारों में विशेष ध्यान देना चाहिए।

कुलदेवता या देवी सम्बंधित व्यक्ति के पारिवारिक संस्कारों के प्रति संवेदनशील होते हैं और पूजा पद्धति, उलटफेर, विधर्मीय क्रियाओं अथवा पूजाओं से रुष्ट हो सकते हैं, सामान्यतया इनकी पूजा वर्ष में एक बार अथवा दो बार निश्चित समय पर होती है, यह परिवार के अनुसार भिन्न समय होता है और भिन्न विशिष्ट पद्धति होती है, शादी – विवाह, संतानोत्पत्ति आदि होने पर इन्हें विशिष्ट पूजाएँ भी दी जाती हैं, यदि यह सब बंद हो जाए तो या तो यह नाराज होते हैं या

कोई मतलब न रख मूकदर्शक हो जाते हैं और परिवार बिना किसी सुरक्षा आवरण के पारलौकिक शक्तियों के लिए खुल जाता है, परिवार में विभिन्न तरह की परेशानियां शुरू हो जाती हैं, अतः प्रत्येक व्यक्ति और परिवार को अपने कुल देवता या देवी को जानना चाहिए तथा यथायोग्य उन्हें पूजा प्रदान करनी चाहिए, जिससे परिवार की सुरक्षा – उन्नति होती रहे।

अक्सर कुलदेवी, देवता और इष्ट देवी देवता एक ही हो सकते है, इनकी उपासना भी सहज और तामझाम से परे होती है। जैसे नियमित दीप व् अगरबत्ती जलाकर देवो का नाम पुकारना या याद करना, विशिष्ट दिनों में विशेष पूजा करना, घर में कोई पकवान आदि बनाए तो पहले उन्हें अर्पित करना फिर घर के लोग खाए, हर मांगलिक कार्य या शुभ कार्य में उन्हें निमन्त्रण देना या आज्ञा मांगकर कार्य करना आदि। इस कुल परम्परा की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है की यदि आपने अपना धर्म बदल लिया हो या इष्ट बदल लिया हो तब भी कुलदेवी देवता नही बदलेंगे, क्योकि इनका सम्बन्ध आपके वंश परिवार से है।

किन्तु धर्म या पंथ बदलने सके साथ साथ यदि कुलदेवी – देवता का भी त्याग कर दिया तो जीवन में अनेक कष्टों का सामना करना पद सकता है जैसे धन नाश, दरिद्रता, बीमारिया, दुर्घटना, गृह कलह, अकाल मौते आदि। वही इन उपास्य देवो की वजह से दुर्घटना बीमारी आदि से सुरक्षा होते हुवे भी देखा गया है।

ऐसे अनेक परिवार भी मैंने देखा है जिन्हें अपने कुल देवी देवता के बारे में कुछ भी नही मालूम। एक और बात ध्यान देने योग्य है – किसी महिला का विवाह होने के बाद ससुराल की कुलदेवी / देवता ही उसके उपास्य हो जायेंगे न की मायके के। इसी प्रकार कोई बालक किसी अन्य परिवार में गोद में चला जाए तो गोद गये परिवार के कुल देव उपास्य होंगे।

कुलदेवी/कुलदेवता के पूजन की विधि :–

1. जब भी आप घर में कुलदेवी की पूजा करे तो सबसे जरूरी चीज होती है पूजा की सामग्री। पूजा की सामग्री इस प्रकार ही होना चाहिये – 4 पानी वाले नारियल, लाल वस्त्र, 10 सुपारिया, 8 या 16 श्रंगार कि वस्तुये, पान के 10 पत्ते, घी का दीपक, कुंकुम, हल्दी, सिंदूर, मौली, पांच प्रकार की मिठाई, पूरी, हलवा, खीर, भिगोया चना, बताशा, कपूर, जनेऊ, पंचमेवा।

2. ध्यान रखे जहा सिन्दूर वाला नारियल है वहां सिर्फ सिंदूर ही चढ़े बाकि हल्दी कुंकुम नहीं। जहाँ कुमकुम से रंग नारियल है वहां सिर्फ कुमकुम चढ़े सिन्दूर नहीं।

3. बिना रंगे नारियल पर सिन्दूर न चढ़ाएं, हल्दी – रोली चढ़ा सकते हैं, यहाँ जनेऊ चढ़ाएं, जबकि अन्य जगह जनेऊ न चढ़ाए।

4. पांच प्रकार की मिठाई ही इनके सामने अर्पित करें। साथ ही घर में बनी पूरी – हलवा – खीर इन्हें अर्पित करें।

5. ध्यान रहे की साधना समाप्ति के बाद प्रसाद घर में ही वितरित करें, बाहरी को न दें।

6. इस पूजा में चाहें तो दुर्गा अथवा काली का मंत्र जप भी कर सकते हैं, किन्तु साथ में तब शिव मंत्र का जप भी अवश्य करें।

7, सामान्यतय पारंपरिक रूप से कुलदेवता / कुलदेवी की पूजा में घर की कुँवारी कन्याओं को शामिल नहीं किया जाता। इसलिए उन्हें इससे अलग ही रखना चाहिये।

विशेष दिन और त्यौहार पर शुद्ध लाल कपड़े के आसान पर कुलदेवी / कुलदेवता का चित्र स्थापित करके घी या तेल का दीपक लगाकर गूगल की धुप देकर घी या तेल से हवन करकर चूरमा बाटी का भोग लगाना चाहिए, अगरबत्ती, नारियल, सतबनी मिठाई, मखाने दाने, इत्र, हर–फूल आदि श्रद्धानुसार।

नवरात्री में पूजा अठवाई के साथ परम्परानुसार करनी चाहिए।

पितृ देवता के पूजन की विधि :–

शुद्ध सफेद कपड़े के आसान पर पितृ देवता का चित्र स्थापित करके, घी का दीपक लगाकर गूगल धुप देकर, घी से हवन करकर चावल की सेनक या चावल की खीर – पूड़ी का भोग लगाना चाहिए। अगरबत्ती , नारियल, सतबनी मिठाई, मखाने दाने, इत्र, हर – फूल आदि श्रद्धानुसार।

✲ **चावल की सेनक :** चावल को उबाल पका लेवे फिर उसमे घी और शक्कर मिला ले।

✲ **अठवाई :** दो पूड़ी के साथ एक मीठा पुआ और उस पर सूजी का हलवा, इस प्रकार दो जोड़े कुल मिलाकर 4 पूड़ी ; 2 मीठा पुआ और थोड़ा सूजी का हलवा ।

कुलदेवी / कुलदेवता को नहीं पूजने, नही मानने के दुष्प्रभाव, परिणाम :–कुलदेवता या कुलदेवी का हमारे जीवन में बहुत महत्व होता है। इनकी पूजा आदिकाल से चलती आ रही है, इनके आशिर्वाद के बिना कोई भी शुभ कार्य नहीं होता है। यही वो देव या देवी है जो कुल की रक्षा के लिए हमेशा सुरक्षा घेरा बनाये रखती है।

आपकी पूजा पाठ, व्रत कथा जो भी आप धार्मिक कार्य करते है उनको वो आपके इष्ट तक पहुँचाते है। इनकी कृपा से ही कुल वंश की प्रगति होती है। लेकिन आज के आधुनिक युग में लोगो को ये ही नहीं पता की हमारे कुलदेव या देवी कौन है। जिसका परिणाम हम आज भुगत रहे हैं।

आज हमें यह पता ही नहीं चल रहा की हम सब पर इतनी मुसीबते आ क्यों रहे है ? बहुत से ऐसे लोग भी है जो बहुत पूजा पाठ करते है, बहुत धार्मिक है फिर भी उसके परिवार में सुख शांति नहीं है।

बेटा बेरोजगार होता है बहुत पढने – लिखने के बाद भी पिता पुत्र में लड़ाई होती रहती है, जो धन आता है घर मे पता ही नहीं चलता कौन से रास्ते निकल जाता है। पहले बेटे – बेटी की शादी नहीं होती, शादी किसी तरह हो भी गई तो संतान नहीं होती। ये संकेत है की आपके कुलदेव या देवी आपसे रुष्ट है।

आपके ऊपर से सुरक्षा चक्र हट चूका है, जिसके कारण नकारात्मक शक्तियां आप पर हावी हो जाती है। फिर चाहे आप कितना पूजा – पाठ करवा लो कोइ लाभ नहीं होगा।

लेकिन आधुनिक लोग इन बातो को नहीं मानते। आँखे बन्द कर लेने से रात नहीं हो जाती। सत्य तो सत्य ही रहेगा। जो हमारे बुजुर्ग लोग कह गए वो सत्य है, भले ही वो आप सबकी तरह अंग्रेजी स्कूल में ना पढ़े हो लेकिन समझ उनमे आपसे ज्यादा थी। उनके जैसे संस्कार आज के बच्चों में नहीं मिलेंगे।

आपसे निवेदन है की अपने कुलदेव या कुलदेवी का पता लगाऐ और उनकी शरण में जाये। अपनी भूल की क्षमा माँगे और नित्य कुलदेवता / कुलदेवी की भी पूजा किया जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर–जोधपुर
मो.9460872809

हिंदू धर्म में 33 करोड़ देवी–देवता हैं या 33 कोटि देवता? जानें इसके पीछे की सच्चाई

हिंदू धर्म में कुल 33 करोड़ देवी–देवता हैं। तो वहीं कुछ लोगों का मानना है कि 33 करोड़ नहीं बल्कि हिंदू धर्म में 33 कोटि देवी–देवता हैं, इस बात को लेकर सभी के अलग अलग विचार हैं।

हिंदू धर्म सबसे प्राचीन माना जाता है, जिसमें बहुत से देवी देवताओं की पूजा की जाती है। हिंदू धर्म में कुल कितने देवी देवता हैं, ये प्रश्न हमेशा जिज्ञासा का केंद्र बना रहता है। क्योंकि हिंदू धर्म को लेकर लोगों में कुछ भ्रांतियां फैली हुई हैं। जिनमें से सबसे बड़ी भ्रांति है कि हिंदू धर्म में 33 करोड़ देवी – देवता हैं। आज के समय में भी ज्यादातर लोगों का यही मानना है कि हिंदुओं के 33 करोड़ देवी– देवता होते हैं। आइए जानते हैं, क्या वाकई में हिंदुओ के 33 करोड़ देवी देवता होते हैं।

हिंदू धर्म का प्राचीन इतिहास रहा है। ये कितना पुराना है या कब अस्तित्व में आया कोई नहीं जानता। इसी तरह संस्कृत भी बहुत पुरानी भाषा मानी जाती है। हिंदू धर्म में पहले संस्कृत भाषा ही प्रचलन में थी इसका प्रमाण हमारे वेद और उपनिषद हैं, जो कि संस्कृत में लिखे गए हैं। हिंदुओं के पवित्र ग्रंथ गीता और रामायण भी संस्कृत में ही लिखे गए हैं।

बाद में हिंदी भाषा अस्तित्व में आई, जिसे बड़े स्तर पर हिंदू लोगों ने अपनाया तभी से धीरे धीरे संस्कृत भाषा पीछे छूटती रही और लोग संस्कृत भूलते गए। इसी वजह से हिंदू धर्म के सभी पवित्र ग्रंथों का संस्कृत भाषा से हिंदी भाषा में अनुवाद किया जाने लगा।

हिंदू ग्रंथो में 33 कोटि देवी देवता का जिक्र है। कोटि शब्द संस्कृत भाषा का शब्द है, जिसका सही अर्थ प्रकार है यानी की हिंदू धर्म में 33 प्रकार के देवी देवता होते हैं। जबकि कोटि शब्द को कहीं कहीं करोड़ भी कहा जाता है इसी वजह से हिंदू धर्म में ये भ्रांति फैली कि हिंदू धर्म में 33 कोटि यानी 33 करोड़ देवी देवता होते हैं। लेकिन ग्रंथो के हिसाब से हिंदू धर्म में 33 करोड़ नहीं बल्कि 33 कोटि यानि प्रकार के देवी देवता हैं।

33 कोटि देवताओं का नाम जानें?

मान्यताओं के अनुसार 33 कोटि देवताओं में 8 वसु, 11 रुद्र, 12 आदित्य, इंद्र और प्रजापति आते हैं। कहीं कहीं इसमें इंद्र व प्रजापति की जगह दो अश्विनी कुमारों को शामिल किया गया है।

आज से अपने स्पष्ट गोचर के साथ राहु–केतु का बढ़ेगा प्रभाव, इन राशियों का होगा भाग्योदय!

राहु और केतु दोनों ही छाया ग्रह हैं, ये ग्रह 18 मई 2025 को कुंभ और सिंह राशि में राशियों में गोचर कर चुके हैं लेकिन इनका इन राशियों पर पूर्ण और स्पष्ट गोचर 29 मई को रात 11 बजकर 3 मिनट पर होने जा रहा है। इसके बाद से राहु–केतू, कुंभ और सिंह राशि में स्पष्ट गोचर करेंगे और ये इनका इन राशियों पर प्रभाव 5 दिसंबर 2026 तक चलेगा।

ये दोनों ही ग्रह क्रूर ग्रह की श्रेणी में आते हैं यही कारण है कि इनका गोचर जीवन में अचानक बदलाव ला सकता है ये प्रभाव दोनों ही तरह से काम करते हैं शुभ और अशुभ। हम जिन राशियों की बात करने जा रहे हैं उन्हें इस गोचर से 18 महीने का शुभ फल की प्राप्ति होगी। इन राशियों के लिए ये समय सफलता के योग लेकर आयेगा।

राहु कुंभ राशि में मौजूद है और शनि कुंभ राशि के स्वामी हैं, जो कर्मफलदाता है यानि जैसा कर्म वैसा ही फल वो मेहनत और अनुशासन पर जोर देते हैं। यही कारण है कि राहु का ये प्रभाव का महत्वाकांक्षी योजनाओं, सामाजिक सुधार को बढ़ायेगा।

वहीं केतु सिंह राशि में प्रवेश कर ही चुका है। इस राशि के स्वामी सूर्य हैं, जो नेतृत्व आत्म–जागरूकता का प्रतीक माने जाते हैं। ऐसे में आने वाले 18 महीने का समय कुछ राशियों के लिए शुभ फल देंगे, इन राशियों को विशेष लाभ और भाग्य में वृद्धि होगी।

तुला राशि

तुला राशि के स्वामी शुक्र होते हैं। राहु आपके पंचम घर में बैठेगा और केतू ग्यारहवें घर में लिहाजा आपको जीवन में प्रेम की अनुभूति होगी, ये समय नौकरी और व्यापार दोनों में लाभ का रहेगा साथ ही इस समय आपकी मान–प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मेष राशि

मेष राशि के जातक मंगल ग्रह से रूल होते हैं इस समय में इस राशि के 11वें घर में राहु और पांचवे घर में केतू की युति से इस राशिवालों के आय के स्त्रोत खुलेंगे, शिक्षा और व्यापार में लाभ होगा, साथ ही ये समय प्रेम संबंधों के लिए भी बेहतर साबित होगा।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के स्वामी बुध हैं। मिथुन राशि के जातकों के नवें घर में राहु और तीसरे घर में केतू रहेगा जिससे इस डेढ़ साल में इन्हें कार्यों में सफलता मिलेगी, तरक्की और पदोन्नति के योग बनेगें, व्यापार में फैलाव होगा।

धनु राशि

धनु राशि के स्वामी बृहस्पति हैं, राहु आपके तृतीय घर में होगा और केतू नवम घर में ऐसे में ये समय आपके भाग्योदय के लिए सटीक समय रहेगा। आपको परिवार का साथ मिलेगा साथ ही कार्यों में सफलता मिलेगी।

मिथुन संक्रांति पर खुलेंगे भाग्य के द्वार, जानें कब है संक्रांति का महामुहूर्त और शुभ योग

हिंदू पंचांग के अनुसार, जब सूर्य ग्रह अपनी राशि बदलता है तो उस तिथि को संक्रांति कहा जाता है। साल भर में कुल 12 संक्रांतियां होती हैं, जिनमें से मिथुन संक्रांति का विशेष महत्व होता है। इस दिन सूर्य वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में प्रवेश करता है। इसे ज्येष्ठ मास की समाप्ति और आषाढ़ मास की शुरुआत के रूप में भी देखा जाता है। आइए जानते हैं कि वर्ष 2025 में मिथुन संक्रांति कब मनाई जाएगी और इसका शुभ मुहूर्त क्या रहेगा।

कब है मिथुन संक्रांति?

पंचांग के अनुसार, सूर्य देव 15 जून 2025 को वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। इसी के साथ मिथुन संक्रांति का आरंभ होगा। यह दिन दान–पुण्य और धार्मिक कार्यों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

मिथुन संक्रांति का महामुहूर्त और शुभ योग

मिथुन संक्रांति पर पूजा–पाठ और शुभ कार्यों के लिए विशेष मुहूर्त होते हैं। फिर भी सामान्य तौर पर इस दिन का महत्व पूरे दिन बना रहता है।

पुण्य काल: मिथुन संक्रांति के दिन पुण्य काल का विशेष महत्व होता है। इस दौरान किए गए दान और धार्मिक कार्यों का विशेष फल मिलता है।

शुभ योग: ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, मिथुन संक्रांति पर कई शुभ योगों का निर्माण हो सकता है, जो इस दिन के महत्व को और बढ़ाते हैं। इन योगों में किए गए कार्य सफलता प्रदान करते हैं।

क्यों माना जाता है भाग्य के द्वार खुलने का दिन?

मिथुन संक्रांति को कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य का राशि परिवर्तन सभी राशियों पर अपना प्रभाव डालता है। मिथुन संक्रांति के दौरान सूर्य की ऊर्जा में बदलाव आता है, जिसे सकारात्मक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन किए गए प्रयास सफलता दिलाते हैं और रुके हुए काम पूरे होते हैं। यही कारण है कि कई लोग इस दिन को भाग्य के द्वार खुलने का प्रतीक मानते हैं।

मिथुन संक्रांति पर क्या करें?

मिथुन संक्रांति के दिन दान–पुण्य का विशेष महत्व है। इस दिन जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र या अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा, इस दिन सूर्य देव की पूजा–अर्चना करना और उन्हें अर्घ्य देना भी फलदायी होता है। कई लोग इस दिन पवित्र नदियों में स्नान भी करते हैं।

पहली बायोपिक फिल्म राजा हरिश्चंद्र में सिर्फ मर्दों ने किया था काम

ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ने वाले बैरिस्टर सी शंकरन नायर पर बायोपिक बन रही है, जिसका निर्माण करण जौहर कर रहे हैं। यूं तो बड़े पर्दे पर खूब बायोपिक बन चुकी है, लेकिन क्या आपको भारत की पहली हिंदी बायोपिक फिल्म के बारे में पता है? इस आर्टिकल में हम आपको भारत की पहली हिंदी बायोपिक फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 111 साल पहले सिनेमाघरों में आई थी और इसने इतिहास रच दिया था।

बात उस दौर की है, जब फिल्म इंडस्ट्री स्थापित नहीं हुई थी। उस वक्त दादासाहेब फाल्के को एक फिल्म बनाने का आइडिया आया, जिसका नाम राजा हरिश्चंद्र है। यह भारत की पहली फीचर फिल्म ही नहीं, बल्कि पहली बायोपिक मूवी भी है। राजा हरिश्चंद्र एक मूक फिल्म थी, जो साल 1913 में रिलीज हुई थी। इसका निर्माण और निर्देशन दादासाहेब ने ही किया था। यह फिल्म हरिश्चंद्र पर आधारित थी।

फिल्म की कास्ट में शामिल थे सिर्फ मर्द

आपको सुनकर थोड़ा अजीब लगेगा लेकिन राजा हरिश्चंद्र में सिर्फ मेल एक्टर्स ने ही लीड रोल निभाया था। हरिश्चंद्र की भूमिका में दत्तात्रय दामोदर दाबके नजर आए थे, जबकि उनकी पत्नी तारामती का किरदार जिसने निभाया था, वो कोई महिला नहीं बल्कि एक्टर अन्ना सलुंके थे। बाकी सारी कास्ट गजानन वासुदेव साने, दत्तात्रय तेलांग, गनपत जी शिंदे, विष्णु हरी औंधकर और नाथ टी तेलांग समेत सभी मेल स्टार्स थे।

क्या खो गई है फिल्म?

खचऊल के मुताबिक, आग लगने की वजह से दादासाहेब फाल्के की राजा हरिश्चंद्र मूवी की रील जल गई थी जिसकी वजह से साल 1917 में इस फिल्म की रीमेक सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र बनाई गई थी। इसका निर्देशन रुस्तमजी धोतीवाला ने किया था। असली वाली फिल्म की सिर्फ पहली और आखिरी रील ही मिल पाई थी, जो नेशनल फिल्म अर्काईव ऑफ इंडिया में सुरक्षित है।

कैसे राजा हरिश्चंद्र बनाने का आया था आइडिया?

राजा हरिश्चंद्र बनाने का आइडिया दादासाहेब को फिल्म द लाइफ ऑफ क्रिस्ट को देखकर आया था।

उन्होंने यह फिल्म साल 1911 में देखी थी और तभी मूक फिल्म राजा हरिश्चंद्र बनाने की ठान ली थी। उन्होंने लंदन में दो हफ्ते तक फिल्ममेकिंग की टेक्निक्स सीखी और फिर राजा हरिश्चंद्र बनाई और इतिहास रच दिया। यह फिल्म रिलीज होते ही हिट हो गई थी।

गीत तेरी यादें में हनी सिंह और नरगिस फाखरी की दिखी जबरदस्त केमिस्ट्री

रैपर-संगीतकार यो यो हनी सिंह ने अपना नया म्यूजिक वीडियो तेरी यादें रिलीज किया। इस म्यूजिक वीडियो में अभिनेत्री नरगिस फाखरी और ग्रिनी भी नजर आ रहे हैं। तेरी यादें हनी सिंह के एल्बम ग्लोरी का एक बोनस ट्रैक है और इसमें अंतर्राष्ट्रीय कलाकार ग्रिनी भी हैं। टी-सीरीज ने इंस्टाग्राम पर हनी सिंह का नया म्यूजिक वीडियो जारी किया और इसके कैप्शन में लिखा, हनी सिंह एक ऐसी धुन के साथ वापस आ गए हैं जो आपकी यादों में बस जाएगा। गीत तेरी यादें रिलीज हो गया है।

फैंस को हनी सिंह के इस नए म्यूजिक वीडियो में उनका नरगिस फाखरी के साथ रोमांटिक अंदाज काफी पसंद आ रहा है।गीत हनी सिंह और ग्रिनी दोनों ने लिखे हैं, और संगीत हनी सिंह ने दिया है।2024 में हनी सिंह ने अपना एल्बम ग्लोरी लॉन्च किया, जिसमें मिलियनेयर, पायल और जट्ट महकमा सहित 18 ट्रैक शामिल थे। इस एल्बम में उन्होंने लियो ग्रेवाल के साथ गीतकार के रूप में एक संगीत निर्माता के रूप में भी वापसी की।इस एल्बम में हिंदी, पंजाबी, अंग्रेजी, हरियाणवी, भोजपुरी, स्पेनिश, फ्रेंच, अरबी, सिंधी और बलूची सहित 10 विभिन्न भाषाएं शामिल हैं। 10 में से 6 भाषाएं भारतीय उपमहाद्वीप की मूल भाषा हैं।

एल्बम ने तब से कई स्ट्रीमिंग रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मुख्य ट्रैक मिलियनेयर ने सिर्फ 8 महीनों में यूट्यूब पर 350+ मिलियन व्यूज और दूसरे प्लेटफॉर्म पर 150 प्लस मिलियन स्ट्रीम पार कर लिए हैं।जट्ट महकमा गाना हनी सिंह का बतौर निर्देशक डेब्यू था। नोरा फतेही के साथ पायल गाने के म्यूजिक प्रोडक्शन और गाने के लिए भी उनकी खूब तारीफ हुई।ग्लोरी का बोनस ट्रैक मैनियाक भी ब्लॉकबस्टर साबित हुआ, इसके संगीत निर्माण में भोजपुरी और पंजाबी शब्दों के मिश्रण के लिए उनकी काफी प्रशंसा हुई। यह गीत टी-सीरीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम हो रहा है और इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है।

फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग शुरू, कार्तिक आर्यन का नया लुक वायरल

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन एक बार फिर अपने फैंस के लिए रोमांचक खबर लेकर आए हैं। रोमांटिक ड्रामा तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग की शुरुआत हो चुकी है और इसका मुहूर्त शॉट यूरोप में शूट किया गया। निर्देशक समीर विद्वांस के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस और नमः पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है।कार्तिन आर्यन ने अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है जिसमें वो बड़े-बड़े बालों को कटवाकर नए लुक में नजर आ रहे हैं। इसी के साथ ही एक्टर ने मुहुर्त शॉट की भी जानकारी दी है। एक्टर ने हाल ही में अनुराग बसु की रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म की शूटिंग खत्म की है, अब इस नए प्रोजेक्ट में जुट गए हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भगवान गणेश की एक झलक शेयर करते हुए मुहूर्त शॉट का वीडियो क्लिप पोस्ट किया। इस वीडियो में फिल्म के क्लैपरबोर्ड के साथ भगवान गणेश की झलक भी दिखाई दे रही है।तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी का निर्देशन कर रहे समीर विद्वांस इससे पहले सत्यप्रेम की कथा जैसी फिल्में दे चुके हैं। फिल्म को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को थिएटर्स में रिलीज होगी, जिसे वेलेंटाइन वीक के दौरान रिलीज करने का प्लान है। अभिनेता के पास इन दिनों फिल्मों की भरमार है।

ताहा शाह बदुशा को कान्स में सम्मान

फिल्म हीरामंडी और पारो के लिए वर्ष के प्रभावशाली अभिनेता का खिताब मिला

डायनेमिक अभिनेता ताहा शाह बदुशा ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में एक बड़ी जीत के साथ अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाई है। जहाँ उन्हें संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित ऐतिहासिक महाकाव्य हीरामंडी और गजेंद्र अहिरे द्वारा निर्देशित दुल्हन की गुलामी की एक मार्मिक कहानी पारो में उनके दमदार अभिनय के लिए 'इन्फ्लुएंशियल ऐक्टर ऑफ द ईयर' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसमें तृप्ति भोईर ने उनके ऑपोजिट अभिनय किया है, जिसके साथ ताहा ने राशिद का किरदार निभाया है। एक ऐसा पति जो इस शोषणकारी व्यवस्था में महिलाओं की पीड़ा को समझता है और उसके संघर्षों के प्रति सहानुभूति रखता है। उनकी यह भूमिका फिल्म की कहानी में गहराई और संवेदनशीलता लेकर आती है। कान्स फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होने के बाद 'पारो' को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में भी दिखाया जाएगा, जिससे इसकी वैश्विक पहुंच एवं प्रभाव और भी बढ़ेगा। ताहा की इस जीत ने सिनेमा की परिवर्तनकारी शक्ति पर महत्वपूर्ण चर्चाओं को जन्म दिया है। प्रशंसक और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग उनके सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण की जमकर सराहना कर रहे हैं। अपनी इस उपलब्धि के बाद ताहा ने एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए लिखा:इस वैश्विक सम्मान के लिए आभारी हूं, धन्यवाद थखइ- अवॉर्ड्स!

विश्व स्तर पर ताहा शाह की मौजूदगी ने उन्हें आलोचकों की प्रशंसा और दर्शकों का प्यार दोनों ही दिलवाया है। लेकिन यह उनका समर्पण है कि वे अपने मंच का इस्तेमाल बड़े उद्देश्यों के लिए करते हैं जो उन्हें दूसरों से अलग करता है। उनकी कान्स जीत सिर्फ़ उनके करियर की एक उपलब्धि नहीं है, यह तेज़ी से स्वचालित होती दुनिया में जागरूकता, सहानुभूति और कार्रवाई के लिए एक स्पष्ट आह्वान है। हीरामंडी और पारो ने पहले ही धूम मचा दी है, ऐसे में सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि ताहा शाह बदुशा, एक अभिनेता और चेंजमेकर हैं जो वैश्विक मंच पर देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

शर्लिन चोपड़ा ने बिकनी पहन फ्लोरिडा में दिखाया बोल्ड अवतार

अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड और बिंदास अंदाज़ के लिए जानी जाती हैं। एक बार फिर उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने वेकेशन की ग्लैमरस तस्वीर शेयर कर फैंस को चौंका दिया है। इस बार शर्लिन अमेरिका के फ्लोरिडा से अपनी कुछ हॉट बिकिनी फोटोज़ शेयर की हैं, जिनमें वह पूलसाइड पर स्टाइलिश पोज़ देती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में शर्लिन कलरफुल बिकिनी और मिनी स्कर्ट में नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने बालों को बन में बांधा हुआ है और बड़े सनग्लासेस में उनका लुक बेहद स्टनिंग लग रहा है। रेड लिपस्टिक और कॉन्फिडेंस के साथ शर्लिन ने ये फोटोज़ शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, बस रानी फ्लोरिडा यूएसए छुट्टी प्यार जीवन आनंद।शर्लिन की इन तस्वीरों को अब तक लाखों लोग लाइक कर चुके हैं। फैंस ने कमेंट सेक्शन में उनके लुक की खूब तारीफ की है। किसी ने उन्हें गॉर्जियस कहा तो किसी ने हॉटनेस ओ-वरलोडेड।

शर्लिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने ट्रैवल से लेकर शूट्स तक की हर अपडेट फैंस के साथ शेयर करती हैं। उनका ये बोल्ड पूलसाइड फोटोशूट अब इंटरनेट पर वायरल हो चुका है। शर्लिन चोपड़ा का ये अवतार एक बार फिर ये साबित करता है कि वो बोल्डनेस और ग्लैमर की क्वीन हैं। फ्लोरिडा वेकेशन से आई ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जबरदस्त धमाल मचा रही हैं।

फिल्म चुनने के लिए क्या है दो जरूरी बातें? वामिका गब्बी ने किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस वामिका गब्बी एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जो अपने काम को लेकर बेहद सोच-समझकर फैसले लेती हैं। वह ऐसे किरदार को चुनती हैं जो उन्हें अंदर से खुशी और संतुष्टि दें। एक्ट्रेस ने बताया कि उनके लिए कोई भी भूमिका तभी खास होती है जब वह रचनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण हो और उनके करियर में कुछ नया जोड़ सके। अगर उन्हें कोई ऐसा किरदार मिलता है, तो वह तुरंत उस प्रोजेक्ट के लिए हां कह देती हैं। बातचीत में जब वामिका से पूछा गया कि वह फिल्में किस आधार पर चुनती हैं, इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि फिल्म चुनने के लिए दो बातें जरूरी हैं, फिल्म से कुछ सीखने को मिले और आपका किरदार कहानी के लिए बेहद जरूरी हो। अगर आपको लगे कि आप कुछ खास दे रहे हैं, आपका किरदार कहानी में कुछ जोड़ रहा है, तो वो काम दिलचस्प लगता है।''

वामिका गब्बी ने आगे कहा, ''अगर आप अच्छा काम करना चाहते हैं और कोई प्रोजेक्ट आपके काम में भी कुछ अच्छा जोड़ता है, तो यह एक ही बात है, मैं बस उसे अलग तरीके से कह रही हूं। आखिर में बात यह है कि जब आपको लगे कि ये काम करना मजेदार या संतुष्टि भरा होगा, तभी आप उसे करने के लिए हां कहते हैं।''

वामिका गब्बी इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'भूल चूक माफ' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव भी हैं। यह फिल्म पहले 16 मई को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में 23 मई को इसे सिनेमाघरों में रिलीज कर दिया गया। यह फिल्म अब 6 जून को ओटीटी प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। 'भूल चूक माफ' को मैडॉक फिल्म्स के दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है। वहीं इसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है। फिल्म में राजकुमार राव 'रंजन तिवारी' नाम के लड़के का किरदार निभा रहे हैं, वहीं वामिका 'तितली मिश्रा' नाम की लड़की की भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी बनारस में अपने माता-पिता के साथ रहने वाले रंजन तिवारी की है, जो तितली से बेहद प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है। दोनों भागकर शादी करने की प्लानिंग करते हैं, लेकिन इस प्लान के बारे में उनके माता-पिता को पता चल जाता है। दोनों के माता-पिता शादी के लिए मान जाते हैं, लेकिन तितली के पिता रंजन के सामने एक शर्त रखते हैं कि उसे दो महीने के अंदर सरकारी नौकरी हासिल करनी होगी। इस दौरान रंजन टाइम लूप में फंसता हुआ भी दिखता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो वामिका गब्बी जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगी। इस फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन हैं।भूत बंगला 2 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

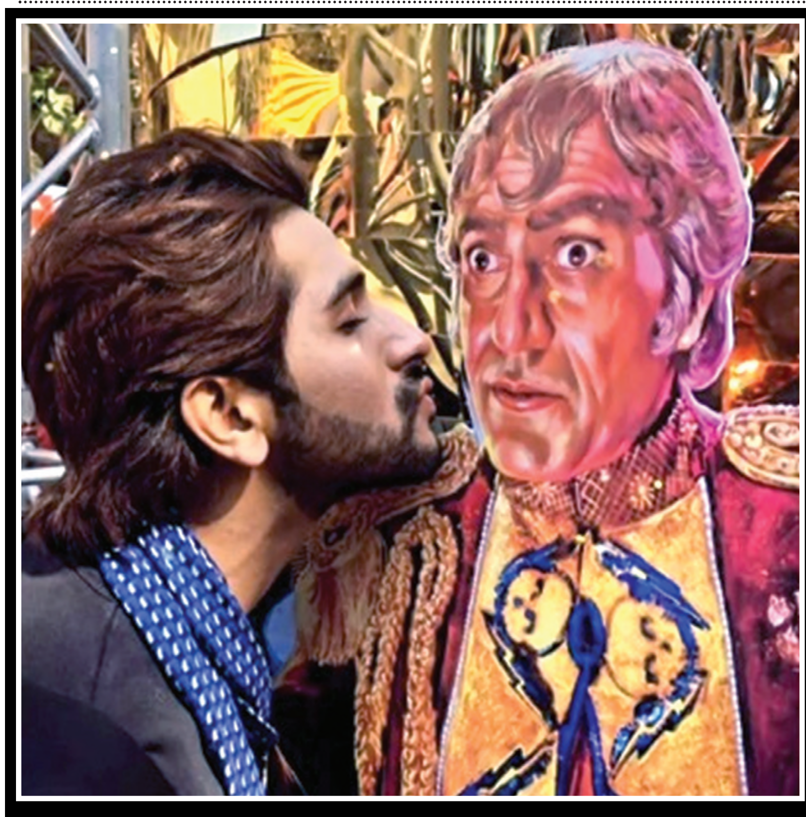

फिल्म मिस्टर इंडिया के 38 साल पूरे, वर्धन पुरी ने साझा किए दादा अमरीश पुरी के राज

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमरीश पुरी के पोते और अभिनेता वर्धन पुरी साइंस फिक्शन फिल्म मिस्टर इंडिया के 38 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस फिल्म में उनके दादा ने मोगैंबो की शानदार भूमिका निभाई थी। यह दमदार खलनायक का किरदार था। वर्धन पुरी ने बताया कि उनके दादा अमरीश पुरी ने मिस्टर इंडिया फिल्म में जो खलनायक का किरदार निभाया था, वह दुनिया भर के दर्शकों को याद है और आज भी पसंद किया जाता है। मोगैंबो जैसा किरदार लोगों के दिलों में बसा हुआ है।

वर्धन पुरी ने कहा, मोगैंबो दुनिया के सबसे यादगार और मशहूर किरदारों में से एक है, और वक्त के साथ उनकी अहमियत और भी बढ़ती जा रही है। 'मोगैंबो खुश हुआ' डायलॉग का जो असर दुनियाभर की फिल्मों पर पड़ा है, वो इस बात का सबूत है कि मेरे दादा अमरीश पुरी, निर्देशक शेखर कपूर और लेखक जावेद अख्तर ने मिलकर इस किरदार को मेहनत के साथ बनाया था।उन्होंने आगे कहा, मोगैंबो के किरदार की हर बात लोगों को बहुत पसंद आई, जैसे उनका डायलॉग बोलने का अंदाज, बड़ी-बड़ी आंखें, भारी आवाज, गोल्डन और ब्लैक कॉस्ट्यूम, विग, अंगूठियां और हाथ में छड़ी। यह देखकर बड़ों के साथ-साथ खासतौर पर बच्चे भी उनके फैन हो गए।वर्धन ने कहा, मोगैंबो को इतना खास और यादगार बनाने का बहुत सारा श्रेय शेखर कपूर सर को जाता है। उन्होंने मेरे दादा जी को सलाह दी थी कि इस किरदार को ऐसे निभाओ जैसे तुम बच्चों के लिए शेक्सपियर का नाटक कर रहे हो। क्योंकि एक बार जब कोई बच्चा किसी खलनायक से प्यार करने लगता है, तो उसे हमेशा के लिए याद रखा जाता है।'मिस्टर इंडिया' का निर्देशन शेखर कपूर ने किया था। वहीं इसकी कहानी सलीम-जावेद की जोड़ी ने लिखी थी। बता दें कि यह फिल्म सलीम-जावेद की साथ में लिखी आखिरी फिल्म थी। इसके बाद दोनों ने अलग-अलग काम करना शुरू कर दिया था। वर्धन पुरी के फिल्मी करियर पर नजर डालें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म ये साली आशिकी से की थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। हालाँकि उससे दूर होने का ख़याल आपको उदास भी कर सकता है। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपनी क्षमताओं को पहचानें, क्योंकि आपके अन्दर ताक़त की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैव–ाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

बहुत ज़्यादा रोमांच और दीवानगी की ऊँचाई आपके तंत्रिका–तंत्र को नुक़सान पहुँचा सकती है। इन दिक़्क़तों से बचने के लिए अपने जज़्बात क़ाबू में रखें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी–पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। रोमांटिक मुलाक़ात आपकी ख़ुशी में तड़के का काम करेगी। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अनचाहे ख़यालों को दिमाग़ पर कब्ज़ा न करने दें। शांत और तनाव–रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपनी जीवन में एक संगीत पैदा करें । आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आज के इस ख़बसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। ख़ुद को एक ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा इंसान बनाएँ, जो ज़िंदगी की राह अपनी मेहनत और काम से बनता है। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। अपनी शारीरिक–ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी–तोड़ मेहनत कर जल्द–से–जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा–सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान–फ़रामोशी इसे तार–तार कर देती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 मई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 11:21 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 10:40 तक
योग : शूल सायं 03:46 तक
करण : तैतिल दोपहर 12:34 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रंभा व्रत , प्रताप जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़कर सफलता हासिल कर रही : बंडारू

चंडीगढ़, 28 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से बुधवार को राजभवन में सीबीएसई बोर्ड 12वीं कक्षा के वाणिज्य संकाय में ट्राई सिटी टॉपर रहीं श्रेया गर्ग ने परिवार सहित मुलाकात की। राज्यपाल ने श्रेया को भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति व यथार्थगीता भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने श्रेया गर्ग व उनके परिवार को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

श्रेया ने राज्यपल को बताया कि उन्होंने वाणिज्य संकाय में 99.4 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। उसने स्वानुशासित होकर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया, जिसके परिणाम स्वरूप यह मुकाम हासिल कर पाई। श्रेया ने कहा कि वह और अधिक महनत कर आईएएस बनना चाहती है। श्रेया के दादा सतबीर गर्ग ने बताया कि इससे पहले श्रेया ने सीबीएसई बोर्ड 10वीं कक्षा में भी 99.2 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉप किया था। उसकी इस सफलता पर पूरे परिवार और समाज को गर्व है। राज्यपाल ने श्रेया की सराहना करते हुए कहा कि उनकी इस उपलब्धि से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी और वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि आज के समय में बेटियां हर एक क्षेत्र में आगे बढ़ कर सफलता हासिल कर रहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशभर में हरियाणा से शुरू किए गए 'बेटी बचाओ–बेटी पढाओ' अभियान के बेहद सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। दत्तात्रेय ने कहा कि इस सफलता के पीछे श्रेया के शिक्षकों व माता–पिता का भी अहम योगदान है। उनकी मेहनत व लग्न से ही आज वह सफलता प्राप्त कर पाई। ऐसे गुरुजनों और माता–पिता भी बधाई के पात्र है। इस दौरान श्रेया के माता रेनु गर्ग, दादा सतबीर गर्ग, चाचा देवराज गर्ग, राज मित्तल भी उपस्थित रहे।

विज का विपक्ष पर हमला

कांग्रेस नेताओं के दिमाग में पाकिस्तान की चिप, केजरीवाल को बताया जुमलेबाज

चंडीगढ़, 28 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं पर जोरदार जुबानी हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर खाते पीते तो भारत का है लेकिन इनके दिमाग में चिप पाकिस्तान की है का आरोप लगाया, वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जुमलेबाज बताते हुए उनकी घोषणाओं पर सवाल उठाए। पत्रकारों द्वारा पूंछ और पहलगाम में हुए आतंकवादी हमलों को लेकर कांग्रेस नेता के संघर्ष हुआ और विराम भी हुआ लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विज ने कहा, यह लोग हमेशा पाकिस्तान की बातें करते हैं, पाकिस्तान की अखबारें व पाकिस्तान के चैनलों पर जो कहते है वो ही यह बोलते हैं। विज का यह बयान कांग्रेस पर देश विरोधी मानसिकता रखने का सीधा आरोप है, जो भाजपा की ओर से विपक्ष को घेरने की एक आम रणनीति रही है।

जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के इस बयान पर कि टूरिज्म मेरी जिम्मेदारी है, लेकिन सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी नहीं है, विज ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने साफ कहा, सुरक्षा भी उन्हीं (मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला) की जिम्मेवारी है। उनकी सरकार है, वे मुख्यमंत्री है, वहां पर काम करने वालों की पहचान करना भी उनकी जिम्मेवारी है। कौन–कौन किस प्रकार की काम कर रहे हैं वह देखने की जिम्मेदारी भी उनकी है और हर सरकार का काम है कि वह अपने देश के नागरिकों की सुरक्षा करें।

विज ने मुख्यमंत्री के तौर पर सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी उमर अब्दुल्ला की ही बताई। अरविंद केजरीवाल के बनिया का बेटा हूं, पैसे कहीं से भी लाऊंगा, हमने पंजाब में बिजली फ्री की, स्कूल और अस्पताल सुधारे वाले बयान पर अनिल विज ने उन्हें जुमलेबाज करार दिया। विज ने तंज कसते हुए कहा कि केजरीवाल पिछले कई दिनों से शांत थे, देश का इतना बड़ा युद्ध था, ये फिर भी शांत रहे। उन्होंने केजरीवाल की घोषणाओं को बिना सोचे समझे करार दिया, जिन्हें वे पूरा नहीं कर पाते। यह टिप्पणी केजरीवाल सरकार के वित्तीय प्रबंधन और वादों को पूरा करने की क्षमता पर सवाल उठाती है।

बांग्लादेश सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के उस बयान पर कि बांग्लादेश में जो स्थिति है, उसके लिए भारत जिम्मेदार है, विज ने इसे पुरानी बात करार दिया। उन्होंने कहा, कोई भी अपनी गलती नहीं मानता, अपनी कमियों का आरोप वह दूसरे पड़ोसी देशों पर लगा देते हैं। विज ने भविष्यवाणी की कि मोहम्मद यूनुस जिस प्रकार से आए थे, अब उसी प्रकार से जनता उन्हें वापस भेज देगी। यह टिप्पणी पड़ोसी देशों के साथ संबंधों और आंतरिक राजनीति में भारत पर आरोप लगाने की प्रवृत्ति पर विज के दृष्टिकोण को दर्शाती है।

हरियाणा में नए जिलों को लेकर कवायद तेज

कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार की अध्यक्षता में कमेटी की बैठक

चंडीगढ़, 28 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में नए जिलों के गठन और प्रशासनिक पुनर्गठन को लेकर सरकार की कवायद एक बार फिर तेज हो गई है। कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार की अध्यक्षता में सोमवार को चंडीगढ़ में महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें विभिन्न जिलों से संबंधित प्रशासनिक प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक में महिपाल ढांडा, शाम सिंह राणा, विपुल गोयल जैसे मंत्री सहित वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मंत्री कृष्णलाल पंवार ने जानकारी दी कि आमजन की ओर से नए जिलों या उपतहसीलों के गठन को लेकर लगातार प्रस्तुति आ रही हैं। अब तक 69 पत्र प्राप्त हुए थे, जिनमें से 3 पत्र आज की बैठक में और प्राप्त हुए हैं। इन पत्रों के आधार पर समिति ने कुछ अहम निर्णय भी लिए हैं। लिए गए अहम फैसले : बैठक में कुछ क्षेत्रों को मौजूदा तहसीलों से अलग करके नई तहसीलों या उपतहसीलों में शामिल करने पर सहमति बनी। इनमें शामिल हैं : यमुनानगर जिला गांव चाहड़वाला को उपतहसील सरस्वती नगर से हटाकर तहसील बिलासपुर में शामिल किया जाएगा। गांव रुपौली को तहसील रादौर से हटाकर उपतहसील सरस्वती नगर में शामिल करने का निर्णय।

सिरसा जिला : गांव मलिकपुर किंगरे, नौरंग, बनवाला और मिठड़ी को तहसील कालवाली से हटाकर तहसील डबवाली में शामिल करने का प्रस्ताव पास किया गया।

झज्जर जिला : गांव बिल्लौचपुरा, भिंडवास और शाहजहांपुर को माननहेल से हटाकर झज्जर तहसील में शामिल किया जाएगा।

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि कुछ प्रस्तावित जिलों को लेकर आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। इन आपत्तियों का निवारण होते ही नए जिलों की घोषणा की जाएगी।

खरीफ फसलों पर किसानों को मिलेंगे ज्यादा भाव : औमप्रकाश

चंडीगढ़, 28 मई (एजेंसियां)। केंद्र में भाजपा की मोदी सरकार ने आगामी खरीफ विपणन सीजन के लिए फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बड़ी बढ़ोतरी की घोषणा की है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं भाजपा किसान मोर्चा के दो बार राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे औमप्रकाश धनखड़ ने एमएसपी बढोतरी और किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा जारी रखने पर पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि सीजन की बिजाई से पहले भाव तय होने से किसान अपने हिसाब से ज्यादा लाभकारी फसल की बिजाई कर सकते हैं।

किसान बंधु धनखड़ ने बताया कि ज्वार हाईब्रिड पर 328 रूपये की बढ़ोतरी से 3699 रूपये प्रति क्विंटल, धान पर 69 रूपये की बढ़ोतरी के साथ 2369 रूपये और बाजरे पर 150 रूपये की बढ़ोतरी से 2775 रूपये प्रति क्विंटल बिकेगा। धनखड़ ने कहा कि सरकार हर फसल सीजन से पहले कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कॉस्ट एंड प्राइजेज की सिफारिश के आधार पर एमएसपी तय करती है। किसान हितों में हमारी सरकार फसल लागत मूल्य का 50 प्रतिशत से ज्यादा भाव देने की नीति को भी ध्यान में रखती है।

भाजपा सरकार में नशा माफिया बेलगाम: सैलजा

सिरसा, 28 मई (एजेंसियां)। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में भाजपा सरकार पर नशा माफिया को बेलगाम छोड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण प्रदेश में कानून–व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है, जिससे युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। कुमारी सैलजा ने मीडिया को जारी एक बयान में कहा कि नशे की लत के चलते चोरी, लूटपाट और मारपीट जैसी आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। नशे की पूर्ति के लिए युवा अपराधों में लिप्त हो रहे हैं, और सरकार इस पर अंकुश लगाने में विफल साबित हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया, नशा रोकने के लिए सरकार ने कई सेल गठित किए हैं, बावजूद इसके फिर क्यों शहर–शहर, गांव–गांव नशा बिक रहा है?

जोधपुर में बजरी माफियाओं ने पुलिस कांस्टेबल को कुचला,चार गिरफ्तार

जोधपुर, 28 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट में कार्यरत कांस्टेबल सुनील खिलेरी की बजरी माफियाओं द्वारा डंपर से कुचलने के बाद मंगलवार देर रात मथुरादास माथुर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस दुखद घटना के बाद बुधवार को जोधपुर पुलिस लाइन ग्राउंड में उन्हें अंतिम सलामी दी गई और श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पुलिस कमिश्नर राजेंद्र सिंह, डीसीपी ईस्ट आलोक श्रीवास्तव, डीसीपी वेस्ट राज ऋषिराज वर्मा सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। घटना दो दिन पहले लूणी पुलिस थाना क्षेत्र में हुई, जब सुनील खिलेरी अवैध बजरी खनन माफिया के खिलाफ ड्यूटी पर तैनात थे। इस दौरान बजरी माफियाओं से जुड़े कुछ लोगों ने उन पर डंपर चढ़ा दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया। हालांकि, गंभीर चोटों के कारण सुनील को बचाया नहीं जा सका। उनकी मौत से जोधपुर पुलिस और उनके परिवार में शोक की लहर है।पुलिस कमिश्नर राजेंद्र सिंह ने बताया कि सुनील खिलेरी एक नन्हे सिपाही थे, जिन्होंने कर्तव्यनिष्ठता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने कहा, हमने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की संपत्तियों की जांच शुरू हो गई है और उनकी खनन से संबंधित जमीन को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। इसके अलावा, लूणी क्षेत्र में अवैध खनन से जुड़े सभी लोगों की सूची तैयार की जा रही है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मालपुरा में संविधान बचाओ रैली, डोटासरा ने कहा

राजस्थान में लोकतंत्र का हो रहा चीरहरण

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार टोंक जिले के मालपुरा विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को 'संविधान बचाओ' रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सांसद हरीश चंद्र मीणा सहित पार्टी के कई विधायकों और पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

रैली को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों की अनद–ेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विधायक अपने नेता को चुनते हैं लेकिन राजस्थान में विधायकों की राय के स्थान पर दिल्ली से आई पर्ची से मुख्यमंत्री बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री पद पर बैठाने के लिए दिल्ली से राजनाथ सिंह पर्ची लेकर आए और वसुंधरा राजे से वह पर्ची खुलवाई गई। डोटासरा ने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था का अपमान बताते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद को एनडीए की बैठक में बिना किसी चर्चा के प्रधानमंत्री घोषित कर देते हैं, तब यह संविधान की भावना का खुला उल्लंघन होता है।

उन्होंने देश की विदेश नीति और कूटनीतिक रवैये को लेकर भी केंद्र सरकार की आलोचना की। डोटासरा ने कहा कि जब पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, तब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने सीजफायर की घोषणा कर दी, लेकिन भारत सरकार की ओर से इस पर कोई जवाब नहीं आया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप की मध्यस्थता वाली टिप्पणी का कभी खंडन तक नहीं किया, जिससे देश की संप्रभुता और गरिमा पर सवाल उठते हैं।

योग दिवस के आयोजन को प्रदेश की धरोहर से जोड़ें : भजनलाल

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जल एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से नीतिगत निर्णय लेकर राजस्थान को स्वस्थ एवं स्वच्छ प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर इस वर्ष गंगादशमी का अनूठा संयोग बना है। गंगादशमी की मान्यता को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार इस अवसर को जल स्वावलम्बन पखवाड़े के माध्यम से वर्षा जल के अधिक संग्रहण तथा जल स्रोतों के रख–रखाव एवं स्वच्छता के लिए व्यापक स्तर पर मनाने जा रही है।

शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि जल स्वावलम्बन पखवाड़े में आयोजित होने वाली गतिविधियों में आमजन की पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित हो तथा प्रत्येक गांव को इन गतिविधियों में जोड़ा जाए ताकि यह एक जन आंदोलन का रूप ले सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबका श्रम–सबकी सहभागिता की भावना के साथ जल स्वावलम्बन पखवाड़े में आयोजित होने वाली गतिविधियो की जागरूकता के लिए वृहद् स्तर पर प्रचार–प्रसार किया जाए तथा जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं आमजन को सहभागिता के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही, उन्हें सरकारी संस्थाओं में दान करने एवं रेलवे स्टेशनों आदि पर यात्रियों एवं आमजन के लिए जल सेवा की व्यवस्था एवं पक्षियों के लिए परिंडे लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी ऐसी संस्थाओं एवं समाजसेवियों का सम्मान करते हुए उन्हें प्रोत्साहित करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 जून से 20 जून तक जल स्वावलम्बन पखवाड़ा मनाया जाएगा। 5 जून को गंगा दशमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में प्रत्येक ग्राम एवं शहर में समस्त विभागो द्वारा जल स्रोतों, नदियों, जल धाराओं एवं तालाबों पर पूजन कलश यात्रा, जागरूकता अभियान, स्वच्छता अभियान एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, विभिन्न जल संग्रहण संरचनाओं का लोकार्पण एवं नई संरचनाओं का शुभारम्भ भी किया जाएगा। इसी तरह प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की 10 नई जलग्रहण परियोजनाओं का शुभारम्भ भी होगा।

शर्मा ने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के अन्तर्गत भामाशाहो, प्रवासी राजस्थानियों के माध्यम से क्राउण्ड फण्डिंग द्वारा व कॉरपोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी निधि के तहत रिचार्ज/जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल स्वावलम्बन पखवाड़े में पेयजल स्त्रोतो की सफाई मरम्मत, जल बचत हेतु जन जागरूकता अभियान सहित अन्य कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। उन्होंने इस दौरान अस्पतालों सहित सरकारी संस्थाओं में स्वच्छता संबंधी गतिविधियों एवं सीएसआर के जरिए जन भागीदारी बढ़ाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान एवं हरियालो राजस्थान मिशन के अन्तर्गत प्रदेश ने पिछले वर्ष 7 करोड़ से अधिक पौधारोपण का रिकॉर्ड बनाया था। इस वर्ष भी 11 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आगामी मानसून सत्र में पौधारोपण की आवश्यक गतिविधियों की भी तैयारियां शुरू की जाएं। शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर विश्व भर में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से योग का बड़ा महत्व है और राज्य सरकार ने योग को आमजन के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के क्रम में कई निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान का पर्यटन दुनियाभर में बेजोड़ है। इसलिए इस वर्ष के योग दिवस के आयोजन को प्रदेश की संस्कृति एवं धरोहर से जोड़ते हुए प्रत्येक संभाग व जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर योगाभ्यास का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, ब्लॉक, ग्राम पंचायत, आयुष्मान आरोग्य मंदिर और सरकारी एवं गैर–सरकारी संस्थानों में योगाभ्यास का आयोजन किया जाए।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बेगूसराय नगर निगम कार्यालय में सेंधमारी

कंप्यूटर सिस्टम और सीपीयू चोरी महत्वपूर्ण डाटा पर संकट

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय शहर में अपराध की बढ़ती घटनाओं ने अब सरकारी कार्यालयों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। बीती रात चोरों ने नगर निगम कार्यालय में सेंध लगाकर तीन कंप्यूटर सिस्टम और एक सीपीयू चुरा लिया। इस चोरी की घटना ने न केवल नगर निगम के सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठाए हैं, बल्कि शहर में बढ़ते अपराध को लेकर भी चर्चा तेज कर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और नगर निगम के अधिकारी भी चोरी गए सामानों का आकलन करने में जुटे हैं।

जानकारी के मुताबिक, घटना का पता बुधवार सुबह करीब 10 बजे तब चला, जब नगर निगम के कर्मचारी अपने रोजमर्रा के कार्य के लिए कार्यालय पहुंचे। यह चोरी कर विभाग के उस कमरे में हुई, जहां कर दारोगा बैठते हैं। कर्मचारियों ने देखा कि कमरे में रखे तीन कंप्यूटर सिस्टम और एक सीपीयू गायब हैं। तत्काल इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद नगर थाना पुलिस को बुलाया गया। पुलिस और नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण शुरू किया।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि चोरों ने इस घटना को बड़े ही सुनियोजित और सावधानीपूर्वक तरीके से अंजाम दिया। नगर निगम कार्यालय के पीछे नगर पालिका मार्केट की ओर से खिड़की और छज्जे का सहारा लेकर चोरों ने वेंटिलेटर तोड़ा और कमरे में प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने वहां रखे कंप्यूटर सिस्टम और सीपीयू को चुरा लिया। चोरों ने इतनी सफाई से काम किया कि कोई बड़ा नुकसान या तोड़फोड़ के निशान कम ही दिखाई दिए।

चोरी गए कंप्यूटर सिस्टम में नगर निगम के कर विभाग से संबंधित कई महत्वपूर्ण डाटा होने की आशंका है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन सिस्टम में कितना और किस तरह का डाटा था।

नगर निगम के कर्मचारी चोरी गए सामानों का मिलान कर रहे हैं, ताकि यह पता चल सके कि और क्या-क्या चोरी हुआ है। इस बीच डाटा के दुरुपयोग की आशंका ने अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है।

नगर निगम कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तर में चोरी की इस घटना ने बेगूसराय शहर में सनसनी फैला दी है। जैसे ही यह खबर शहर में फैली, लोग बेगूसराय में बढ़ते अपराध को लेकर चर्चा करने लगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सरकारी कार्यालय भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा का क्या हाल होगा। इस घटना ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए हैं।

नगर थाना पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना शुरू कर दिया है और मामले की तहकीकात में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि चोरों ने किस तरह से कार्यालय में प्रवेश किया और क्या उनका मकसद केवल चोरी था या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश है। अभी तक नगर निगम की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि चोरी गए सामानों का पूरा ब्योरा मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

देवरिया कांड के पीड़ित परिवारों से मिले पप्पू यादव

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

जिले के देवरिया थाना क्षेत्र के बंगरा गांव में पुलिस द्वारा महिलाओं पर की गई कथित बर्बर पिटाई के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मंगलवार देर शाम पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुंचे। उन्होंने महिलाओं से मिलकर उन्हें ढांढ़स बंधाया और घटना की तीखी निंदा की।

सांसद पप्पू यादव ने इस दौरान मौके से ही एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को फोन कर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पुलिस जनता की रक्षक है, भक्षक कैसे बन गई? उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है और वे इस मामले में पूरी मजबूती से पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं।

देवरिया थाना क्षेत्र के बंगरा गांव में कई थानों की पुलिस टीम पर आरोप है कि उन्होंने 14 मई की रात गांव में घुसकर महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार किया और बेरहमी से उनकी पिटाई की। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिसकर्मियों ने जाति पूछकर महिलाओं को निशाना बनाया और बर्बरता की सारी सीमाएं लांघ दीं। इस घटना में आधा दर्जन से ज्यादा महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं।

मामला सामने आने के बाद राजद की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल गांव पहुंचा था। पुलिस ने भी घटना की जांच शुरू कर दी है और ग्रामीण एसपी विद्यासागर को जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। फिलहाल इस मामले में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं।

सांसद पप्पू यादव ने कहा कि यह घटना जलियांवाला बाग से भी ज्यादा अमानवीय है। आखिर किस अपराध और वारंट के तहत रात के अंधेरे में पुलिस ने घरों में घुसकर ऐसा बर्ताव किया? इससे पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल उठते हैं। दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई? उन्होंने प्रशासन से मांग की कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाया जाए।

रामनगर में 23.60 करोड़ की लागत से बनेगा पुल

केंद्र ने 367 करोड़ मंजूर किए : डिप्टी सीएम

पटना (एजेंसियां)।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने चंपारण, बांका, पटना समेत बिहार के 20 जिलों में ग्रामीण सड़कों और पुलों के निर्माण के लिए 367 करोड़ रुपये की योजना के डीपीआर को स्वीकृति दी है। इससे लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने बिहार के गांवों का कायाकल्प करने वाली निर्माण योजनाओं को स्वीकृति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया।

चौधरी ने बताया कि पश्चिम चंपारण जिले के रामनगर प्रखंड में नारा नदी पुल से खतौनी रोड तक 268.32 मीटर लंबे आर-सीसी पुल के निर्माण के लिए 23 करोड़ 60 लाख 79 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-खखख अंतर्गत ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बिहार के अररिया, अरवल, औरंगाबाद, बांका, बेगूसराय, भोजपुर, सारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, कटिहार, खगड़िया, किशनगंज, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, पटना, समस्तीपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, वैशाली और पश्चिम चंपारण सहित कुल 20 जिलों में ग्रामीण पथों और पुलों के निर्माण के लिए डीपीआर को स्वीकृति दी गई है।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने राज्य को कुल 5 ग्रामीण सड़कें (33.65 किमी) और 103 पुल (3891.71 मीटर) के निर्माण के लिए 367.94 करोड़ रुपये (तीन सौ सड़सठ करोड़ चौरानवे लाख रुपये) की परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। 367.94 करोड़ रुपये की योजना में राज्य के हिस्से के तहत बिहार सरकार 153.94 करोड़ रुपये (एक सौ तिरेपन करोड़ चौरानवे लाख रुपये) का खर्च वहन करेगी। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार की यह पहल गांवों को शहरों से जोड़ने की दिशा में एक सशक्त कदम है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि सुविधाओं तक ग्रामीणों की पहुंच बहुत आसान हो जाएगी।

पीएम नरेंद्र मोदी के पटना के कार्यक्रम का समय बदला, चार घंटे तक बंद रहेंगे कई मार्ग

पटना (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी दो दिवसीय बिहार दौरे पर आज पटना आ रहे हैं। अब उनके कार्यक्रम को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पीएम मोदी पटना में अपने तय कार्यक्रम से एक घंटा पहले पहुंचेंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने यह जानकारी दी है। कहा कि पीएम मोदी के कार्यक्रम में फेरबदल किया गया है। अब वह शाम साढ़े पांच बजे की जगह साढ़े चार बजे ही पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का शुभारंभ करेंगे। यानी पटना में प्रधानमंत्री के सभी कार्यक्रम अब एक घंटे पहले ही होंगे। बिक्रमगंज के कार्यक्रम में कोई बदलाव की सूचना नहीं दी गई।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि पटना में प्रधानमंत्री का रोड शो भी होना है। यह रोड शो पटना हवाई अड्डे से प्रारंभ होगा और शेखपुरा, पटेल भवन, राजवंशीनगर, पुनाईचौक, हड़ताली मोड़, हाई कोर्ट होते हुए आयकर गोलंबर पहुंचेगा। इसके बाद प्रधानमंत्री भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचेंगे। इस दौरान सड़कों के किनारे 32 स्थानों पर प्रधानमंत्री का अभिवादन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन स्थानों पर विभिन्न संस्थानों, स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा स्टेज बनाए जा रहे हैं।

इधर, पीएम मोदी के रोड शो को लेकर पटना के ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। जिला प्रशासन के अनुसार, शाम करीब चार बजे से आठ बजे तक एयरपोर्ट से भाजपा कार्यालय तक के रूट पर विशेष ट्रैफिक व्यवस्था लागू रहेगी। इतना ही नहीं चार मुख्य सड़कों पर रूट डायवर्ट किए गए हैं। इन रूटों पर सामान्य वाहनों का परिचालन पर भी होगा। वहीं जिला परिवहन कार्यालय से पटना एयरपोर्ट पर वाहनों का परिचालन बंद रहेगा। वहीं सगुना मोड़ से दानापुर, बेली रोड से हड़ताली मोड़ तक यातायात प्रभावित रहेगा। वीरचंद पटेल रोड, आर ब्लॉक गोलबंर के नीचे और ऊपर से इनकम टैक्स गोलबंर तक परिचालन पर रोक लगा दी गई है। वहीं शाम चार से रात आठ बजे के बीच हवाई अड्डा की ओर केवल फ्लाइट टिकट वाले राहगीरों को परिचालन की अनुमति मिलेगी। टिकट दिखाने के बाद वह पटेल गोलंबर से एयरपोर्ट तक जा पाएंगे। वहीं शेखपुरा मोड़ से एयरपोर्ट की ओर परिचालन रोक दी गई है। पटना पुलिस ने आम लोगों अपील की है कि समय से दो घंटे पहले ही पटना एयरपोर्ट पहुंचने की कोशिश करें। ताकि किसी तरह की कोई परेशानी न हो।

भाजपा में आए यूट्यूबर ने पार्टी के खिलाफ खोला मोर्चा पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर बड़ा आरोप लगाया

पटना (एजेंसियां)।

जोर शोर से भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले चर्चित यूट्यूब मनीष कश्यप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने भाजपा नेता पर रुपये देकर भीड़ जुटाने का आरोप लगाया है। मनीष कश्यप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया और भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुजरात महाराष्ट्र और दक्षिण के राज्यों में जो जनसभा होती है उनमें उतनी भी भीड़ नहीं होती है, जितनी बिहार में होती है।

मनीष कश्यप ने कहा कि बिहार के रोहतास जिले के बिक्रमगंज में 30 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा है। प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग राज्यों में सभा करते हैं लेकिन सबसे ज्यादा भीड़ बिहार में ही होती है। पीएम खुद गुजरात से आते हैं लेकिन वहां के जनसभा में भी उतनी भीड़ नहीं होती जितनी बिहार में। ऐसा ही हाल महाराष्ट्र और दक्षिण के राज्यों का भी है वहां भी इतनी भी नहीं दिखती जितनी बिहार में होती है। इस भीड़ के पीछे कारण यह है कि स्थानीय नेता बसों में भर भर के दो सौ, पांच सौ और सौ रुपये का लालच देकर लोगों को इकट्ठा करते हैं। यहां इतनी भीड़ देखकर पीएम मोदी को लगता है सब चंगा है। मनीष कश्यप ने सवाल पूछा कि आखिर गुजरात महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में भीड़ का यह रिकॉर्ड क्यों नहीं बन पाता है? अगर आप रिकॉर्ड उठा कर भी देखेंगे तो पीएम मोदी की 10 बड़ी रैलियां में सबसे अधिक भीड़ बिहार में ही होती है। अभी बिक्रमगंज में भाजपा नेता पांच से दस लाख भीड़ का दावा कर रहे हैं। अगर एक लाख लोगों की भीड़ होगी और गुजरात में 10000 लोगों की ही भीड़ होगी तो मोदी जी को तो यह लगेगा कि बिहार में ज्यादा विकास हो रहा है यहां लोग ज्यादा सुनते आ रहे हैं। इसलिए वह बिहार के विकास का जिम्मा यहां के नेत-ाओं के ऊपर छोड़ देते हैं।

मनीष कश्यप ने आरोप लगाया कि बिहार में भाजपा के नेताओं का हाल ऐसा है कि ब्लॉक से लेकर थाना तक कोई उनकी बातें नहीं सुनता। ना ब्लॉक में कोई अधिकारी उनकी बात सुनते हैं नहीं थाना में दरोगा और थानेदार उनकी बात सुनते हैं। वही राजद और जदयू के अगर कोई भी नेता फोन करेंगे तो सारे अधिकारी एक पैर पर खड़े हो जाते हैं। सारा काम आसानी से हो जाता है।

मनीष कश्यप ने आम लोगों से अपील की है कि बिक्रमगंज में जो रैली होने वाली है उसमें मत जाइए आप लोग भीड़ का हिस्सा मत बनिए। नेताजी लोग आएंगे और आपको चलने को कहेंगे लेकिन आप उनसे कहिए कि मेरा यह काम करो जैसे अस्पताल में कोई काम करता है तो वह करवा दो ब्लॉक में कोई काम फसा है वह करवा दो।

आपको पैसों का लालच दिया जाएगा झंडा दिया जाएगा लेकिन आप उनकी बातों में नहीं आएं। अगर एक रैली मोदी जी की फ्लॉप हो गई और भीड़ नहीं आई तो मोदी जी जरूर इन नेताओं से पूछेंगे कि आप लोग बिहार में क्या कर रहे हैं? लोगों से क्यों नहीं मिल रहे हैं? उनका काम क्यों नहीं कर रहे हैं? मनीष कश्यप ने कहा कि पीएम मोदी पहले मधुबनी भी आए थे और इसके बाद भी कई जगह आएंगे। रैली में भीड़ जुटेगी और घोषणाएं होंगी। लेकिन, आपके हित में कुछ नहीं होगा।

पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल के शुभारंभ को लेकर मनीष कश्यप ने सवाल उठाया। कहा कि पटना एयरपोर्ट पर रनवे नहीं बढ़ रहा है लेकिन टर्मिनल बिल्डिंग बढ़ा दिया गया। पूरे भारत में सबसे कठिन लैंडिंग पटना एयरपोर्ट पर ही होता है। लेकिन, इसपर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बिना भविष्य की नीति के कारण बिहटा एयरपोर्ट बनाया जा रहा है। आपलोग पता कीजिए कि क्या वहां दो हवाई पट्टी बन सकता है। क्या 12 हजार फीट का हवाई पट्टी बन सकता है। पटना एयरपोर्ट में मात्र 6798 फीट का हवाई पट्टी है। बताइए कैसे विकास होगा। इसीलिए आपलोगों से निवेदन है कि आवाज उठाइए और मोदी जी की रैली में मत जाइए। यहां के नेता लोग बिहार के लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी के करीब आने वालों की होगी कोरोना जांच, रोड शो के दौरान हाई अलर्ट

पटना (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय बिहार दौरे पर आ रहे हैं। वह आज शाम आएंगे और 30 मई को ब्रिकमगंज में जनसभा को संबोधित करके वापस जाएंगे। पीएम के दौरे को लेकर बिहार सरकार पूरी तरह अलर्ट है। स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ते कोरोना केस को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी के करीब आने वाले लोगों का कोविड टेस्ट कराने का सलाह दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि पीएम के 100 मीटर के दायरे में आने वालों सभी लोगों की जांच अनिवार्य है।

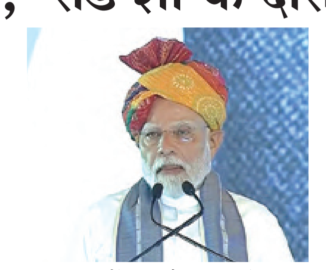

स्वास्थ्य विभाग ने पटना के सिविल सर्जन को जांच सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने पटना के प्रमुख सरकारी अस्प-तालों में जांच का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि पीएम के करीब आने वाले लोगों की रैपिड किट से जांच होगी। पटना के पीएमसीएच, एनएमसीएच, न्यू गार्डिनर रोड अस्पताल, एलए-नजेपी अस्पताल, सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और अनुमंडलीय अस्पतालों में जांच के निर्देश दिए हैं। इन सभी जगह कोविट जांच के केंद्र बनाए गए हैं। यहां पर रैपिड किट भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

पटना में पिछले 24 घंटे में छह लोग कोविड पॉजिटिव मिले। इसमें एक महिला डॉक्टर और दो नर्स शामिल हैं। यह तीनों पटना एम्स में कार्यरत हैं। आरपीएस मोड़ के पास भी 41 साल के एक युवक भी कोविड संक्रमित हो गया है। वहीं एनएमसीएच में दो मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इन सभी में सर्दी, खांसी, बुखार जैसे लक्षण दिखे। डॉक्टरों ने इन्हें कोरोना जांच की सलाल दी। जांच करवाने पर सभी कोविड पॉजिटिव पांए गए। मामले में सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पैनिक न हो, कोविड गाइडलाइन का पालन करें। तीन मरीजों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बाकी को होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने पीएम मोदी के कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री बिहार की धरती पर आने के साथ ही बिहार के लोगों को कई बड़ी सौगात देंगे। वह पटना पहुंचने के बाद पटना हवाई अड्डे के विश्वस्तरीय, भव्य नवनिर्मित टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे और साथ ही साथ बिहटा हवाई अड्डे के शिलान्यास भी करेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री भव्य रोड शो में शामिल होंगे। यह रोड शो पटना हवाई अड्डे से प्रारंभ होगा और शेखपुरा, पटेल भवन, राजवंशीनगर, पुनाईचौक, हड़ताली मोड़, हाई कोर्ट होते हुए आयकर गोलंबर पहुंचेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com